नई दिल्ली ■ शुक्रवार, 13 जून 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 74 ■ पृष्ठ 12

JBT **जनभावना टाइम्स**

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 भारतः आत्म बल से आगे बढ़ता राष्ट्र | 11 राधा इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल | पैपराजी की हरकतों पर भड़कीं काजोल 10

लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त

मृतकों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी

अहमदाबाद। एअर इंडिया का लंदन जा रहा एक विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में, विमान में सवार सभी लोग संभवतः मारे गए हैं। भाजपा नेता सी आर पाटिल के अनुसार, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी मृतकों में शामिल हैं। ऐसी भी खबरें हैं कि विश्वाश कुमार रमेश नामक एक यात्री, जो बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई171) की 11ए सीट पर बैठा था, चमत्कारिक रूप से बच गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट, शहर के सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कई घंटों बाद भी मृतकों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। अनौपचारिक रिपोर्टों में कहा गया है कि विमान में सवार लोगों के जीवित बचे होने की संभावना बहुत कम है और मेडिकल कॉलेज परिसर में भी करीब 25 लोगों की मौत हुई होगी। एअर इंडिया के अनुसार, विमान में सवार 230 यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक थे।

अहमदाबाद में हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) ने बताया कि विमान के पायलट ने अपराह्न 1.39 बजे उड़ान भरने के तुरंत बाद 'मेडे' (आपातकालीन संदेश देने के लिए) कॉल किया, जो पूर्ण आपात स्थिति का संकेत था। विमान के 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर) की भी तलाश जारी है, ताकि यह पता चल सके कि अंतिम क्षणों में क्या हुआ था। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद एकदम तेजी से नीचे आया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनास्थल पर काले धुएं का गुबार उठता देखा गया। यह विमान 11 साल पुराना था। लंबी यात्रा के लिए ईंधन टंकी पूरी तरह से भरी रहने का उल्लेख करते हुए विमानन विशेषज्ञों ने बताया कि विमान नीचे गिरने से पहले महज 600 से 800 फुट की ऊंचाई पर गया था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध वीडियो फुटेज के अनुसार, दोनों इंजन का पूरी क्षमता से काम न करना या पक्षी का टकराना दुर्घटना के संभावित कारणों में से एक हो सकता है। टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद नीचे की ओर आया, जबकि उसका लैंडिंग गियर (पहिया) अब भी बाहर निकला हुआ था।

नागर विमानन महानिदेशालय के एक बयान के अनुसार, 'विमान ने अहमदाबाद से अपराह्न 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी। इसने एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रण) को 'मेडे' (आपातकालीन संदेश देने के लिए) कॉल किया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गई कॉल का विमान से कोई जवाब नहीं मिला।' बचावकर्मियों ने मलबे में, जीवित बचे लोगों को खोजने और घायलों को बाहर निकालने के लिए काफी जद्दोजहद की, जिनमें से कई गंभीर रूप से झुलसे हुए थे। दुर्घटनास्थल के वीडियो में झुलसे हुए शवों को बाहर निकालते हुए तथा घायलों को, जिनमें से कई झुलसे हुए थे, नजदीक स्थित सिविल अस्पताल ले जाते देखा जा सकता है।

अहमदाबाद में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद इसमें लगी आग इतनी भीषण थी कि उसकी वजह से कई बहुमंजिला इमारतें बुरी तरह से प्रभावित हुईं, पेड़ झुलस गए और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। एक वीडियो में विमान का पिछला हिस्सा इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल से टकराता हुआ देखा जा सकता है, जो नर्सों और चिकित्सकों के छात्रावास का भोजन कक्ष प्रतीत हो रहा है। यह बोइंग ड्रीमलाइनर से जुड़ी पहली दुर्घटना है, जिसे इसकी उन्नत विशेषताओं के लिए जाना जाता है।

वहीं, यह 2020 के बाद से भारत की दूसरी सबसे बड़ी विमान दुर्घटना है, जब एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान केरल के कोझीकोड में उतरते समय गीले रनवे से फिसल गया और उसके दो टुकड़े हो गये थे। विमान में सवार 190 लोगों में से दो पायलट सहित 21 लोगों की जान चली गई थी। अहमदाबाद में हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था जिसे शाम में बहाल कर दिया गया। इस दुर्घटना को लेकर देश-विदेश के नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों तथा अन्य ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने विमान दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा, 'मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।' नायडू ने कहा कि डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, एअर इंडिया, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें पीड़ितों और उनके परिजनों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया, (और) मैंने जो देखा वह बेहद दुखद है। मैं मौके पर हूं और बचाव और राहत प्रयासों की बारीकी से समीक्षा कर रहा हूं।'

डीजीसीए ने एक बयान में बताया कि उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों में थी। उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर भी थे। सभरवाल के पास 8,200 घंटे की उड़ान का अनुभव था, जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे की उड़ान का अनुभव था। बयान के अनुसार, रनवे 23 से उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे की परिधि के बाहर, नीचे गिर गया। बयान में कहा गया है कि 12 जून (गुरुवार) को एअर इंडिया का बी787 विमान वीटी-एएनबी अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें कहा गया है कि विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शी हरेश शाह ने बताया कि विमान बहुत नीचे उड़ रहा था और यह सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के आवासीय क्वार्टर से टकरा गया। उन्होंने कहा कि वहां कई पांच मंजिला इमारतें हैं, जो चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के आवासीय क्वार्टर हैं। उन अपार्टमेंट में रहने वाले कई लोग घायल हुए हैं, क्योंकि विमान के साथ-साथ इमारतों में भी आग लग गई।

एअर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि एक आपात सहायता केंद्र शुरू किया गया है और जानकारी चाहने वाले पीड़ितों के परिजनों के लिए सहायता टीमें गठित की गई हैं। एअर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने भी दुर्घटना पर 'गहरा दुख' व्यक्त करते हुए कहा कि यह एयरलाइन में सभी के लिए 'कठिन दिन' है। उन्होंने एक बयान में कहा कि घायल यात्रियों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा निकटतम अस्पतालों में ले जाया गया है। हम, सभी आपातकालीन सहायता के लिए अधिकारियों के साथ तत्परता से काम कर रहे हैं।

गुजरात के स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच की जाएगी। हालांकि, उन्होंने मृतकों की संख्या बताने से इनकार कर दिया। ऐसी खबरें हैं कि मलबे से 200 से अधिक शव बरामद किये गए हैं। शवों के झुलस जाने की वजह से उनकी पहचान नहीं हो पा रही।

“ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।' इससे पहले प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और दोनों को अहमदाबाद जाकर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करने और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

विमान हादसाः टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की घोषणा की

टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया फ्लाइट की दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। इसके अलावा समूह सभी घायल यात्रियों को चिकित्सा कवर की सुविधा भी मुहैया कराएगी। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया फ्लाइट AI171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। चंद्रशेखरन ने लिखा है हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख

राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, 'अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।'

उपराष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट में कहा, 'अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने हमें एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी का सामना करने पर मजबूर कर दिया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ एकजुटता से खड़ा है।'

देश के बड़े पांच विमान हादसे

अहमदाबाद में आज एअर इंडिया के विमान (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) हादसे ने देश की बड़ी पांच विमान दुर्घटनाओं की याद ताजा कर दी।

- 1 जनवरी 1978: एअर इंडिया का विमान मुंबई से उड़ान भरते ही अरब सागर में गिरा। 213 लोगों की मौत। यह विमान दुबई जा रहा था।
- 26 अप्रैल 1993: औरंगाबाद एयरपोर्ट पर ट्रक से विमान टकराया। 55 लोगों की मौत। यह विमान मुंबई जा रहा था।
- 12 नवंबर, 1996: हरियाणा के चरखी दादरी में दो विमान टकराए। 349 लोगों की मौत। इनमें एक विमान सऊदी अरब और दूसरा कजाकिस्तान का था।
- 22 मई, 2010: कर्नाटक के मेंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान रनवे से फिसलता हुआ खाई में गिरकर दो हिस्सों में बंटा। 158 यात्रियों की मौत।
- 7 अगस्त 2020: केरल के कोझिकोड में एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रन-वे से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त। 21 यात्रियों की मौत। इसमें कोरोना के दौरान वंदे भारत मिशन के तहत दुबई से भारतीयों को लाया जा रहा था।

दुश्मनों की कमर तोड़ने को यूएवी 'रुद्रास्त्र' तैयार, पोखरण फायरिंग रेंज में दिखाई ताकत

नई दिल्ली। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने पोखरण फायरिंग रेंज में अपने हाइब्रिड वीटीओएल यूएवी रुद्रास्त्र के परीक्षण पूरे कर लिए हैं। यह परीक्षण भारतीय सेना ने निर्धारित प्रदर्शन मापदंडों के अनुरूप किये, जिसमें वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग शामिल थी। यूएवी ने डेढ़ घंटे में 170 किमी से अधिक दूरी तक जाकर मजबूत परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करके मूल लॉन्च बिंदु पर सफलतापूर्वक वापस लौटा।

भारत ने रक्षा प्रौद्योगिकी में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एसडीएएल ने हाइब्रिड वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग यूएवी 'रुद्रास्त्र' विकसित किया है। एसडीएएल ने यूएवी के परीक्षण 11 जून को राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में किये। यह परीक्षण भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करने और क्षेत्रीय चुनौतियों, विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ एक कड़ा जवाब देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। परीक्षण के दौरान सटीक निर्देशित एंटी पर्सनल वारहेड की भी तैनाती की गई थी।

परीक्षण के दौरान मध्यम ऊंचाई से गिराए जाने पर गोला-बारूद ने कम ऊंचाई पर विस्फोट किया, जिसने सामरिक प्रभावशीलता बेंचमार्क को पूरा किया। यह सफल प्रदर्शन भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों की खोज में प्रमुख मील का पत्थर और आत्मनिर्भर पहल के तहत स्वदेशी सैन्य तकनीक को सुदृढ़ बनाने के भारत के प्रयासों में एक बड़ा कदम है।

मिशन की बहुमुखी स्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए यूएवी रुद्रास्त्र ने अपनी प्रमुख विशेषताओं को प्रदर्शित किया, जिसमें वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग, विस्तारित उड़ान रेंज, रियल टाइम निगरानी और सटीक निशाना शामिल है।

यूएवी रुद्रास्त्र वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग में माहिर है, जिसकी 170 किलोमीटर से अधिक की रेंज है और सटीक लक्ष्य को भेदने में कारगर है, जो इसे युद्ध के मैदान में एक शक्तिशाली हथियार बनाता है। रुद्रास्त्र अपने वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग क्षमता के कारण दुर्गम इलाकों में भी प्रभावी ढंग से परिचालन कर सकता है। यह ड्रोन भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो डीआरडीओ के रूस्तम कार्यक्रम के साथ मेल खाता है, जिसने 180-220 हॉर्सपावर के स्वदेशी इंजनों के साथ इसी साल फरवरी में ट्रायल पूरे किए हैं।

10 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में 3.82 किलोग्राम 'ब्राउन शुगर' और 2.78 किलोग्राम अफीम जब्त करने के बाद पुलिस ने एक महिला मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार जब्त किये गये मादक पदार्थ की कीमत कुल 10 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पुलिस ने पत्थलगड्डा थानाक्षेत्र के कुम्हार टोली स्थित महिला तस्कर के आवास से 23.06 लाख रुपये नकद और अन्य सामान भी जब्त किया है। चतरा के एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को मधु कुमारी नाम की महिला के आवास पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के बारे में सूचना मिली थी। बुधवार को आरोपी महिला के घर पर छापा मारा और 3.82 किग्रा 'ब्राउन शुगर', 2.78 किग्रा अफीम, ब्राउन शुगर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला 1.01 किग्रा सफेद पाउडर, 'एसिटाइल क्लोराइड' रसायन की चार बोतलें, वजन तौलने वाली एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन जब्त की।

दिल्लीः आज भी जारी रह सकता है गर्मी का सितम, कल से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। राजधानी समेत समूचे उत्तर, उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी का सितम जारी है। यहां तक कि पहाड़ों में भी गर्मी का सितम देखा जा रहा है। गुरुवार को मौसम विभाग द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक 13 जून यानि शुक्रवार को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से लेकर भीषण गर्मी की स्थिति जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में गुरुवार को अधिकतम तापमान आयानगर में 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान, मध्य प्रदेश, दक्षिण हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, जम्मू, कच्छ में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। चंडीगढ़, शेष गुजरात, झारखंड से सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार में 40-42 डिग्री सेल्सियस। जम्मू, अरुणाचल प्रदेश, मध्य असम में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिम पंजाब, उत्तरी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मेघालय, दक्षिण नागालैंड, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस और 6.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के लिए रेड अलर्ट, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए ऑरेंज, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

13 जून को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से लेकर भीषण गर्मी की स्थिति जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी। गुरुवार को राजस्थान में कुछ स्थानों, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और दिल्ली में कुछ स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति रही।

नोएडा में झुग्गी हटाने के खिलाफ CPI(M) का धरना, पीड़ितों ने नोएडा प्राधिकरण को सौंपा ज्ञापन

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-93बी में झुग्गी बस्ती हटाने के विरोध में आज भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के बैनर तले पीड़ितों ने नोएडा प्राधिकरण पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ओएसडी को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। 11 जून को नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-93बी में की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई में बेघर हुए झुग्गी बस्ती के नागरिकों ने आज नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 स्थित कार्यालय पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानि सीपीआई (एम) के बैनर तले जिला प्रभारी गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मुख्य कार्यपालक नोएडा सीईओ को संबोधित ज्ञापन ओएसडी क्रांति शेखर को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि सेक्टर- 93 बी नोएडा स्थित विक्टोरिया 606 में 25 से अधिक प्रवासी परिवार 15- 20 वर्षों से अस्थाई रूप से झुग्गी बनाकर रहते चले आ रहे है। यहां के अतिरिक्त उनका कोई आवास नहीं है और वे बहुत ही निर्धन है जो कि मेहनत मजदूरी करके अपनी व अपने परिवार की गुजर बसर कर रहे हैं। 11 जून 2025 को नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-8 के कर्मचारियों ने तोड़फोड़ दस्ते को साथ में लेकर अचानक झुग्गी बस्ती में तोड़फोड़ कर गरीब लोगों का सब सामान नष्ट करके तथा कुछ सामान उठाकर ले गए, और उन्हें बेघर कर गर्मी में सड़क पर मरने के लिए छोड़ दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि माकपा का मानना है कि प्राधिकरण स्तर से इस तरह की गई कार्रवाई जनहित में उचित नहीं है और संवैधानिक अधिकार व सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए निर्देशों का खुला उल्लंघन है क्योंकि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए गरीब लोगों को उजाडा नहीं जा सकता है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि उपरोक्त झुग्गी बस्ती में वर्षों से रह रहे नागरिकों को जब तक सरकार अथवा प्राधिकरण द्वारा उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कराई जाती है तब तक गरीब नागरिकों को वहीं पर रहने दिया जाए और यदि किसी कारणवश वहां से उन गरीब नागरिकों को हटाना जनहित में आवश्यक है तो उन्हें आस-पास में किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाए। साथ ही झुग्गी बस्तियों के लिए पुनर्वास नीति बनाकर निशुल्क मकान दिए जाएं। धरना-प्रदर्शन के दौरान श्रमिक विकास संगठन के जिलाध्यक्ष विनोद पांडे, चंदा, रंजीत, प्रदीप, जीतपाल, राकेश, आकाश, बिजनेस, सुरेश, सुभाष, पप्पू, राहुल, अमित, रमेश, मंडल, रंजीत, जोगेंद्र, मोना, उस्मान, सलीम, बबलू, सुशीला, रियाज, साबिर, सहीम, विजयपाल सहित अन्य शामिल रहें।

एलिवेटेड रोड के पिलर से टकराई बस, छह कंपनीकर्मी घायल

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर-42 स्थित अगापुर के निकट बुधवार रात बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कंपनीकर्मियों को लेकर जा रही बस अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के पिलर से टकरा गई। बस में सवार 20 में से छह कर्मचारी घायल हो गए। सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। मामूली रूप से घायल अन्य यात्री अपने घर चले गए। पुलिस के मुताबिक सूरजपुर स्थित एलजी कंपनी में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं। कर्मचारियों को घरों से कंपनी तक लाने और जे जाने के लिए बसें लगी हैं। एक बस बुधवार रात करीब 8:30 बजे बरौला गांव की तरफ से सेक्टर-37 की ओर कर्मचारियों को लेकर जा रही थी।

बस में करीब 20 कर्मचारी सवार थे। सेक्टर-42 स्थित अगापुर के निकट सामने से अचानक बाइक सवार आ गया। चालक हड़बड़ा गया और बस अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के पिलर नंबर-1 के निकट जा टकराई। हादसे के बाद बस में सवार कर्मचारियों में चीख-पुकार मच गई। बस की छत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोग बस में सवार लोगों को बचाने के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में सवार लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

पुलिस के मुताबिक बस में करीब 20 लोग सवार थे। हादसे में बस में सवार स्वर्णप्रभा, अक्षी, सुमन रावत, सीमा, शुभम और सचिन यादव घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए नजदीक के प्रयास अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। वहीं, बस में सवार अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए। वे अस्पताल जाने से इनकार कर अपने-अपने घर चले गए। साथ ही पुलिस ने यातायात को सुचारू करने के लिए बस को घटनास्थल से हटवाकर सड़क किनारे कराया।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली : करंट लगने से दो लड़के घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक घर में आग लगने की घटना के दौरान बिजली के तार के संपर्क में आने से दो नाबालिग लड़कों को करंट लगा और वह झुलस गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना की सूचना बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे नांगलोई की सैनिक कॉलोनी से मिली। डीएफएस के मुताबिक, आग की सूचना मिलने के बाद तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पा लिया गया और रात करीब साढ़े नौ बजे तक गाड़ियां लौट आईं। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि बिजली के तार के संपर्क में आने से दो बच्चे सूर्यांश (10) और रितिक (9) घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। अधिकारियों ने बताया कि सूर्यांश 35 फीसदी और रितिक 19 फीसदी झुलस गया है। उन्होंने बताया कि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बैंकों में ऋण लेने के लिए भटक रहे युवा

गाजियाबाद। केंद्र और राज्य सरकार की तीन योजनाओं में स्वरोजगार शुरू करने के लिए युवाओं ने आवेदन किए, जिससे उन्हें ऋण मिल सके और वे अपना काम शुरू कर सकें। अप्रैल से लेकर अभी तक करीब 140 युवाओं को ही ऋण मिल सका है। बीते वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और एक जनपद-एक उत्पाद योजना में करीब 800 युवाओं ने आवेदन किए, जिनमें से करीब 140 लोगों को ही ऋण मिल सका है। बाकी आवेदन बैंकों ने अस्वीकृत कर दिए या फिर ऋण की फाइल लंबित है। आवेदन ऋण के लिए संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन युवाओं को ऋण नहीं मिल पा रहा है। विभागीय अधिकारी आवेदकों को बैंक में भेज देते हैं और बैंक अधिकारी संबंधित विभाग में जाने के लिए कहते हैं। जिला प्रशासन ने भी बैंकों को ऋण की फाइल लंबित न करने के कड़े निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके लाभार्थियों को ऋण नहीं मिल रहा है। लीड बैंक मैनेजर का कहना है कि पात्र लाभार्थी को प्राथमिकता के साथ योजनाओं में ऋण दिया जा रहा है। अगर किसी पात्र की फाइल में कमी है, तो उसे दूर कराया जा रहा है।

बॉडी-बिल्डिंग प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

गाजियाबाद। लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में 14 एवं 15 जून को होने वाले मिस्टर इंडिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में देशभर से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। विजेताओं को उनके प्रदर्शन के आधार पर 11 लाख का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।यह उक्त जानकारी गुरुवार को नवयुग मार्केट स्थित एक बैंकट हॉल में एडवांस्ड बॉडीबिल्डिंग संगठन यूपी ने पत्रकार वार्ता कर दी। प्रतियोगिता के आयोजक पंकज त्यागी ने बताया कि 14 एवं 15 जून को लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में द्वितीय सीनियर मिस्टर इंडिया बॉडीबिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के 22 राज्यों के करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसमें पुरुष एवं महिला महिला दोनों भाग ले सकते हैं। बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में क्लासिक बॉडीबिल्डिंग, पैरा बॉडीबिल्डिंग, पुरुष फिजिक चैंपियनशिप स्पर्धा होगी। एडवांस्ड बॉडीबिल्डिंग संगठन के संरक्षक भाजपा नेता पप्पू पहलवान ने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। ताकि युवा इसमें रुचि लेकर खेल में अपना भविष्य बना सकें।

महिला को फोन कर परेशान करने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। जेवर की महिला ने एक युवक पर फोन और व्हाट्सऐप पर मैसेज कर परेशान करने का आरोप लगाया। पुलिस ने शिकायत परआरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। महिला ने शिकायत में बताया कि अरुण नाम का युवक उसके मोबाइल पर फोन कर उल्टी सीधी बातें करता है। व्हाट्सऐप पर भी मैसेज भेज रहा है। पिछले करीब दस दिन से यह सिलसिला चल रहा है। आरोप है कि महिला के व्हाट्सऐप की डीपी पर लगी फोटो युवक ने चुरा ली। इसे अपने साथ लगाकर दोस्तों को दिखाकर बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

शोध के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में गुरुवार को अभिनव शोध समस्याओं पर काम करने के लिए अंडरग्रेजुएट समर रिसर्च फेलोशिप का शुभारंभ किया गया। इसमें एआई, इंजीनियरिंग, विज्ञान, फार्मेसी, जैव प्रौद्योगिकी में विभिन्न विषयों पर शोध किया जाएगा। बता दें कि इस फेलोशिप कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से आए तीन हजार आवेदनों में से 30 छात्रों का चयन किया गया। इस फेलोशिप 2025 कार्यक्रम के ओरियंटेशन का शुभारंभ एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर प्रो एम के दत्ता और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो एम एस प्रसाद द्वारा किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर प्रो एमके दत्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि यह चार से आठ सप्ताह के अंडरग्रेजुएट समर रिसर्च फेलोशिप 2025 कार्यक्रम, स्नातक छात्रों को अत्याधुनिक शोध करने, भविष्य में नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाने और विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों से उच्च अध्ययन करने का रास्ता खोलने के लिए एक अनूठा मार्ग प्रदान करता है। भारत और विदेश के स्नातक छात्रों के लिए डिजाइन किया गया यह कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंजीनियरिंग, विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, फार्मेसी, स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान में संलग्न होने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के लिए भारत के 30 राज्यों सहित पाकिस्तान, श्रीलंका आदि से 3000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 30 प्रतिभाशाली छात्रों का चयन किया गया। इसमें आईआईटी, आईआईआईटी, एनआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय के छात्र शामिल है। एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डा अतुल चौहान द्वारा की गई इस पहल से हम युवा शोधार्थियों की रचनात्मकता और विचारों को नया आयाम देते है।

डा दत्ता ने कहा कि आपकी उम्र में मस्तिष्क उर्जा से भरा रहता है जो समस्याओं निवारण के हल को आसानी से खोज लेता है। नोबल पुरस्कार से सम्मानित सभी वैज्ञानिको ने आपकी उम्र मे ही समस्याओं के हल को खोजना प्रारंभ किया और उसके उपरांत उनका शोध विकसित होता गया। नये विचारों की उत्पत्ती आपके द्वारा होगी, आपके मेंटर केवल आपका मार्गदर्शन करेंगे। पिछले वर्ष भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये अधिकतर छात्रों ने अपने शोध पेपर लिखे है और जनरलों मे प्रकाशित भी किया है इसलिए इस कार्यक्रम का पूरा लाभ उठाये।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो एम एस प्रसाद ने कहा कि अंडरग्रेजुएट समर रिसर्च फेलोशिप 2025 कार्यक्रम, एमिटी के नेतृत्व के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो अकादमिक करियर में प्रारंभिक अवस्था में अनुसंधान संस्कृति को शामिल करता है, तथा छात्रों को उन्नत अध्ययन, उद्यमिता या नवाचार-संचालित करियर के लिए भविष्य के लिए तैयार करता है। अनुभवी संकाय मार्गदर्शन के तहत अत्याधुनिक शोध में संलग्न होने के लिए छात्रों को सशक्त बनाता है, अकादमिक साख को बढ़ाता है और शीर्ष स्तरीय वैश्विक स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए तैयारी करता है। प्रारंभिक शोध विसर्जन को बढ़ावा देता है, नवाचार, विद्वत्तापूर्ण प्रकाशन और मजबूत शोध योग्यता को बढ़ावा देता है।

लंदन सामान भेजने के नाम पर पूर्व अधिकारी से ठगी

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के पूर्व अधिकारी ने एक युवक पर कोरियर कंपनी के एजेंट बनकर ठगी करने का आरोप लगाया। आरोप है कि एजेंट ने 70 हजार रुपये का सामान लंदन भेजने के नाम पर 30 हजार रुपये लिए। अब तक न सामान पहुंचा और न ही रकम वापस की। शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-107 स्थित सनवर्ल्ड वनालिका सोसाइटी में रहने वाले पवन कुमार भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में मुख्य महाप्रबंधक के पद पर रह चुके हैं।

उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका बड़ा बेटा लंदन में रहता है। एक अप्रैल 2025 को उन्हें कुछ घरेलू सामान बेटे के पास लंदन भेजना था। उनका संपर्क नामी कोरियर कंपनी के प्रतिनिधि वेद शर्मा से हुआ। उसने खुद को नोएडा के सेक्टर-7 स्थित ब्रांच में कार्यरत बताया। बातचीत होने के बाद वेद शर्मा ने कुछ लड़के भेजकर पैकिंग करवाकर सामान उनके घर से उठवा लिया। भुगतान करने पर उन्हें ट्रैकिंग नंबर देने का भरोसा दिया गया। शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन कंपनी के खाते में 30,267 रुपये जमा करा दिए। इसकी उन्हें रसीद भी मिल गई। चार दिन के भीतर सामान लंदन पहुंचने का आश्वासन दिया गया।

आरोप है कि बार-बार मांगने के बाद भी आरोपी ने ट्रैकिंग नंबर नहीं दिया और न ही सामान लंदन पहुंचाया। सेक्टर-7 स्थित कोरियर कंपनी के कार्यालय में जाकर पता करने पर बताया गया कि आरोपी वेद शर्मा गुरुग्राम में एजेंट है। वेद शर्मा से पीड़ित ने फोन पर बात की तो आरोपी ने अभद्रता की। उसने सामान और लिए गए रुपयों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। करीब ढाई माह बाद भी सामान लंदन नहीं पहुंचा है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

पेयजल लाने में देरी होने पर रेस्टोरेंट कर्मी को

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर-66 के रेस्टोरेंट में कार सवार दो युवकों ने पेयजल मिलने में देरी होने पर रेस्टोरेंट कर्मी को बेरहमी से पीटा। आरोपियों ने युवक पर हथियार तानकर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर फेज-तीन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

शिकायतकर्ता ओंकार सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका मामूरा गांव में एक्सप्रेस नाम से रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट पर निखिल कुमार नामक युवक काम करता है। 10 जून की रात करीब 9.10 बजे रेस्टोरेंट पर सफेद रंग की ब्रेजा कार आकर रुकी। उसमें सवार दो युवकों ने निखिल से पेयजल की बोतल मांगी। रेस्टोरेंट पर ग्राहकों की अधिक भीड़ होने के चलते उसे बोतल देने थोड़ी देर हो गई। इस पर कार सवार युवकों ने आपा खो दिया। उन्होंने निखिल के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे

लात-घूंसों से सड़क पर गिराकर पीटा। इसके चलते निखिल को चोट आई। कुछ लोगों ने बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने हथियार निकाल लिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि कार नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान हो गई है। आरोपी सेक्टर-73 स्थित गांव सर्फाबाद के रहने वाले हैं। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिपाही सौरभ हत्यकांड के फरार आरोपी व पुलिस में चली गोलियां, हुआ घायल

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव में पिछले दिनों नोएडा पुलिस के सिपाही सौरभ हत्याकांड के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को वेव सिटी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार की देर रात में हुई इस मुठभेड़ में आरोपी घायल हो गया है। वह नाहल गांव का ही रहने वाला था और उसका नाम साजिद है।

एसीपी प्रियांशी पाल ने बताया कि गुरुवार को तड़के ग्राम नाहल थाना क्षेत्र मसूरी में हुए सिपाही सौरभ हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए कई टीमों का गठन किया गया था। आज सुबह

मुखबिर की सूचना पर पता चला कि थाना मसूरी से वांछित अपराधी साजिद डासना की ओर से काजीपुरा की तरफ आने वाला है । सूचना पर इंस्पेक्टर अनिल राजपूत मय टीम थाना क्षेत्र वेव सिटी पहुँचे तथा थानाध्यक्ष वेव सिटी मय टीम के संयुक्त रूप से डासना काजीपुरा मार्ग पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की सघन चेकिंग करने लगे।

एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक सवार को रूकने का इशारा किया तो इस व्यक्ति द्वारा रुकने की बजाय अपनी बाइक को तेजी से कच्चे रास्ते की तरफ मोड़ लिया गया। आगे रास्ता उबड़-खाबड़ होने की बजह से इसकी बाइक फिसलकर गिर गई। तभी पुलिस ने उसे घेर लिया। घिरता देख जान से मारने की नियत से भागते हुए पुलिस टीम पर फायर किया। तो पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान अभियुक्त साजिद के बाएं पैर में गोली लगी। साजिद को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। घायल अभियुक्त को तत्काल सीएचसी डासना गाजियाबाद उपचार हेतु भेजा गया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, 01खोखा कारतूस व लाल रंग की 01 बाइक बरामद हुई है।

महिला की हत्या मामले में ससुर व दो देवर गिरफ्तार

बेहटा नहर के पास एक हरे रंग के सूटकेस में मिली थी लाश

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर पुलिस ने नहर के पास एक हरे रंग के सूटकेस में मिली महिला लाश का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने दिल्ली निवासी इस महिला के ससुर व दो देवरों को गिरफ्तार किया है। बुधवार की सुबह को थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में बेहटा नहर के पास एक हरे रंग के सूटकेस में अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू की थी। अज्ञात शव की शिनाख्त के लिए दिल्ली के सीमावर्ती थानों एवं आस-पास के थानों में गश्ती तलाश जारी कर शिनाख्त का प्रयास किया गया एवं डीसीआरबी एवं सोशल मीडिया के माध्यम से शिनाख्त हेतु प्रयास किये गये । गठित टीमों द्वारा स्थानीय

सीसीटीवी कैमरों, मैनुअल इनपुट व अन्य सम्भावित सोर्सों की मदद ली गयी महिला की शिनाख्त श्रीमती कविता पत्नी सागर निवासी शिव विहार अम्बिका विहार थाना करावल नगर दिल्ली के रूप में हुई। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष थी।

पुलिस ने इस मामले में महिला के ससुर हरवीर सिंह देवर व सुमित गुड्डू को गिरफ्तार किया है । आरोपी सुमित ने पूछताछ के दौरान बताया कि अपने पिता हरवीर सिंह, मां विमलेश देवी, भाई सागर, गुड्डू व बहन शिवानी तथा भाभी कविता व भतीजी आइसनी उम्र करीब डेढ़ वर्ष के साथ किराये पर अम्बिका विहार थाना करावल नगर दिल्ली में रहता हूँ ।7 तारीख की रात को मेरी बहन शिवानी और भाभी कविता का घरेलू बातों को लेकर घर में झगड़ा हुआ था। 9 तारीख की शाम करीब 04.00 बजे भतीजी आइसनी को कविता भाभी पीट रही थी, तब मेरा इसी बात पर भाभी कविता से भी झगड़ा हो गया तब मैने भाभी कविता की गर्दन पकड़ कर बेड पर पटक दिया था जब वह गिर गयी तब मैंने दोनों हाथों से उसकी गर्दन चुन्नी से दबा दी थी और जिस बेडशीट से सूटकेस बांधा था, उसी बेडशीट को मृतका के मुंह पर रखकर दम घोंट दिया था और पापा ने आकर भाभी के पैर पकड़ कर दबा लिये थे, जब भाभी हिलना बन्द हो गयी तब मैंने उनकी गर्दन छोड़ी थी।

भाभी कविता मर गयी थी, फिर मैंने अपने छोटे भाई गुड्डु को घर बुलाया एवं फिर हमने भाभी कविता के शव को घर में रखे ट्रॉली (सूटकेस) हरे रंग के बैग में रखा तथा बैग की चेन लगायी तो बैग की आधी चेन लगी थी फिर बैग को गुलाबी पन्नी में लपेटकर ऊपर से दो चादरों से लपेटकर बैग चुन्नी से बांध लिया था।

फिर उसी रात करीब 02.30 बजे के आस- पास भाभी कविता के शव को जो सूटकेस के अंदर रखा था उसे मोटर साईकिल स्प्लैण्डर पर रखकर पापा और गुड्डू ले गये और कहा कि हम इसे ठिकाने लगाने जा रहे हैं । उसके बाद भाई गुड्डु व पिता करीब 04.00 बजे के आस- पास घर वापस आये और बताया कि बेहटा नहर की पटरी पर जाते समय एक बिजली के खम्बों के पास बैग गिर गया था जिसे हम वहीं छोड़कर वापस भाग आये । भाई सागर को और माँ को हमने कोई बात नहीं बताई थी। सागर ने पूछा तो हमने कह दिया कि भाभी कविता शाम को झगड़ा करके अपने घर चली गयी है ।

लंग्स ट्रांसप्लांट से 65 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी, करीब 7 घंटे तक चली सर्जरी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित 65 वर्षीय महिला को फेफड़े प्रत्यारोपण से नई जिंदगी दी गई। महिला एक दुर्लभ आटोइम्यून स्थिति स्क्लेरोडर्मा के कारण होने वाली इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आइएलडी) से पीड़ित थी। इसके चलते पिछले करीब एक साल से मरीज आक्सीजन पर निर्भर थी। अस्पताल में फेफड़ों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर उसे जीवनदान दिया गया। मरीज को 14 मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसे प्रति मिनट चार से पांच लीटर की ऑक्सीजन सहायता की जरूरत पड़ रही थी। बताया गया कि डा. अवधेश बंसल, सीनियर कंसल्टेंट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन और डा. मुकेश गोयल, सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोथोरेसिक ने मरीज की जांच कर फेफड़ा प्रत्यारोपण का सुझाव दिया। 15 मई को, फोर्टिस अस्पताल, नोएडा में एक ब्रेन-डेड मरीज डोनर की जानकारी मिली और देर रात फेफड़ों को निकाल प्रत्यारोपण सर्जरी शुरू की गई। करीब सात घंटे तक चली सर्जरी के दौरान मरीज तो ईसीएमओ सपोर्ट पर रखा गया, जिससे आपरेशन के दौरान आक्सीजन और रक्त संचार बना रहे। प्रत्यारोपण के बाद, उसे वेंटिलेटरी सहायता दी गई।

मुख्यमंत्री ने धर्मशिला नारायणा अस्पताल में 3डी मैमोग्राफी प्रणाली का उद्घाटन किया

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को वसुंधरा एंक्लेव स्थित धर्मशिला नारायणा अस्पताल में 3डी मैमोग्राफी प्रणाली का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि यह अत्याधुनिक सुविधा वाली यूनिट महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी इलाज में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार निरंतर बेहतर, सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुगमता से पहुंचे, इसके लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार सभी नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण, किफायती और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को और मजबूत बनाने में जुटी है। दिल्ली सरकार अब तक 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' और 'वय वंदना योजना' के तहत 3 लाख 45 हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर चुकी है।

सीएम ने विमान हादसे पर जताया दुख

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अहमदाबाद में विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक समाचार है। इस दुख की घड़ी में हम प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और स्तब्ध कर देने वाला है। मुख्यमंत्री ने सभी यात्रियों एवं उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। इस कठिन समय में हम सभी प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़े हैं।

बच्चों को बाल मजदूरी में झोंकना, देश के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें बाल मजदूरी में झोंकना, देश के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी न सिर्फ एक सामाजिक अपराध है, बल्कि बचपन की मुस्कान और सपनों की उड़ान को छीन लेने वाला कलंक भी है। शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान हर बच्चे का अधिकार है। यही नया भारत है, यही हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बचपन को संवारने के लिए सही पोषण, सुरक्षित वातावरण और अच्छी शिक्षा व्यवस्था पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने सभी से 'बाल श्रम' को 'न' कहकर बच्चों को उनका बचपन लौटाने की अपील की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और संस्कार से जोड़ने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता और सहयोग से ही हम एक संवेदनशील, सशक्त समाज के भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए विमान दुर्घटना को दुखद बताया। उन्होंने लिखा कि अहमदाबाद से लंदन की ओर जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर बेहद ही दुखद और हृदयविदारक है। इस दुखद घटना में प्रभावित सभी यात्रियों और उनके परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर से सबके सकुशल होने की कामना करता हूं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि विमान हादसे की खबर बेहद दुःखद और विचलित करने वाली है। सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सलामती के लिए प्रार्थना करता हूं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए हादसे में प्रभावित सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

भाजपा पार्षद सत्य शर्मा एमसीडी की स्थायी समिति के अध्यक्ष चुने गए

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्य शर्मा बृहस्पतिवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के अध्यक्ष चुने गए और पार्टी के ही सुंदर सिंह को उपाध्यक्ष चुना गया। एमसीडी की स्थायी समिति का गठन ढाई साल के अंतराल के बाद किया गया और चुनाव के बाद समिति के गठन से, प्रमुख विकास और प्रशासनिक पहलों में तेजी आने की उम्मीद है।

यह 18 सदस्यों वाली स्थायी समिति, निगम की वित्तीय व्यवस्था को नियंत्रित करने वाली प्रमुख पैनल है और पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली किसी भी परियोजना को समिति से मंजूरी लेनी होती है। स्थायी समिति न होने के कारण स्वच्छता से जुड़े कई नीतिगत मामले और परियोजनाओं के कार्य अटके हुए थे। भाजपा ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के गौतमपुरी वार्ड से पार्षद शर्मा को अध्यक्ष पद के लिए नामित किया था, जो तीन बार पार्षद रह चुके हैं और पूर्ववर्ती पूर्वी दिल्ली नगर निगम में महापौर की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने अध्यक्ष पद के लिए प्रवीण कुमार को नामित किया था, जिन्हें सात वोट मिले, जबकि शर्मा ने 11 वोट हासिल किए। भाजपा पार्षद सिंह को 11 वोट मिले जबकि आप की मोहिनी जीनवाल को सात वोट मिले। वर्तमान में स्थायी समिति में भाजपा के पास पूरा बहुमत है, जिसमें पार्टी के 18 में से 11 सदस्य हैं।

संक्षिप्त खबरें

तालकटोरा का नाम बदलने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय के पास लंबित : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम का नाम बदल कर 'महर्षि बाल्मीकि स्टेडियम' करने का प्रस्ताव मंजूरी के लिये केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास लंबित है। गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद इस प्रस्ताव को एनडीएमसी की अगली बैठक में पारित कर दिया जायेगा। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने इसकी जानकारी दी। एनडीएमसी परिषद की बैठक के बाद वर्मा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "मैने केंद्रीय गृह मंत्री से बात की है। यह मामला उनके पास लंबित है। वहां से जब भी इसे स्वीकृति मिल जायेगी, हम इसे एनडीएमसी परिषद की अगली बैठक में पारित कर देंगे।" वर्मा ने इस साल दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के नाम पर स्टेडियम का नाम रखने का वादा किया था। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़ा था। तालकटोरा स्टेडियम, राजधानी का एक प्रमुख इनडोर खेल स्थल है, जिसका नाम पास के मुगलकालीन उद्यान से लिया गया है।

हेड कांस्टेबल को मोटरसाइकिल सवार ने मारी टक्कर, घायल

नई दिल्ली। पुलिस मुख्यालय में डाक लेने जा रहे हेड कॉन्स्टेबल की मोटरसाइकिल में अन्य मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में हेड कॉन्स्टेबल घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं आरोपी बाइक सवार को मौके पर ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तार बाइक सवार की पहचान पालम कॉलोनी के विजय कुमार के रूप में हुई है। उसकी बाइक भी जब्त कर ली गई है। वहीं घायल हेड कॉन्स्टेबल की पहचान धर्मपाल के रूप में हुई है। फिलहाल चाणक्यपुरी पुलिस आगे की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घायल हेड कॉन्स्टेबल धर्मपाल अपने परिवार के साथ गणेश अपार्टमेंट ककरोला गांव में रहते हैं। साउथ वेस्ट जिले में वह अभी कार्यरत हैं। पांच जून को वह पुलिस मुख्यालय से डाक लेने के लिए अपनी सरकारी बाइक से शांति पथ होते हुए जा रहे थे। शांति पथ से होते हुए शाम करीब 4:00 बजे सत्य मार्ग व न्याय मार्ग के गोल चक्कर के पास पहुंचे ही थे तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह बाइक से उछल सड़क पर गिर गए।

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान क्रैश पर केजरीवाल-आतिशी ने जताया अफ़सोस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एअर इंडिया का लंदन जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई171, में 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर शामिल थे। इसमें 169 भारतीय नागरिक शामिल हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

वहीं घटना के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त की खबर जानकर गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदना पीड़ित परिवारों के प्रति है। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें अस्पताल में घायल लोगों को ले जाते हुए देखा जा रहा है। डॉक्टर और नर्स घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने में जुट गए हैं।

वहीं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पोस्ट किया- अहमदाबाद में रिहायशी इलाके में हुए विमान हादसे की खबर बेहद चिंताजनक और दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी लोग सुरक्षित हों और जनहानि न हो। पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन का हरसंभव सहयोग करें।

पूर्वोत्तर दिल्ली के सीलमपुर में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में विवाद के बाद एक किशोर की उसके दो रिश्तेदारों और एक नाबालिग ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान जहीर अब्बास (19) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि अब्बास का अपने एक रिश्तेदार कासिम (47) के साथ विवाद था। अधिकारी ने बताया कि यह वारदात करीब 10 बजकर 39 मिनट पर हुई, घटना के संबंध में सीलमपुर पुलिस थाने में पीसीआर कॉल आई था जिसके बाद पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन जब तक पुलिस वहां पहुंची तब तक जहीर के परिवार के सदस्य उसे अस्पताल ले जा चुके थे। पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब्बास को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि वह सीट कवर सिलने वाली एक फैक्टरी में काम करता था, उसके पिता भी इसी व्यवसाय से जुड़े हुए थे। अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात कासिम ने अपने बेटे आसिफ और एक अन्य नाबालिग के साथ मिलकर अब्बास पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।₹ अपराध एवं फोरेंसिक विज्ञान टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों की पहचान कासिम, उसके बेटे आसिफ (20) और 13 वर्षीय एक किशोर के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि कासिम, उसके बेटे आसिफ (20) को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि 13 वर्षीय एक किशोर को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध में प्रयुक्त हथियार बरामद करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

'अभिव्यक्ति की आजादी का प्रयोग भड़काऊ भाषण देने के लिए नहीं किया जा सकता', दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आतंकवाद के आरोपित कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने व अपराध के लिए उकसाने जैसे कृत्यों पर यह प्रतिबंध भी लगाता है।

पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का के अधिकार का दुरुपयोग न तो रैलियां करने की आड़ में भड़काऊ भाषण देने के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही देश के हित और अखंडता के लिए गैरकानूनी गतिविधियों को करने के लिए जनता को उकसाने के लिए किया जा सकता है। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने जमानत देने से इनकार करने के ट्रायल कोर्ट के सात जुलाई 2023 के आदेश के खिलाफ शब्बीर शाह की अपील याचिका को खारिज कर दिया। शाह को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने 4 जून 2019 को गिरफ्तार किया था। साथ ही आरोपों की गंभीर प्रकृति को देखते हुए अदालत ने शाह की घर में नजरबंद करने की वैकल्पिक प्रार्थना को भी खारिज कर दिया।

शब्बीर शाह ने अपील याचिका में कहा है कि यह कोई कोई ठोस मामला नहीं है और मामले में जांच एजेंसी द्वारा आरोपपत्र पहले ही दायर किया जा चुका है। यह भी कहा है कि एनआइए द्वारा दायर मुख्य और पहली पूरक चार्जशीट में यह नहीं कहा गया है कि शाह द्वारा साजिश के परिणाम में अपराध हुए थे।

याचिका में तर्क दिया गया कि शब्बीर के खिलाफ कोई ठोस सुबूत नहीं है और वह लंबे समय से जेल में बंद है। यह भी तर्क दिया कि मामल में 400 से अधिक गवाह है और मामले में त्वरित सुनवाई की संभावना नहीं है।वहीं, जमानत याचिका का विरोध करते हुए एनआइए ने कहा कि जांच एजेंसी ने उनके खिलाफ पर्याप्त सुबूत जुटाए हैं और पाया है कि शब्बीर ने जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित गहरी साजिश में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

यह भी आरोप लगाया है कि शब्बीर शाह सहित अन्य आरोपित व्यक्तियों ने कश्मीर घाटी में अशांति पैदा करने और भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए धन जुटाने व एकत्रित करने की साजिश रची थी। शाह के खिलाफ चार अक्टूबर 2019 को एनआईए द्वारा दायर दूसरे पूरक आरोपपत्र में आरोपित बनाया गया था।

आईपी यूनिवर्सिटी में बीएस और एमएस के लिए काउंसलिंग की तारीखें घोषित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपी यूनिवर्सिटी) में बीएस (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) और एमएस (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) प्रोग्राम के लिए काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि बीएस (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) की काउंसलिंग 23 जून को और एमएस (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) की काउंसलिंग 24 जून को द्वारका कैंपस में आयोजित की जाएगी। आवेदकों को काउंसलिंग के दिन आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे, जिनमें यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम से निर्गत 96,000 रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, सीईटी रैंक कार्ड, सीईटी एडमिट कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। दोनों प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग में उपलब्ध हैं और प्रत्येक प्रोग्राम में 60-60 सीटें हैं। काउंसलिंग के बाद सीईटी के रैंक और श्रेणी के अनुसार सीटों का आवंटन किया जाएगा। काउंसलिंग के बारे में विस्तृत विवरण यूनिवर्सिटी की वेबसाइट (www. ipu. ac.in और www.ipu.admissions.nic.in) पर उपलब्ध है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें।

सफदरजंग अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए 'योग समावेश' कार्यक्रम शुरू

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के मद्देनजर वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल में गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए योग समावेश कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

गुरुवार को महिला कल्याण के लिए काम करने वाली संस्था देवया ने गुरुवार को 'योग समावेश' के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक व्यापक 10 दिवसीय योग कार्यक्रम की शुरुआत की। देवया की संस्थापक डॉ. मनीषा जोशी ने इस मौके पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उत्सव के हिस्से के रूप में वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में योग समावेश शुरू करने पर खुशी है। यह मातृ स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस 10-दिवसीय कार्यक्रम को गर्भवती महिलाओं की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है, जिसमें सुरक्षित और लाभकारी अनुभव के लिए योग के प्राचीन ज्ञान को साक्ष्य-आधारित प्रथाओं के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू किए गए 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हमें मातृ स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके इस वैश्विक कल्याण आंदोलन में योगदान देने पर गर्व है।

गर्भावस्था एक परिवर्तनकारी यात्रा है, और योग समावेश के माध्यम से, हमारा लक्ष्य गर्भवती माताओं को सशक्त बनाना है। वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ संदीप बंसल ने कहा कि देवया के साथ साझेदारी के साथ शुरू यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अनुरूप है। आधुनिक चिकित्सा देखभाल के साथ योग के लाभ को पहचानते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत मरीजों के लिए लाभप्रद होगा। विशेषज्ञों की टीम देखरेख में यह कार्यक्रम गर्भवती माताओं को समग्र देखभाल प्रदान करते हुए पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करता है। हमारा मानना है कि यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्रों में मातृ कल्याण कार्यक्रमों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी।

जयपुर के सनसनीखेज चोरी मामले का वांछित अपराधी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जयपुर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुई एक करोड़ रुपये की चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपित संजय पहाड़िया (40) को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली के संगम विहार का निवासी है और उस पर जयपुर पुलिस द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि 8-9 मार्च 2022 की रात को जयपुर के जवाहर नगर क्षेत्र में एक बड़ी चोरी हुई थी। जिसमें सोना-हीरा, नकदी और विदेशी मुद्रा समेत करीब एक करोड़ की संपत्ति चोरी हुई थी। जांच में सामने आया कि वारदात में इस्तेमाल की गई कार संजय पहाड़िया के नाम थी। लेकिन आरोपित लगातार फरार था। डीसीपी के अनुसार उक्त मामले में क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली। पुलिस टीम ने सूचना को पुख्ता कर 10 जून को संगम विहार से आरोपित को दबोच लिया। पूछताछ में संजय ने स्वीकार किया कि वह वर्ष 2004 से अपराधों में सक्रिय है।

निहाल विहार, नांगलोई निवासी संजय महज सातवीं कक्षा तक पढ़ा है और उसने अपराध की शुरुआत जितेंद्र उर्फ गोलू और मोहम्मद जावेद उर्फ गंजू के साथ की थी। जावेद रोहित चौधरी गैंग का सदस्य है और हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, जबरन वसूली जैसे गंभीर मामलों में शामिल रहा है। जांच में पता चला है कि संजय पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में चोरी व आर्म्स एक्ट से जुड़े 70 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी संबंधित एजेंसियों को दे दी गई है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

ये तपतपाए दिन

राजधानी दिल्ली का मौसमी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है। लू जानलेवा स्थिति है, लिहाजा इसे 'चिकित्सीय आपातकाल' माना गया है। 'लू लगने' के सामान्य लक्षण ये हैं कि मानवीय शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ जाता है। वह तेज बुखार की स्थिति है। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे। लू और तपतपाई गर्मी के कारण 110 लोगों की मौतें भी दर्ज की गई थीं। 2022 में तो 730 मौतें दर्ज की गईं। शायद यही बुनियादी कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से हमारे संवेदनशील प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। बहरहाल राहत तब ही संभव है, जब मॉनसून फिर सक्रिय होकर बरसेगा।

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

'विकास भी, विरासत भी' के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे। भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं।

- गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्रीराम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्रीराम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी

नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिक इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है-यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है। इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केंद्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और 'मन की बात' के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। 'विकास भी, विरासत भी' के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है।

मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे। भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं।

रिश्तों के एटीएम को संभालें, 'यूजर एग्रीमेंट' करने से बचें

- प्रियंका सौरभ

पिछली सदी में साइकिल की घंटी, सांझ की चौपाल, या आंगन का पीपल रिश्तों की धड़कन होते थे। किसी के दरवाजे पर दो बार दस्तक हुई तो मतलब साफ था-चाय पकाओ, गपशप होने वाली है। आज दरवाजा कम बजता है, मोबाइल ज्यादा। और मोबाइल भी कई बार हाथ में नहीं, डाइनिंग-टेबल पर पड़ा-पड़ा नोटिफिकेशन बजाता है-पैकेज आउट फॉर डिलीवरी। दिनचर्या इतनी ऐप आधारित हो चुकी है कि रिश्ते भी 'ऑन-डिमांड सर्विस' जैसा अनुभव देने लगे हैं। मां की याद तब आती है जब 'घर का अचार' खत्म हो जाता है। भाई का नाम फोन-बुक में तभी स्क्रॉल होता है जब ट्रैफिक चालान से बचने के लिए किसी कनेक्शन की दरकार होती है। कॉलेज के दोस्त तभी याद करते हैं जब उन्हें किसी रेफरेंस लेटर की जरूरत पड़ती है। 'दिलचस्पी' दिनदहाड़े गायब हो चुकी है और हमने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी नहीं लिखवाई। क्यों? क्योंकि हमारी जरूरतें आराम से पूरी हो रही हैं।

जरूरत और दिलचस्पी का द्वंद्वः जरूरतें बुरी नहीं हैं। पानी, भोजन, सुरक्षा, सहा-ये सब एक बुनियादी सच हैं। समस्या तब शुरू होती है जब रिश्तों की पूरी परिभाषा ही जरूरतों पर टिक जाती है। प्यार, आदर, साझा हंसी, बेवजह के मेसेज-ये सब 'लग्जरी आइटम' माने जाने लगते हैं। नतीजा? संवाद सूखता है, उत्साह मुरझाता है और रिश्ता अपनी ही परछाई ढोता रहता है। 'कैसे हो?' का जवाब कभी ताल्लुक निभाने के लिए था। अब यह कस्टमर केयर का स्क्रिप्टेड सवाल लगने लगा है। जोश, जिज्ञासा और जुड़ाव, एक-एक कर सिकुड़ते हैं। दिलचस्पी 'टॉप-अप' की तरह है। समय-समय पर न हो तो सर्विस बंद। पर हम अकसर इसे भूल जाते हैं और फिर हैरान होते हैं कि नेटवर्क क्यों नहीं आ रहा।

आधुनिकता के चार कड़वे साइड इफैक्ट

1. डिजिटल पुल और भावनात्मक दूरीः हम 'कनेक्टेड' तो हैं, पर 'क्लोज' नहीं। विडंबना देखिए-वीडियो कॉल करते हुए भी हम आंखों में आंखें नहीं देख पाते, क्योंकि कैमरा स्क्रीन के ठीक बगल में है।

2. समय का निवेश नहीं, आउटसोर्सिंग का चलनः जन्मदिन का केक, सालगिरह का तोहफा, मां के घुटनों की दवाई-सब 'ऐप सेकेंड' में बुक। व्यक्तिगत श्रम की जगह 'प्रोसेस्ड केयर' ने ली। एहसान की जगह 'ट्रैकिंग आईडी'।

3. पर्सनल ब्रांडिंग का दबावः रिश्ते अब फोटो-फ्रेंडली मूमेंट्स का कोलाज हैं। रियल्टी में खिलखिलाना कम है। सोशल फीड में 'स्टोरी' ज्यादा। हर मुलाकात एक संभावित पोस्ट है। और पोस्ट अगर लाइक्स न बटोर पाए तो दोस्ती में भी 'कंटेंट वैल्यू' कम आंकी जाती है।

4. उपभोक्तावाद का शोरः मार्केटिंग ने हमें सिखाया-संतुष्टि खरीदी जा सकती है। नतीजे में हम रिश्तों से भी रिटर्न-ऑन-इन्वेस्टमेंट चाहने लगे। मैंने दादी को विंटर जैकेट भेजा, बदले में वीडियो कॉल तक नहीं मिला। जैसे स्नेह कोई कैश-बैक स्कीम हो।

सामाजिक विज्ञान का नजरियाः समाजशास्त्री बताते हैं कि औद्योगिक क्रांति से लेकर आईटी क्रांति तक, जैसे-जैसे जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली की ओर झुकाव बढ़ा, जिम्मेदारियां तो विभाजित हुईं पर समर्थन-तंत्र भी बिखर गया। अब हर इकाई अपने दम पर दौड़ रही है, इसलिए 'सर्वाइवल' सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया। दिलचस्पी एक 'नॉन-एसेंशियल अमीनीटी' की तरह अंत में जुड़ती है, अगर शक्ति और समय बचा तो।

मानसिक स्वास्थ्य पर असरः इनसान सामाजिक प्राणी है-यह पाठ चौथी कक्षा की किताब में पढ़ाया जाता है, पर समाज की चकाचौंध में अकसर छूट जाता है कि भावनात्मक संबंध ऑक्सीजन की तरह हैं। लगातार 'फंक्शनल' रिश्ते (जहां बस लेन-देन हो) अवसाद, तनाव, और एकाकीपन को बढ़ाते हैं। शेयर मार्केट की भाषा में कहें तो 'इमोशनल डिविडेंड' गिरने लगता है और इनसानी 'निवेशक' धीरे-धीरे हताश हो जाता है।

दिलचस्पी बचाने के पांच मंत्र

1. शारीरिक उपस्थिति का महत्वः महीने में कम से कम एक बार बिना किसी 'कारण' के मिलने जाएं। डिजिटल मीटिंग काम की है, पर 'अनप्लग्ड' साथ का स्वाद कुछ और होता है।

2. अनुस्मृति के छोटे बीजः पुराने फोटो प्रिंट कर फ्रिज पर लगाएं। हाथ से लिखे नोट्स भेजें। टच का स्पर्श हमेशा स्क्रीन से गहरा होता है।

3. साझा अनुष्ठान बनाएंः चाहे रविवार की दोपहर की खिचड़ी हो या हर पूर्णिमा पर चांद देखना-एक छोटा सा रिवाज रिश्ते का 'रिकरिंग डिपॉजिट' है।

4. डिजिटल डिटॉक्स स्लॉटः परिवार या मित्रों के साथ जब भी हों, फोन 'डिस्टर्ब' मोड में डालें। पांच में से दो मुलाकातें भी यूं हो जाएं तो दिलचस्पी की बैटरी चार्ज रहती है।

5. शब्दों का आदान-प्रदानः 'मुझे तुम पर गर्व है', 'आज तुम्हारी याद आई', 'चलो पुराने गाने सुनते हैं'-ऐसे वाक्य बोनस अंक देते हैं। जरूरी नहीं कि मुद्दा भारी-भरकम हो। भावना हल्की सी हो पर ईमानदार हो।

कल्पना कीजिए, अगर रिश्तों का भी 'यूजर एग्रीमेंट' होता तो कैसा होता

'मैं, फलां-फलां, यह स्वीकार करता/करती हूं कि मैं केवल अपने लाभ के लिए आपको याद करूंगा/करूंगी। अगर दिलचस्पी घटे तो 'अनसब्स्क्राइब' कर दूंगा/दूंगी और शिकायत करने पर 'कस्टमर सपोर्ट' को ई-मेल करूंगा।' यह सुनने में हास्यास्पद लग सकता है, पर व्यवहार में हम अकसर यही तो करते हैं! गुस्सा आए तो ब्लॉक, हंसी आए तो रिएक्ट, उदासी आए तो म्यूट। मानो इंसान नहीं, नोटिफिकेशन हों-जिन्हें स्लाइड करके साइड में किया जा सकता है।

निष्कर्षः दिलचस्पी का पुनर्जन्म

रिश्ते खेत की मिट्टी जैसे हैं। नीम-हफ्ते पानी दो, बीज पनपेंगे। वरना बंजर हो जाएगा। आधुनिकता की रफ्तार हमें मुट्ठी-भर समय भी नहीं छोड़ती, पर उसी मुट्ठी में कुछ बीजों की जरूरत है। जब अगली बार आप किसी प्रियजन का नंबर डायल करें, सोचें-क्या मैं केवल मदद मांगने जा रहा हूं? अगर हां, तो कॉल से पहले एक साधारण-सा मैसेज भी जोड़ दें- 'तुम्हारी हंसी याद आई।' हो सकता है, ऐसे छोटे-से वाक्य से बातचीत का पूरा मौसम बदल जाए। रिश्तों की दुकान में दिलचस्पी कीमत नहीं, करंसी है। अगर वही खत्म हो जाए, तो सबसे महंगा तोहफा भी खरीदा नहीं जा सकता। इसलिए आज ही थोड़ा निवेश दिलचस्पी में कीजिए। रिटर्न यकीनन इनफ्लेशन-प्रूफ मिलेगा-प्यार, अपनापन, और वह अनकही मुस्कान जो स्क्रीन के इस पार भी महसूस होती है।

कहावत है- 'घर वही जहां दिल हो।' पर दिल वहीं टिकता है जहां दिलचस्पी हो। जरूरतें पूरी कीजिए, पर उन्हें प्यार का 'ब्रेक-अप लेटर' बनने मत दीजिए। याद रखिए, रिश्तों का असली चार्जर दिलचस्पी ही है, वरना कनेक्शन 'नो-सर्विस' दिखाने लगता है और तब, डेटा पैक बढ़ाकर भी सिग्नल नहीं आएगा।

इन उपायों से जीवन में होने वाली कई परेशानी होंगी दूर

गुरु दोष के शांति के लिए गुरुवार को कुछ उपाय करें जिससे आपको अपने काम में सफलता जरुर मिलेगी, क्योंकि गुरुवार का दिन देवताओं के गुरु ब्रहस्पति देव का होता है। गुरु आपके वैवाहिक और भाग्य का कारक ग्रह है। वैसे भी जिंदगी में गई ऐसे परेशानी है जो आप इन उपायों से आप दूर कर सकते हैं। अगर निरंतर कर्ज में फंसते जा रहे हों, तो श्मशान के कुएं का जल लाकर किसी पीपल के वृक्ष पर चढ़ाना चाहिए। यह 6 शनिवार किया जाए, तो आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होते हैं। अगर किसी पर कर्ज ज्यादा हो गया हो तो करें ये उपाय मंगलवार को शिव मंदिर में जा कर शिवलिंग पर मसूर की दाल ऊं ऋण मुक्तेश्वर महादेवाय नमः मंत्र बोलते हुए चढ़ाएं। यह प्रयोग हर मंगलवार को करें।

- प्रत्येक प्रकार के संकट निवारण के लिये भगवान गणेश की मूर्ति पर कम से कम 21 दिन तक थोड़ी-थोड़ी जावित्री चढ़ावे और रात को सोते समय थोड़ी जावित्री खाकर सोवे। यह प्रयोग 21, 42, 64 या 84 दिनों तक करें।
- किसी शुभ कार्य के जाने से पहलेदृरविवार को पान का पत्ता साथ रखकर जायें। सोमवार को दर्पण में अपना चेहरा देखकर जायें। मंगलवार को मिष्ठान खाकर जायें। बुधवार को हरे धनिये के पत्ते खाकर जायें। गुरूवार को पीली सरसों के कुछ दाने जेब में डालकर जायें। शुक्रवार को दही खाकर जायें। शनिवार को अदरक और घी खाकर जाना चाहिये।
- घर में समृद्धि लाने हेतु घर के उत्तरपश्चिम के कोण (वायव्य कोण) में सुन्दर से मिट्टी के बर्तन में कुछ सिक्के, लाल कपड़े में बांध कर रखें। फिर बर्तन को गेहूं या चावल से भर दें। ऐसा करने से घर में धन का अभाव नहीं रहेगा।
- एक मिट्टी की हंडिया में सवा किलो हरी साबुत मूंग, दूसरी में सवा किलो डलिया वाला नमक भर दें। यह दोनों हंडिया घर में कहीं रख दें। यह क्रिया बुधवार को करें। घर में धन आना शुरू हो जाएगा।
- अकस्मात धन लाभ के लिये शुक्ल पक्ष के प्रथम बुधवार को सफेद कपड़े के झंडे को पीपल के वृक्ष पर लगाना चाहिए। यदि व्यवसाय में आकिस्मक व्यवधान एवं पतन की संभावना प्रबल हो रही हो, तो यह प्रयोग बहुत लाभदायक है।

आज का इतिहास

1290 - खिलजी प्रमुख जलालुद्दीन फिरोजशाह दिल्ली की गद्दी पर बैठा और इसके साथ ही गुलाम वंश के शासन का अंत हुआ।
1888 - अमेरिकी कांग्रेस ने श्रम विभाग का गठन किया।
1932 - ब्रिटेन ने 72 वर्षों तक स्वेज नहर का नियंत्रण अपने कब्जे में रखने के बाद उसे मिस्र को सौंपा।
1940 - भारत के महान क्रांतिकारी ऊधम सिंह को लंदन में फांसी दी गई। उन्हें जनरल ओ डायर की हत्या का दोषी ठहराया गया।
1943 - नेताजी सुभाष चंद्र बोस जर्मनी से टोक्यो पहुंचे।
1964 - भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का जन्म।
1993 - किम कैंपबेल कनाडा की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
1997 - राजधानी दिल्ली के उपहार सिनेमा में शो के दौरान आग लगने से 59 लोगों की मौत।
2001 - नेपाल शाही परिवार हत्याकांड में दीपेन्द्र की प्रेमिका देवयानी का जांच आयोग के समक्ष गवाही देने से इनकार।
2002 - अमेरिका ने ऐंटी-बालिस्टिक मिसाइल संधि से खुद को अलग किया।
2004 - इराक के विदेश उपमंत्री बासम सालिह कुन्बा की हत्या।
2005 - पॉपस्टार माइकल जैक्सन 13 साल के बच्चे के यौन उत्पीड़न मामले में बरी।
2005 - ईरान 2009 के अंत से 25 वर्ष के लिए भारत को तरल प्राकृतिक गैस का निर्यात करने पर सहमत।
2006 - नाइजीरिया और कैमरून ने सीमा विवाद पर समझौता किया।
2008 - चीन और ताइवान ने विमान सेवा शुरू करने के संबंध में ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
2012 - प्रसिद्ध गजल गायक मेंहदी हसन का निधन।

भारत: आत्म बल से आगे बढ़ता राष्ट्र

- प्रो. महेश चंद गुप्ता

भारत ने हाल ही में जिस 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, वह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं बल्कि उसकी रणनीतिक सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और राष्ट्र की सामूहिक ताकत का प्रतीक बन गया है। इस ऑपरेशन की सफलता ने भारत को एक बार फिर यह साबित करने का मौका दिया कि वह केवल एक बड़ी जनसंख्या या पुरातन संस्कृति वाला देश नहीं बल्कि एक रणनीतिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति भी है जो वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने में सक्षम है। भारत अब आत्म बल से आगे बढ़ता हुआ राष्ट्र है।

भारत की बढ़ती शक्ति और वैश्विक पहचान देशवासियों के लिए गौरव का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया के सामने एक बार फिर मजबूती से प्रस्तुत किया है। संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ताकत का प्रयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर करता है लेकिन जब करता है तो पूरी सटीकता और सफलता के साथ करता है। इस अभियान के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भारत की ओर टिक गई हैं। अमेरिका और चीन जैसे वैश्विक शक्ति केंद्रों को अब यह समझ आने लगा है कि भारत केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता राष्ट्र है जो 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत की सोच केवल अमेरिका या चीन की बराबरी करने की नहीं है बल्कि उनसे आगे निकलने और विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे रोचक बात यह रही कि इससे भारतीय राजनीति में भी एक नई चेतना का संचार हुआ। ओवैसी और शशि थरूर जैसे जो नेता पहले सरकार विरोधी माने जाते थे, उन्होंने भी इस ऑपरेशन की सराहना की और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। इन नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में विश्व के विभिन्न देशों में जा कर जिस मजबूती से भारत का पक्ष रखा और पाक को बेनकाब किया है, उससे यह स्पष्ट हुआ कि जब बात देश की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की होती है, तो राजनीतिक मतभेद पीछे छूट जाते हैं और 'भारत पहले' की भावना सर्वोपरि हो जाती है।

यह राष्ट्रवाद का वही रूप है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से भारतीय जनमानस में गहराता गया है। 2014 से जो राष्ट्र निर्माण की लहर शुरू हुई, वह अब स्पष्ट परिणाम देने लगी है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने उसे वैश्विक निवेश और तकनीकी साझेदारी का केंद्र बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ-साथ भारत ने तकनीकी मोर्चे पर भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। कश्मीर में बना चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे ब्रिज केवल एक निर्माण परियोजना नहीं बल्कि इंजीनियरिंग कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का आश्चर्यजनक नमूना है। मोदी ने चिनाब ब्रिज के साथ श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर लंबे अरसे से देखे जा रहे सपने को साकार कर दिया है। इसी के साथ कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ गया है। अब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सीधी ट्रेन यात्रा संभव हो सकेगी। यह जम्मू और कश्मीर के डोगरा राजा महाराजा प्रताप सिंह का सपना था, जिन्होंने 1880 के दशक के अंत में इस मार्ग की कल्पना की थी और सर्वेक्षण के लिए ब्रिटिश इंजीनियरों को लगाया था। घाटी के लोगों के लिए ये ट्रेन न सिर्फ हर मौसम में आने-जाने के लिए एक भरोसेमंद साधन बन गई है बल्कि इससे इलाके में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। इससे पहले अप्रैल में मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज का उद्घाटन किया था। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है।

भारत में अब राफेल लड़ाकू विमानों के मुख्य ढांचे का निर्माण हैदराबाद में किया जाएगा जो कि 'मेक इन इंडिया' पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन के बीच हुआ एग्रीमेंट बताता है कि अब भारत केवल आयातक नहीं बल्कि रक्षा उत्पादों का निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। भारत अब हथियारों का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों की भागीदारी भारत को आत्मनिर्भर बना रही है। रक्षा उत्पादन में भारत का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत की बड़ी उपलब्धि है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को प्रवेश देने की नीति अपनाकर एक बड़ा बदलाव किया है। इससे प्रतिस्पर्धा, नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा मिला है। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित हुई ब्रह्मोस मिसाइल की ऑपरेशन सिंदूर के विश्व बाजार में मांग बढ़ी है और कई देश अब भारत से रक्षा उपकरण खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

उम्मीद है, भारत अगले दस वर्षों में रक्षा क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा को पीछे छोड़ देगा। इतना ही नहीं, स्वदेशी तकनीक और स्टार्टअप्स के जरिए भारत अपने डिफेंस सेक्टर को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर है। भारत ने सिर्फ रक्षा नहीं बल्कि ऊर्जा, स्वास्थ्य और तकनीक के क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी बन रहा है। सरकार की योजनाओं और प्राइवेट निवेश के समन्वय से भारत अब ऊर्जा निर्यातक देश बनने की राह पर है। अब भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण शुरू हो चुका है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का सबसे अहम हिस्सा है। अब भारत में इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता मिलेगी। भारत की विदेश नीति अब केवल अपने हितों तक सीमित नहीं रही बल्कि दुनिया को साथ लेकर चलने की नीति पर केंद्रित है। मोदी का यह स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि भारत वैश्विक नेतृत्व में केवल भागीदार नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। जी20 की अध्यक्षता, वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी, ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला परिदृश्य इस बात के संकेत हैं कि भारत अब एक संतुलनकारी शक्ति बनकर उभर रहा है। हालांकि भारत की प्रगति उल्लेखनीय है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तमाम चुनौतियों से जूझते हुए भारत आगे बढ़ने को दृढ़ संकल्पित है। समग्र विकास और समग्र क्रांति की सोच वाले भारत की नीति अब स्पष्ट है।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल एक राजनीतिक घोषणापत्र नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय लक्ष्य है। इसके लिए नीति, नियत और नागरिक तीनों का सहयोग आवश्यक है और यही तीनों आज एकजुट होकर भारत को आगे ले जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य क्षमता को दिखाने के साथ-साथ एक संदेश भी दिया है कि भारत अब अपने हितों को लेकर संकोच नहीं करता। वह शांति चाहता है, लेकिन किसी भी हस्तक्षेप या चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। भारत अब उस मुकाम पर है जहां से वह केवल अपनी समस्याएं ही नहीं सुलझा रहा बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान में भी भागीदारी निभा रहा है। यही है नया भारत, जो आत्मनिर्भर, शक्तिशाली, तकनीकी रूप से उन्नत, और दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। यह उस नये भारत की झलक है जो आत्म विश्वास, एकता, नवाचार और नेतृत्व की भावना से परिपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाकर लोगों को अनगिनत फायदे पहुंचाए गए: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार ने अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाकर लोगों को अनगिनत फायदे पहुंचाए हैं। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, 'भारत के युवाओं की मदद से हम नवाचार और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। इससे आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूती मिल रही है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के उपयोग ने सेवा प्रदान करने और पारदर्शिता को बहुत बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी गरीब से गरीब लोगों के जीवन को सशक्त बनाने का एक साधन बन गई है।

सरकार के हैंडल से जारी किए गए और प्रधानमंत्री द्वारा रेखांकित पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा गया है कि भारत ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से बड़े पैमाने पर पारदर्शिता सुनिश्चित की है, जिसमें कहा गया है कि 56 मंत्रालयों द्वारा विनियमित 322 से अधिक योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा की गई। इसमें कहा गया है कि लीकेज को समाप्त करके 3.48 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई। एक अन्य 'थ्रेड' में कहा गया है कि पिछले 11 वर्षों में भारत की तकनीकी यात्रा क्रांति से कम नहीं है। इसमें कहा गया है कि मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल नवाचार, तकनीक आधारित शासन और वैश्विक विश्वास का केंद्र बन गया है। विनिर्माण से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, डिजिटल भुगतान से लेकर ग्रामीण संपर्क तक यह परिवर्तन स्पष्ट, प्रभावशाली और स्थायी है। उसने कहा कि लेकिन यह केवल उपकरणों और प्लेटफार्मों के बारे में नहीं है। यह निर्बाध शासन, नागरिक सशक्तीकरण और विकसित भारत के निर्माण के बारे में है। इसमें लिखा गया है कि यूपीआई के भारत की 'वित्तीय धड़कन' बनने से लेकर देश, दुनिया का सबसे सस्ता मोबाइल डेटा प्रदाता भी है, जो डिजिटल समावेश को बढ़ावा देता है।

'थ्रेड' के अनुसार 94 करोड़ से अधिक ब्रॉडबैंड कनेक्शन और 120 करोड़ टेलीफोन ग्राहकों के साथ, टेली-डेंसिटी 2014 में 75 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 85 प्रतिशत हो गई है। इसमें कहा गया कि इसरो द्वारा 393 विदेशी उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की अविश्वसनीय उपलब्धि हमारी क्षमता को दर्शाती है। एक पोस्ट में कहा गया है, '11 साल पहले, एक खामोश डिजिटल क्रांति शुरू हुई - जिसने भारत के जुड़ने, शासन करने और बढ़ने के तरीके को नया आकार दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, डिजिटल इंडिया पहल ने प्रौद्योगिकी को सशक्तिकरण के एक उपकरण में बदल दिया है-अंतराल को पाटना, अवसरों को खोलना और प्रत्येक नागरिक के लिए शासन को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाना।' इसमें कहा गया है कि दूरदराज के गांवों में इंटरनेट की पहुंच से लेकर दुनिया में अग्रणी वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान तक, यह परिवर्तन केवल संख्याओं के बारे में नहीं है - यह लोगों, प्रगति और संभावना के बारे में है। इसके अनुसार तकनीकी पहलों ने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक रुपया लक्षित लाभार्थी तक पहुंचे, डीबीटी में 10 वर्षों में 90 गुना वृद्धि देखी गई, जिससे गति और पारदर्शिता के साथ कल्याणकारी आपूर्ति तंत्र में बदलाव आया। इसमें सरकारी खरीद के लिए डिजिटल मार्केटप्लेस, पासपोर्ट वितरण सेवा, कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण के लिए कोविन प्लेटफॉर्म की शुरुआत और नागरिकों को लाभ और सेवाएं प्रदान करने में तकनीक द्वारा संचालित अन्य उपायों के अलावा स्वास्थ्य बीमा के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पर प्रकाश डाला गया।

मोदी सरकार ने 11 साल के शासन में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लोकतांत्रिक बनाया: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिससे भारत पिछले 11 वर्षों में दुनिया में एक अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के नौ जून को 11 साल पूरे हो गए।

शाह ने 'एक्स' पर लिखा, 'मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का दोहन किया है, जिससे भारत बीते 11 साल में दुनिया में एक अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है।' गृह मंत्री ने कहा कि चाहे स्वास्थ्य सेवा हो, शिक्षा हो, व्यापार हो या वाणिज्य, प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल क्रांति के माध्यम से अर्थव्यवस्था और समाज के हर क्षेत्र को बदल दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पिछले 11 वर्षों में, भारत ने डिजिटल रूप से सशक्त समाज बनाने की दिशा में अपनी यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बयान में कहा गया है कि देश ने दूरदराज के गांवों में इंटरनेट पहुंच का विस्तार करने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण में क्रांति लाकर शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है।

बयान में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था 2024-25 तक बढ़कर 13.42 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति से प्रेरित है। बयान के अनुसार, डिजिटल अर्थव्यवस्था ने 2022-23 में राष्ट्रीय आय में 11.74 प्रतिशत का योगदान दिया। आगे बयान में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और पिछले 11 वर्षों में भारत ने मोबाइल नेटवर्क का काफी विस्तार किया है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार किया है।

बयान के अनुसार, प्रौद्योगिकी आधारित भविष्य के लिए सरकार ने पिछले 11 वर्षों में डिजिटल क्षितिज का विस्तार किया है, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने से लेकर डिजिटल कौशल को बढ़ाने तक, भारत अधिक डिजिटल रूप से सक्षम हुआ है। बयान में कहा गया है कि इंटरनेट कनेक्शन मार्च 2014 में 25.15 करोड़ थे, जो जून 2024 में बढ़कर 96.96 करोड़ हो गए। इसके अलावा मई 2025 तक, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित कुल राशि 44 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है।

दक्षिण 24 परगना में हिंसा: अब तक 40 गिरफ्तार, इलाके में निषेधाज्ञा लागू

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला में बुधवार को दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद अब इलाके में शांति बनी हुई है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। रवींद्रनगर थाना क्षेत्र में हुई इस घटना को देखते हुए प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। पुलिस ने अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया है और कुल सात मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस ने जानकारी दी कि झड़प एक अवैध निर्माण और सरकारी जमीन पर बिना अनुमति पौधारोपण को लेकर शुरू हुई थी, जिसके बाद इलाके में पत्थरबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को 'आवश्यक बल प्रयोग' करना पड़ा। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बयान में कहा कि जो भी हिंसा में शामिल था, उसे बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही आम लोगों से अफवाहों से दूर रहने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रवींद्रनगर थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण राजनीतिक दलों और प्रतिनिधिमंडलों को फिलहाल इलाके में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस ने साफ किया है कि जब तक धारा 163 लागू है, कोई राजनीतिक गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। डायमंड हार्बर पुलिस जिले की ओर से भी पुष्टि की गई है कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। पुलिस ने अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस बीच, भाजपा ने इलाके में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की है और राज्य पुलिस पर विफलता का आरोप लगाया है। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा पर स्थानीय मुद्दों का राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया है। फिलहाल प्रशासन की सख्ती और पुलिस की तत्परता से इलाके में तनाव के बावजूद शांति बनी हुई है, लेकिन हालात पर नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली, राजस्थान, गुजरात में छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रियल एस्टेट स्कीम से जुड़े 2,700 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में करीब 24 ठिकानों पर छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी की जांच रेड नेक्सा एवरग्रीन नामक रियल एस्टेट योजना से संबंधित बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ी हुई है। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम ने राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, सीकर और झुंझुनू सहित कई शहरों में छापेमारी की है। इसके साथ ही अहमदाबाद (गुजरात) और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी एक साथ छापेमारी की गई। ईडी की यह कार्रवाई पीएमएलए के प्रावधानों के तहत की जा रही है। आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में निवेशकों को ठगा गया। ईडी की जांच का उद्देश्य वित्तीय सुराग उजागर करना और घोटाले के प्रमुख लाभार्थियों की पहचान करना है। इस मामले में तलाशी अभियान जारी रहने पर और अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है। फिलहाल राजस्थान और गुजरात और दिल्ली में करीब 24 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए, 2002 के तहत दर्ज यह मामला नेक्सा एवरग्रीन नामक कंपनी के खिलाफ राजस्थान पुलिस की प्राथमिकी से संबंधित है। कंपनी ने निवेशकों से कथित तौर पर 2,700 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। रेड नेक्सा एवरग्रीन परियोजना ने कथित तौर पर निवेशकों को उच्च रिटर्न या संपत्ति आवंटन या तो फ्लैट, जमीन, या एक निश्चित अवधि के बाद प्रीमियम दरों का वादा करके लुभाया।

ठाणे में 3.9 लाख रुपये की कीमत का मादक पदार्थ जब्त, एक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर से पुलिस ने 3.9 लाख रुपये मूल्य का 'हाइड्रोपोनिक' गांजा जब्त किया है और इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस टीम ने मंगलवार शाम को शील-कल्याण रोड पर एक होटल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए देखा और उसे पकड़ लिया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गायकवाड़ ने बताया कि आरोपी की पहचान उल्हासनगर निवासी धीरेन वाधवा के रूप में हुई और जांच के दौरान पुलिस ने उसके पास से 130 ग्राम 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा की खेती मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर जल-आधारित घोल में की जाती है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक स्कूटर, एक तराजू, एक मोबाइल फोन और कुछ नकदी भी जब्त की है, जिनकी कुल कीमत 1.24 लाख रुपये है। गायकवाड़ ने कहा कि मौजूद साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि आरोपी मादक पदार्थ को बेचने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ शिल-दायघर पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में पिछले तीन दिन में दो महिला नक्सली समेत तीन इनामी नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। इससे पहले मंगलवार को जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। अबूझमाड़ क्षेत्र और नारायणपुर जिले में लगातार किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर तथा नक्सली संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद से परेशान होकर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण का फैसला किया है।

बटद्रवा थान परियोजना दिसंबर में होगी राष्ट्र को समर्पित: मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की उपस्थिति में प्रख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह को 'श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2023' से सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित 'श्रीमंत शंकरदेव अंतरराष्ट्रीय सभागार' में आयोजित हुआ। 1986 में स्थापित यह पुरस्कार पत्रकारिता, कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव के पवित्र नाम पर दिया जाता है। इसमें प्रशस्ति पत्र, स्वर्ण पदक, अंगवस्त्र और पांच लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने डॉ. सोनल मानसिंह को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विश्वविख्यात साधिका को यह सम्मान असम की जनता के लिए गर्व की बात है। उनकी नृत्य साधना ने न केवल सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया, बल्कि सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरणीय संतुलन जैसे विषयों को भी मंच पर उठाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. मानसिंह ने 'सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांसेज' की स्थापना कर युवा प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि शंकरदेव जी की शिक्षाएं सार्वभौमिक भाईचारे और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक हैं। असम सरकार द्वारा उनके जन्मस्थान बटद्रवा में 200 करोड़ रुपये की लागत से 'शंकरदेव सांस्कृतिक परिसर' का निर्माण अंतिम चरण में है, जिसे दिसंबर में राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के योगदानों पर अध्ययन हेतु जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, विश्व भारती विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय में उनके नाम की पीठ की स्थापना हो चुकी है। साथ ही तेजपुर विश्वविद्यालय में भी एक पीठ स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बटद्रवा से कूचबिहार तक 21 धार्मिक स्थलों को जोड़कर धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा रहा है, जिनमें बरदुवा, धुवाहाट-बेलागुरी, मधुपुर, चिलाराय गृह (फुलबाड़ी) आदि शामिल हैं। डॉ. सरमा ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र द्वारा उनके जीवन व कार्यों पर बहुभाषीय पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसे असमिया, हिंदी, अंग्रेजी, बोडो, राभा, तिवा, देउरी, कार्बी, नेपाली, मिसिंग, डिमासा सहित अन्य भाषाओं में अनूदित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा जिले को दी 223 करोड़ की विकास कार्यों की सौगात

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को कोरबा जिले के प्रवास के दौरान जिलेवासियों को लगभग 223 करोड़ 88 लाख 41 हजार से अधिक लागत की 66 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साय ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत किए जा रहे 66 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इन विकास कार्यों में 24 करोड़ 10 लाख 70 हजार से अधिक राशि के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 199 करोड़ 77 लाख 71 हजार से अधिक राशि की 50 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम से नामकरण किया।

मुख्यमंत्री साय द्वारा किए जाने वाली 16 लोकार्पण कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत 15 करोड़ 06 लाख 77 हजार लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम केरवाद्वारी, डूमरडीह, कोरकोमा, कसईपाली, बारी उमरांव, कपोट, नुनेरा, कोटमर्रा, लैंगा, बेतलो और सरपता में एकल ग्राम योजना शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत भैसमा, कुदमुरा और पसान में 75-75 लाख की लागत से नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण, नगर पालिक निगम कोरबा के अन्तर्गत 03 करोड़ 58 लाख की लागत से स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा में नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और क्रेड़ा विभाग अन्तर्गत 03 करोड़ 20 लाख 70 हजार 920 रुपये की लागत से कोरबा जिले के 47 छात्रावासों/आश्रमों में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं।

भूमि पूजन के कार्यों के अंतर्गत नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर पालिका निगम कोरबा व नगर पालिका परिषद दीपका में डीएमएफ, 15 वें वित्त सहित अन्य मदों से 15 करोड़ 38 लाख 85 हजार लागत के 09 कार्यों का भूमि पूजन/शिलान्यास किया गया। इनमें 06 करोड़ 66 लाख 35 हजार की लागत से 15 वें वित्त अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा हेतु 100 टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, 05 करोड़ 78 लाख एक हजार की लागत से प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत दर्री जोन क्रमांक 06 में सिटी बस डिपो/टर्मिनल कॉपलेक्स का निर्माण कार्य, 41 लाख 13 हजार की लागत से 100 बैड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, गैलरी शेड, रैम्प एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य, 61 लाख की लागत से वार्ड क्रमांक 32 में प्रशिक्षण हाल निर्माण, वार्ड क्रमांक 31 में 50 लाख की लागत से प्रशिक्षण हॉल निर्माण, 25 लाख की लागत से अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन हेतु निर्माण कार्य, 42 लाख 31 हजार की लागत से भू-जल स्त्रोत सुधार के लिए रिचार्ज वेल, डिसिल्टींग, आयल एवं ग्रीस ट्रैपिंग का निर्माण कार्य, नगर पालिका परिषद दीपका अंतर्गत 68 लाख 20 हजार की लागत से निकाय क्षेत्रांतर्गत घरों में पेयजल हेतु सर्विस कनेक्शन प्रदाय कार्य और 06 लाख 85 हजार लागत की वार्ड क्रमांक 06 में टॉवर रोड से गणेश साहू घर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक पेड़ मां के नाम के तहत रिसदी के कन्वेन्शन सेंटर परिसर में सिंदूरी पेड़ का रोपण किया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मौलश्री, मंत्री लखनलाल देवांगन ने बादाम के पौधे का रोपण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवनी पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारी तेज, डीजीपी ने की समीक्षा बैठक

भोपाल। उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय, भोपाल के कांफ्रेंस हॉल में वृहद समीक्षा बैठक की गई।

उज्जैन सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर आयोजित इस वृहद बैठक में पुलिस मुख्यालय, भोपाल के वरिष्ठ अधिकारीगण जैसे अतिरिक्त महानिदेशक गुप्तवार्ता, सायबर, दूरसंचार, रेल, प्रशिक्षण, योजना, प्रबंध, पीटीआरआई तथा विसबल, आईजी भोपाल ग्रामीण, आईजी का.व्य. एवं सुरक्षा, डीआईजी एसडीआरएफ, डीआईजी एएनओ, नोडल अधिकारी सिंहस्थ, पुलिस आयुक्त भोपाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एडीजी उज्जैन जोन, पुलिस आयुक्त इंदौर, आईजी व डीआईजी इंदौर ग्रामीण, डीआईजी उज्जैन रेंज तथा उज्जैन, खण्डवा, खरगौन, देवास, शाजापुर, धार, रतलाम, सीहोर एवं आगर-मालवा के पुलिस अधीक्षक बैठक से वर्चुअल रूप से जुड़े।

बैठक का एक प्रमुख आकर्षण रहे उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रेम कुमार गौतम, भा.पु.से., वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक, एटीएस, उत्तर प्रदेश, द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान अपनाए गए उत्कृष्ट प्रबंधन उपायों का प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक साझा किया गया, जो आगामी सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के आयोजन के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगा। इस दौरान एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया।

बैठक के दौरान खासकर वीआईपी मूवमेंट और विशेष प्रबंधन, ट्रैफिक कंट्रोल, श्रद्धालुओं की सहायता के लिए रूट डायवर्जन, दल यात्रियों के लिए अस्थायी फ्लाईओवर, आतंकवाद-रोधी उपाय, मेले के क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, ड्रोन फीड को मुख्य कंट्रोल रूम में लाइव मॉनिटर सहित अन्य बिन्दुओं को बारीकी से बताया गया।

डीजीपी ने बैठक के अंत में कहा कि उनके अनुभवों का हमें लाभ मिलेगा तथा सिंहस्थ महाकुंभ-2028 मध्यप्रदेश की गरिमा और प्रशासनिक क्षमता का परिचायक होगा, जिसमें मध्यप्रदेश पुलिस अपनी दक्षता और प्रौद्योगिकीय नवाचार से एक मिसाल कायम करेगी।

मोदी सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध: गडकरी

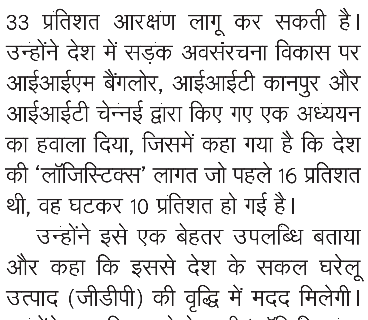

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि मोदी सरकार लोकसभा तथा विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को देश के इतिहास में 'बहुत महत्वपूर्ण' बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले के 60 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में जो नहीं हो सका, उसे वर्तमान सरकार ने हासिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष के अंत तक देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत घटकर नौ प्रतिशत पर आ जाएगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा कारोबार और उद्योगों के विकास में मदद मिलेगी।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना हमारी प्रतिबद्धता है और हमने इस संबंध में निर्णय भी लिया है। सितंबर 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक - नारी शक्ति वंदन अधिनियम - को अपनी मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है। ऐसी खबरें हैं कि मोदी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर सकती है। उन्होंने देश में सड़क अवसंरचना विकास पर आईआईएम बैंगलोर, आईआईटी कानपुर और आईआईटी चेन्नई द्वारा किए गए एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत जो पहले 16 प्रतिशत थी, वह घटकर 10 प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने इसे एक बेहतर उपलब्धि बताया और कहा कि इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत 16 प्रतिशत थी, जबकि चीन की आठ प्रतिशत और अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की 12 प्रतिशत थी। अध्ययन के अनुसार, सड़क क्षेत्र में किए गए कार्यों के कारण देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत में चार से छह प्रतिशत की कमी आई है...।

मुख्यमंत्री योगी ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सीएम योगी ने शिक्षा विभाग की 122 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को केंद्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें टैबलेट वितरित किए। साथ ही मुख्यमंत्री ने 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को 'मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार' दिए। इस मौके पर उन्होंने माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़ी 122 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में बालकों की संख्या ज्यादा थी लेकिन जब परिणाम आया तो मेरिट सूची में बेटियों की संख्या अधिक है। हाईस्कूल में बालिकाओं के उत्तीर्ण प्रतिशत 93 फीसदी था जबकि बालकों का 86 फीसदी। इसी तरह इंटर में बालिकाओं का 86 फीसदी एवं बालकों का 76 फीसदी। मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को बधाई। उन्होंने कहा कि आज संस्कृत भाषा के निदेशालय के भव्य भवन की भी आधारशिला रखी जा रही है। लखनऊ में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का भवन जर्जर था। आज इसके लिए नवीन भवन का शिलान्यास हुआ है। संस्कृत के दो पुराने विद्यालय चंदौली, भदोही के लिए भी आज नए भवन व छात्रावास निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया। संस्कृत के उन्नयन उत्थान के लिए सरकार की ओर से नया प्रयास हो रहा है। छात्रों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया। संस्कृत विद्यालय की मान्यता हम उन्ही को दे रहे हैं जो उन छात्रों के रहने और खाने की व्यवस्था कर सके। संस्कृत विद्यालयों के जर्जर भवनों के लिए भी सरकार कार्य कर रही है। उन्हें डिजिटल क्रांति से जोड़ रहे हैं। इसके लिए आज टाटा कंसल्टेंसी के साथ व माध्यमिक शिक्षा विभाग के बीच एमओयू हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में हमने माध्यमिक स्कूलों की परिस्थितियों को बदलने में काफी सफलता प्राप्त की।

माध्यमिक शिक्षा नकल, लूट का अड्डा बन गया था। पिछली सरकारों ने इसे व्यवसाय बनाया, वो नकल का पैकेज देते थे। ट्रांसफर पोस्टिंग भी पिछली सरकारों के लिए एक उद्योग था। डबल इंजन की सरकार ने इसको बदला। आज आप कह सकते हैं कि हमने इस नकल विहीन दौर में परीक्षा पास की है। आज सेंटर वहीं बनेगा जिसके पास सीसीटीवी होगा। परीक्षा 15 से 20 दिन के अंदर समाप्त हो रही है। परीक्षा से छात्रों को परेशान करने का उद्देश्य नहीं है। पहले की सरकारों में तीन महीने परीक्षा होती थी। तीन महीने में परिणाम आते थे। तीन महीने प्रवेश होता था। बाकी तीन महीनों में छुट्टियां। पढ़ाई कैसे होती थी भगवान भरोसे। आज हमने युवाओं को उनके पहचान के संकट से उबारा है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को कुछ सीख भी दी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सभी जिलों में विभिन्न बोर्डों के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में टॉप 10 छात्र-छात्राओं को 21-21 हजार रुपये और टैबलेट देकर सम्मानित किया। कुल मिलाकर 1508 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश स्तर पर टॉप 10 विद्यार्थियों को एक लाख रुपये की चेक, टैबलेट और प्रसस्तिपत्र प्रदान किया। इसके साथ ही प्रदेश के जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गए। संभल से माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ीं। इस मौके पर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में ड्रीम लैब की स्थापना के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग का टाटा नेल्को एवं यास्कावा से एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री योगी ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर जताया दुःख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक मीडिया समूह के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर अत्यंत पीड़ादायक है। कई यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें और इस प्रकार की घटनाओं में जनहानि न हो। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है।

2023 में देश की 13 लाख महिलाएं हुईं गुम

बड़ा वर्ग लव जिहाद का शिकार : मिलिंद परांडे

झांसी। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि 2023 में देश की 13 लाख महिलाएं लापता हुईं। इनमें से एक बड़ा वर्ग लव जिहाद का शिकार हुआ है। केरल की हजारों लड़कियां लव जिहाद का शिकार हुई।

उन्होंने यहां सर्किट हाउस में आहूत संवाददाता सम्मेलन में इस पर गंभीर चिंता जताई। विहिप नेता परांडे ने कहा कि भारतवर्ष में हिन्दू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के उद्देश्य से विहिप ने देशव्यापी जनजागरण अभियान आरंभ किया है। इस ऐतिहासिक अभियान की शुरुआत आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में विशाल सभा एवं संत-समागम के माध्यम से हुई। इसमें देशभर के संत-महात्मा, धर्माचार्य, मंदिर ट्रस्टी, वैदिक विद्वान और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, अपितु हिन्दू समाज की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक चेतना के केंद्र हैं।

मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण धार्मिक स्वतंत्रता, न्याय और समानता के सिद्धांतों के विरुद्ध है। विहिप नेता ने कहा कि जब चर्च और मस्जिद पर राज्य का नियंत्रण नहीं है, तो केवल हिन्दू मंदिरों के साथ भेदभाव क्यों? यह अभियान केवल एक संगठन का नहीं, अपितु सम्पूर्ण हिन्दू समाज की चेतना का प्रतीक है। परांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद देश के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों का आह्वान करती है कि वे इस अभियान से जुड़ें और अपने मंदिरों को पुनः स्वाधीन करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। मथुरा के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम दोनों पक्षों से वार्ता करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की हिन्दू जनसंख्या की संरचना में हो रहा धार्मिक असंतुलन अब राष्ट्र की सांस्कृतिक, सामाजिक और सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि इस असंतुलन के पीछे कई योजनाबद्ध कारण कार्य कर रहे हैं, जिनमें विशेष रूप से धार्मिक मतांतरण, लव जिहाद, बांग्लादेश और म्यांमार से हो रही मुस्लिम घुसपैठ, और हिन्दू समाज में घटती जन्मदर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सुनियोजित रूप से आर्थिक प्रलोभन, छल कपट या दबाव के माध्यम से मिशनरियों के धर्मांतरण ने कई क्षेत्रों में स्थानीय हिन्दू जनसंख्या को कम किया है। विहिप नेता परांडे ने कहा कि एक सुनियोजित रणनीति के तहत मुस्लिमों के एक वर्ग द्वारा हिन्दू युवतियों को फंसाकर उनका मतांतरण कराया जा रहा है, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक हमला है। सीमावर्ती राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अब दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है।

ऑटो-डंपर की टक्कर में 11 घायल, तीन की हालत नाजुक

मीरजापुर। बुधवार की देर रात गैपुरा-लालगंज मार्ग पर स्थित कामापुर गांव के पास एक दर्दनाक हादसे ने खुशी के माहौल को मातम में बदल दिया। विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के गैपुरा चौकी अंतर्गत एक आटो और डंपर की आमने-सामने की टक्कर में 11 लोग घायल हो गए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना रात करीब नौ बजे की है। बबुरा गांव निवासी सेंदीपू कोल की पुत्री पूजा देवी के यहां कामापुर कला में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए परिवारजन और पड़ोसी लौटते समय इस हादसे का शिकार हो गए। आटो में कुल 11 लोग सवार थे। जैसे ही आटो कामापुर गांव के पास पहुंचा, गैपुरा से लालगंज की ओर जा रहे एक तेज़ रफ्तार डंपर ने आटो में जोरदार टक्कर मार दी।

दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों में ऑटो चालक गंगासागर (27) निवासी पटेहरा, मड़िहान, युवराज (10) पुत्र संतोष कुमार, सुनील (18) पुत्र नागेंद्र इन तीनों की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें तत्काल मंडलीय चिकित्सालय रेफर किया गया। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर मीरजापुर भेजा।

अन्य घायलों में गुंजा (12), महेश (11), राम कुमार (18), सन्नू (12), हरिओम (11), सत्यम (8), संजय (19), शिवम (10) सभी को सरोंई पीएचसी में प्राथमिक इलाज दिया गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रत्नाकर मिश्र ने बताया कि समय पर उपचार की वजह से सभी की जान बच गई, लेकिन कुछ की स्थिति बेहद नाजुक है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

रोहिणी नक्षत्र में धान की रोपाई करना शुभ : रामनाथ ठाकुर

वाराणसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने किसानों से रोहिणी नक्षत्र में धान की रोपाई करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि रोहिणी नक्षत्र में धान की रोपाई करना शुभ माना जाता है।

इस समय धान के पौधे की वृद्धि तेजी होती है और अधिक फसल उत्पादन मिलता है। केन्द्रीय मंत्री दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन गुरूवार को कल्लीपुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में विकसित कृषि संकल्प अभियान के समापन समारोह में आए किसानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि किसानों की खुशहाली, उनकी समृद्धि तथा खेती की लागत कम करने एवं उनकी आय को दूना करने के लिए खेत खलियानों में जाएं। खेत पर किसानों से गंवई भाषा में बातचीत कर उन्हें आवश्यक जानकारी दें। किसानों को नवीनतम तकनीकी की जानकारी समय से उनकी भाषा में उनके खेत खलियान में जाकर ही दे ।

कार्यक्रम में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के कुलपति कर्नल (डॉ) बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि पंजाब राज्य की उत्पादकता की तुलना में उत्तर प्रदेश की उत्पादकता कम है। प्रदेश की उत्पादकता बढाने के लिए कृषकों को खेत का समतलीकरण कर समय से बुवाई करते हुए उचित बीज दर का उपयोग करना चाहिए। मृदा में जैविक पदार्थ की मात्रा लगातार घटती जा रही है, जिसे बढ़ाने के लिए हरी खाद वाली फसलें जैसे ढैचा, सनई इत्यादि की खेती कर मृदा की स्वास्थ्य को सुधारा जा सकता है। कृषकों को फसलों की सिंचाई के लिए बौछारी एवं टपक विधि अपनानी चाहिए। खेती में मल्चिंग के प्रयोग से मृदा में नमी बनाए रखने के साथ-साथ खरपतवार उगने से रोकता है। आचार्य नरेन्द देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के ही निदेशक प्रसार डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों को खेती किसानी से जुड़ी बातों को साझा किया।

उप महानिदेशक उद्यान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने पूर्वी क्षेत्रों में विकसित कृषि संकल्प अभियान से जुड़े अनुभवों को बताया। साथ ही फल, सब्जी, दलहन, तिलहन, पशुपालन एवं मत्स्य पालन को लेकर किसानों को जागरूक किया और अफसरों को दिशा निर्देश दिया। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक अमित जायसवाल, जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह,भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ अशोक कुमार यादव,जिला कृषि रक्षा अधिकारी आदि भी मौजूद रहे।

इंजीनियर वेलफेयर सोसाइटी का वार्षिक समारोह 15 को

प्रयागराज। प्रोफेशनल इंजीनियर वेल्फेयर सोसाइटी, प्रयागराज का वार्षिक समारोह 15 जून को सिविल लाइन स्थित एक होटल में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि उप्र लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. ए के वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि शिवशंकर सिंह मोटिवेशन वक्ता रहेंगे।

जबकि शाम के कार्यक्रम में महापौर गणेश केसरवानी मुख्य अतिथि एवं हर्षवर्धन बाजपेयी विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी गुरूवार को प्रोफेशनल इंजीनियर वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज के अध्यक्ष मनीष कुमार घोष एवं एसोसिएशन के सचिव विवेक कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि दिन का कार्यक्रम पूर्णतया तकनीकी जानकारी का होगा, जिसमें हमारे इंजीनियर ग्रीनहाउस व संस्टेनेबल कंस्ट्रक्शन के साथ ही सोलर ऊर्जा व जल संरक्षण के बेहतर लाभ पर विचार रखेंगे।

टांडा फाल में डूबे युवक का शव 2 दिन बाद मिला

मीरजापुर। प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध टांडा फाल मंगलवार को एक दुखद हादसे का गवाह बन गया। भदोही जिले के जल्लापुर निवासी 19 वर्षीय जीशान अंसारी दोस्तों संग मस्ती करने आया था, लेकिन स्नान करते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया।

दो दिन की तलाश के बाद गुरुवार को उसका शव पानी में उतराया हुआ मिला। मंगलवार को लालगंज थाना क्षेत्र की लहगंपुर चौकी अंतर्गत टांडा फाल पहुंचे पांच युवकों के बीच जीशान भी था। दोस्तों के साथ पानी में मस्ती कर रहे जीशान का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह गहराई में चला गया। उसके डूबने की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को खबर दी। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर तलाश शुरू करवाई, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार को गोताखोरों की मदद ली गई, फिर भी जीशान का कुछ पता न चल सका।

गुरुवार सुबह करीब 10 बजे मृतक के भाई इमरान की नजर फाल के पानी में तैरते शव पर पड़ी। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लहगंपुर चौकी प्रभारी विजय कुमार राय ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेलवे ट्रैक पर मिला अधेड़ का शव

सुल्तानपुर। कूरेभार रेलवे स्टेशन के निकट अयोध्या-प्रयाग रेलखंड पर एक अधेड़ व्यक्ति का रेलवे ट्रैक पर शव मिला है।

पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कूरेभार रेलवे स्टेशन के निकट अयोध्या-प्रयाग रेलखंड पर एक अधेड़ की लाश मिली है। स्थानीय लोगों की मदद से मृतक की पहचान कालीचरण सिंह (50) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची राजगीर रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही हैं। हादसे के बाद से परिजनों में शोक की लहर है।

छात्र अपने विजन के अनुसार लक्ष्य को करें निर्धारित : सांसद अवस्थी

कानपुर जनपद के वर्ष 2025 में विभिन्न बोर्डों से हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए राज्य स्तरीय मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन लोक भवन, लखनऊ में आयोजित हुआ। जिसका सजीव प्रसारण वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिये कानपुर जनपद के सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है। कानपुर में मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर सांसद रमेश अवस्थी उपस्थिति रहे। यह जानकारी गुरूवार को जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने दी।

जिलाधिकारी ने बताया कि कुल 18 छात्र/छात्राओं को सांसद रमेश अवस्थी द्वारा 21,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि, टैबलेट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध होगा। मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि पहले की सरकारों में नकल माफिया सक्रिय थे, तब बच्चे पास तो हो जाते थे लेकिन जब प्रदेश के बाहर नौकरी के लिए जाते थे तो उनके सिलेक्शन में समस्याएं होती थी। जब से डबल इंजन की सरकार रही है तब से शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बदलाव किया गया है। मेधावी छात्रों के लिए इस तरह का पुरस्कार वितरण पहले के सरकारों में नहीं किया जाता था। उन्होंने मेधावी छात्रों से कहा कि वे जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करें। वे अपने विजन के अनुसार काम करें। उनको क्या करना है उस लक्ष्य को लेकर आगे चले। अपने लक्ष्य की प्राप्त के लिए कभी शॉर्टकट नहीं अपनाना चाहिए। इसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। अंत में सांसद ने अच्छे नंबर प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाने के लिए छात्र -छात्राओं का आभार व्यक्त किया ।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 के मेधावी छात्र-छात्राओं आदर्श कुमार (96.17%), गगन प्रजापति(96%), आदर्श कुमार(95.83%), आदर्श यादव(95.83%) (पुत्र सुशील यादव), अंशुल(95.83%), अर्नव तिवारी (95.83), आयुष (95.83), सोनिका यादव(95.83%) और आदर्श यादव(95.83%) (पुत्र बृजेन्द्र सिंह) इत्यादि मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

केवल एफआईआर या चार्जशीट दाखिल होने से किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता : हाईकोर्ट

डीएम को ऐसे मामलों में नौकरशाह की तरह नहीं, बल्कि सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल एफआईआर या चार्जशीट दाखिल होने से किसी को अपराध का दोषी नहीं माना जा सकता। हालांकि सरकारी पद पर नियुक्ति का पैरामीटर अधिकारी ही तय करेंगे, कोर्ट नहीं। दोनों पक्षों में समझौते के कारण चार्जशीट निरस्त कर दी गई है। कोर्ट ने कहा जब पी ए सी पुलिस कांस्टेबल की 2015 में भर्ती निकाली गई थी तब याची के खिलाफ आपराधिक केस नहीं था।

चयनित होने के बाद दो परिवारों के झगड़े में एफआईआर दर्ज हुई। चयनित याची को अयोग्य करार दिया गया। जिलाधिकारी वाराणसी ने विवेक का इस्तेमाल न कर पुलिस रिपोर्ट पर कार्रवाई की। उस भर्ती का पद खाली नहीं के आधार पर राहत से इंकार नहीं कर सकते। इसलिए पुनर्विचार किया जाय। कोर्ट ने याची को नियुक्ति के अयोग्य करार देने के डी सी पी वाराणसी के 20 जुलाई 24 के आदेश को रद्द कर दिया और पुलिस कमिश्नर व डिप्टी पुलिस कमिश्नर वाराणसी एवं अपर सचिव पुलिस भर्ती बोर्ड को याची की 2015 की भर्ती में नियुक्त करने पर 8 हफ्ते में विचार करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि उस भर्ती में पद रिक्त न होना इसमें बाधक नहीं होगा।यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर की एकल पीठ ने विवेक यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मालूम हो कि याची पुलिस पी ए सी भर्ती 2015 में चयनित हुआ। नियुक्ति से पहले उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी थी।उसने तथ्य छिपाया नहीं। वाराणसी के चोलापुर थाने में 7 मई 16 की घटना की एफआईआर दर्ज हुई और पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। हालांकि हाईकोर्ट ने याचिका पर दोनों पक्षों को समझौते की अनुमति देते हुए मजिस्ट्रेट को सत्यापित करने का आदेश दिया।

समझौते के आधार पर चार्जशीट रद्द भी कर दी गई। इससे पहले ही याची को नियुक्ति के अयोग्य करार देते हुए नियुक्ति से इंकार कर दिया गया था। जिसे चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा सरकारी नौकरी मिलने पर जलन विद्वेष के कारण झूठे केस में फंसाया भी जा सकता है। इसकी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। आरोप भी गंभीर नहीं है। अनैतिक अपराध का आरोप नहीं है।कोर्ट आंख बंद नहीं रख सकती। जिलाधिकारी पोस्ट आफिस की तरह एस पी की रिपोर्ट पर आदेश नहीं दे सकता। उसे विवेक का इस्तेमाल कर आदेश पारित करना चाहिए।

चयन होने के बाद अचानक एफआईआर दर्ज होना का गहन परीक्षण करना चाहिए था। देखना चाहिए कि एफआईआर सही है या सरकारी नौकरी से बाहर करने की कवायद भर है। सावधानी से विचार करना चाहिए। जिलाधिकारी को नौकरशाह की तरह नहीं सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए। दोनों पक्षों की तरफ से एफआईआर दर्ज की गई थी। याची पर आरोप भी गंभीर नहीं था।

'संकल्प से सिद्धि' का अनुपम उदाहरण है गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, 17 को योगी करेंगे लोकार्पण

91.35 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण पर आई है 7283.28 करोड़ रुपये की लागत

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विकास कार्यों की चर्चा करते हुए प्रायः एक मंत्र का स्मरण कराते हैं। वह मंत्र है 'संकल्प से सिद्धि'। यानी दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कठिन से कठिन कार्य भी करके दिखाया जा सकता है।

इस लिहाज से 17 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पित होने जा रहा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे भी 'संकल्प से सिद्धि' की मिसाल है। लो लैंड के कारण जहां सामान्य सड़क बनाना ही कठिन था, वहां योगी सरकार ने एक्सप्रेसवे बना दिया है। यूं तो यह एक्सप्रेसवे गोरखपुर से आजमगढ़ के बीच चार जिलों से गुजरता है लेकिन इसकी कनेक्टिविटी से राजधानी लखनऊ की राह भी और आसान हो रही है। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की इस शानदार सौगात का नाम है गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे।

प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर लगातार काम कर रही योगी सरकार 17 जून को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर आवागमन की पूर्ण सुविधा के साथ इसका लोकार्पण करने को तैयार है। इस एक्सप्रेसवे से गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ, आगरा एवं दिल्ली तक त्वरित एवं सुगम यातायात कॉरिडोर से जुड़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से एक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर बाईपास एनएच- 27 ग्राम जैतपुर के पास से प्रारंभ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जनपद आजमगढ़ के सालारपुर में समाप्त हो रहा है। यह यूपी एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की फ्लैगशिप परियोजना है।

91.35 किमी लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की अद्यतन कुल लागत 7283.28 करोड़ रुपये (भूमि अधिग्रहण पर व्यय समेत) है। इससे जनपद गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ सीधे तौर पर लाभान्वित हुए हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे तीव्र संपर्क तथा बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही साथ संबंधित क्षेत्र के जनमानस को भी एक दूसरे के और निकट लाने में मदद करेगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण का कार्य अत्यंत दुरूह था। कारण, गोरखपुर जिले में जितनी भी दूरी इस एक्सप्रेसवे के दायरे में आती है, वह लो लैंड वाला है। यहां सामान्य सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त हो जाती थी।

ऐसे में एक्सप्रेसवे के लिए मिट्टी भराई करना चुनौतीपूर्ण कार्य था। पर, सीएम योगी के निर्देश पर प्रशासन के अफसरों ने इस चुनौती को भी सफलतापूर्वक निपटा दिया है। अब जबकि एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है, अधिकारी अपनी मेहनत पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होते हुए लोगों को गोरखपुर से लखनऊ पहुंचने में महज साढ़े तीन घंटे का समय लगेगा। इसके अलावा इसकी कनेक्टिविटी से लोग दिल्ली से लेकर आगरा तक के शानदार सफर का आनंद ले सकेंगे।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से गोरखपुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। एक्सप्रेसवे के प्रवेश नियंत्रित होने से वाहनों के ईंधन खपत में महत्वपूर्ण बचत, समय की बचत एवं पर्यावरणीय प्रदूषण का नियंत्रण भी संभव हो सकेगा। इस एक्सप्रेसवे से अच्छादित क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन तथा उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा।

एक्सप्रेसवे से अच्छादित क्षेत्रों में स्थित विभिन्न उत्पादन इकाइयों, विकास केंद्रों तथा कृषि उत्पादन क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने हेतु एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ योगी सरकार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बना रही है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवेः एक नजर में

प्रारंभ बिंदुः जैतपुर (गोरखपुर)
अंतिम बिंदुः सालारपुर (आजमगढ़) में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से कनेक्ट
कुल लंबाईः 91.35 किमी
कुल लागत (भूमि लागत सहित)ः 7283 करोड़.28 लाख
एक्सप्रेसवे में पड़ने वाले जिलेः गोरखपुर, सन्तकबीरनगर, अम्बेडकरनगर, आजमगढ़

ढांचागत विशेषताएं

पूर्णतः प्रवेश नियंत्रित फोरलेन (सिक्सलेन में विस्तारणीय), 9 टोल प्लाजा/रैम्प प्लाजा, 9 रैम्प (चढ़ने-उतरने के लिए), 2 जनसुविधा परिसर, 2 टॉयलेट ब्लॉक, 7 फ्लाईओवर, 8 बड़े पुल, 14 छोटे पुल, 49 पैदल अंडरपास, 55 लघु वाहन अंडरपास, 20 वाहन अंडरपास, 01 वाहन ओवरपास

महिला समूहों के उत्पाद के मूल्य को बढ़ाएः राज्यपाल

नैनीताल। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने गुरुवार को नैनीताल राजभवन में आयोजित महिला स्वयं सहायता समूहों की उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में नैनीताल जनपद के भीमताल, कोटाबाग, धारी, रामगढ़, हल्द्वानी और रामनगर क्षेत्र की महिलाओं ने ऐपण, लकड़ी की कलाकृतियां, हस्तशिल्प, बेकरी, अचार, जैम और मसालों सहित विविध उत्पाद प्रदर्शित किए। राज्यपाल ने इन उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार और सृजनात्मकता की सराहना करते हुए महिलाओं की आत्मनिर्भरता को प्रेरणास्पद बताया।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की महिलाएं न केवल प्रतिभाशाली हैं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस प्रयास कर रही हैं। उन्होंने प्रदर्शित उत्पादों की गुणवत्ता में हुई प्रगति को सराहनीय बताया और सुझाव दिया कि उनमें और अधिक मूल्य संवर्धन किया जाए, जिससे उत्पादों की मांग और मूल्य दोनों में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्कृष्ट कार्य कर रहे समूहों की प्रेरणादायक कहानियां तैयार कर प्रचारित की जाएं, जिससे अन्य महिलाएं भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने इसे 'स्थानीय से वैश्विक' की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया और मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि महिला समूहों को पैकेजिंग, ब्रांडिंग व विपणन में सहयोग देने हेतु विशेषज्ञों से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

इस अवसर पर अधिकारियों ने महिला समूहों के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन हेतु प्रकाशित पुस्तक 'उजाले की ओर बढ़ते कदम' राज्यपाल को भेंट की। कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी अनामिका, सहायक परियोजना निदेशक चंद्रा फर्त्याल सहित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनरल गुरमीत सिंह ने 'कीवी मैन' सगत सिंह मेहरा को किया सम्मानित

उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नैनीताल राजभवन में नैनीताल जनपद के निगलाट (भवाली) क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक सगत सिंह मेहरा को सम्मानित किया। सगत सिंह मेहरा उत्तराखंड में कीवी की खेती को लोकप्रिय बनाने वाले अग्रणी कृषकों में गिने जाते हैं और 'कीवी मैन' के नाम से विख्यात हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनकी कृषि नवाचार में भूमिका की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि सगत सिंह मेहरा जैसे समर्पित कृषकों के प्रयासों से ही उत्तराखंड की उद्यानिकी को नई दिशा मिली है। उन्होंने कीवी जैसे उच्च मूल्य वाले फल को न केवल स्वयं अपनाया बल्कि अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक स्थिति और जलवायु कीवी के लिए अनुकूल है, और इस दिशा में किसानों को मार्गदर्शन देने के लिए सगत सिंह मेहरा जैसे अनुभवजन्य उदाहरणों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 87 वर्षीय सगत सिंह मेहरा वर्ष 2000 से कीवी की खेती कर रहे हैं। उन्होंने न केवल नैनीताल बल्कि बागेश्वर और पिथौरागढ़ जैसे जनपदों में भी कीवी के पौधे उपलब्ध कराकर कीवी की खेती को प्रोत्साहन दिया है। वे बताते हैं कि कीवी में कई औषधीय गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। बीते वर्षों में इसकी मांग में जबर्दस्त वृद्धि हुई है, जिसके कारण उन्होंने इसे ही अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है। उनके प्रयासों ने न केवल कीवी की खेती को पहचान दिलाई है, बल्कि अनेक किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी दिखाया है।

3 कंपनियां पीएसी और 800 सौ से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे कैंची धाम मेले में तैनात

नैनीताल। कैंची धाम में आगामी 15 जून को आयोजित होने वाले वार्षिक स्थापना दिवस मेले पर सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था रहेगी। कैंची धाम में मेले के दौरान तीन कंपनियां पीएसी और 800 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

गुरुवार को उत्तराखंड के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक-अपराध एवं कानून व्यवस्था वी मुरुगेशन ने कुमाऊं परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा सहित अन्य अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीजी ने बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर, पार्किंग स्थलों, प्रमुख मार्गों व संभावित भीड़भाड़ वाले स्थानों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। तत्पश्चात भवाली में अधिकारियों के साथ आयोजित गोष्ठी में एडीजी ने सभी तैयारियों का प्रस्तुतीकरण देखा और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि रहे, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने मंदिर में प्रवेश व निकासी की अलग व्यवस्थाएं, स्वयं सेवकों की सहायता, हर स्तर पर निगरानी, भीड़ नियंत्रण, ड्रोन कैमरे व सीसीटीवी की चौकसी, सोशल मीडिया की निगरानी और हर संदिग्ध गतिविधि की वीडियोग्राफी सुनिश्चित करने को कहा।

एडीजी ने बताया कि मेले की सुरक्षा के लिए तीन कंपनियां पीएसी तथा 800 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है।यातायात के सुचारु संचालन के लिए रूट परिवर्तन योजना, शटल सेवा, चिन्हित पार्किंग स्थल, सूचना पट व अलग-अलग प्रवेश-द्वार निर्धारित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों से श्रद्धालुओं के प्रति सौम्य व सेवा भाव से कार्य करने की अपेक्षा जताई।

गोष्ठी में हल्द्वानी के पुलिस अधीक्षक, अपराध व यातायात पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, एलआईयू निरीक्षक, प्रतिसार निरीक्षक नैनीताल तथा भवाली प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। श्री कैंची धाम के स्थापना दिवस 14 व 15 जून को श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए नैनीताल पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन योजना जारी कर दी है।

इस योजना के तहत श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वह घर से निकलने से पहले यातायात व्यवस्था की जानकारी अवश्य लें, जिससे किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान श्रद्धालुओं को निजी वाहनों के बजाय शटल सेवाओं का प्रयोग करने को भी प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। यह यातायात योजना 14 जून को प्रातः 7 बजे से 16 जून की रात्रि 10 बजे तक प्रभावी रहेगी।

शटल टैक्सियों के अलावा सभी वाहन कैंची धाम में रहेंगे प्रतिबंधित

नैनीताल पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून को कैंचीधाम जाने वाले समस्त बड़े वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वहीं दोपहिया वाहनों को नैनीताल, काठगोदाम, कालाढूंगी व भीमताल की ओर से कैंचीधाम आने से प्रतिबंधित किया गया है। हल्द्वानी-काठगोदाम, नैनीताल, भीमताल व अल्मोड़ा की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को क्रमशः सैनिटोरियम भवाली, विकास भवन भीमताल व खैरना में पार्क कराया जाएगा। इन स्थानों से शटल सेवाएं संचालित की जाएंगी, जिनके माध्यम से श्रद्धालु मंदिर तक पहुंच सकेंगे। खुटानी बैण्ड भीमताल से खैरना तक आवश्यक सेवा वाहनों के अलावा समस्त वाहनों के आवागमन पर रोक रहेगी। शटल सेवाओं के अतिरिक्त किसी भी वाहन को कैंचीधाम तक जाने की अनुमति नहीं होगी। नैनीताल से भी श्रद्धालुओं को शटल सेवा के माध्यम से ही मंदिर भेजा जाएगा। पाईन्स, भवाली होकर कैंची धाम जाने वाले सभी निजी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। उधर बरेली, किच्छा, लालकुआं से नैनीताल, भवाली, भीमताल, कैंचीधाम, मुक्तेश्वर व अल्मोड़ा की ओर जाने वाले सभी वाहनों को तीनपानी फ्लाईओवर से गौलापार होते हुए नारीमन तिराहा काठगोदाम से गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। जबकि अल्मोड़ा, जागेश्वर, बागेश्वर व रानीखेत की ओर से आने वाले छोटे टैक्सी वाहन डायवर्ट होकर नथुवाखान, मुक्तेश्वर, खुटानी बैण्ड, भीमताल होते हुए हल्द्वानी की ओर भेजे जाएंगे।

बागपत पहुंचे दिल्ली के उप राज्यपाल, कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया

बागपत। विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 का गुरुवार को समापन किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल बी के सक्सेना ने बागपत पहुंचकर कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि कार्यों की जानकारी ली और कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया। इससे पूर्व उन्हें ज्ञान केंद्र में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर सांसद राजकुमार सांगवान भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

उपराज्यपाल ने कृषि विज्ञान केंद्र के गन्ना उत्कृष्टता केंद्र का निरीक्षण किया। कृषि वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी के संबंध में जानकारी प्राप्त की जिसमें डॉ. विकास कुमार ने जनपद में गन्ना की खेती और उसके साथ होने वाली सहफसली उत्पादों की जानकारी दी। उपराज्यपाल सक्सेना ने एफपीओ द्वारा सिरके के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया। कृषि विज्ञान केंद्र में पौधरोपण कर पौधे लगाने को प्रेरित किया।

उपराज्यपाल ने कृषि विज्ञान केंद्र में डेढ़ साल पहले उद्यान विभाग द्वारा तैयार की गई सहजन की वाटिका की प्रशंसा की और उससे प्राप्त होने वाले लाभों पर किसानों के साथ चौपाल लगाकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने किसानों की समस्या भी सुनी। दिल्ली के उपराज्यपाल ने प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जयप्रकाश तोमर, जिलाधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, केवीके अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत, जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश कुमार अरुण, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम कालः सत्यपाल सिंह सैनी

मुरादाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष का यह कार्यकाल नए भारत को एक विकसित, आत्मनिर्भर, स्वर्णिम कालखंड के रूप में प्रस्तुत करता है। इस स्वर्णिम कालखंड के लिए हम सब प्रधानमंत्री को बधाई देते हैं। यह बातें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सतपाल सिंह सैनी ने गुरुवार को मुरादाबाद प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा जिला कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहीं।

सतपाल सिंह सैनी ने इन 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार दिया। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। 11 वर्ष का यह कार्यकाल सेवा को संकल्प के रूप में, सुशासन को संस्कृति के रूप में और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यही है नया भारत, यही है विश्व का नए भारत पर विश्वास।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। पिछले 11 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के रूप में भ्रष्टाचार से मुक्त, परिवारवाद से मुक्त, तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला एक ऐसा नेतृत्व मिला है जिन्होंने पूरे भारत को विश्वास का प्रतीक बनाकर भारत को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव का निर्माण करते हुए अगले 25 वर्ष के व्यापक कार्य योजना पूरे भारतवासियों के सामने प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत में न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि सुरक्षा की मोर्चे पर, सुशासन के मोर्चे पर और आर्थिक मोर्चे पर भी एक नई पहचान बनाई है। शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अब शासन की एक नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं, बल्कि विरासत और विकास का बेहतर समन्वय करते हुए, आम जनमानस को साथ लेकर चलने की एक नई प्रवृत्ति को दुनिया के अंदर भारत को नई पहचान दिलाई है।

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ठाकुर, निमित जायसवाल, संजय ढाका, राजीव गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सिंधी पंचायतों ने शंकराचार्य के गौरक्षा आंदोलन के लिए स्वयं को किया समर्पित

देश विदेश में बसे सिंधी समाज के गोसेवा अभियान से जुड़ने संबंधी पुस्तिका का शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने किया विमोचन

वाराणसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से गुरुवार को सिंधी समाज के धर्मगुरु साईं जलकुमार मसंद साहिब ने केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में मुलाकात की। गौमाता के प्राणों की रक्षा व उनको राष्ट्रमाता घोषित कराने के लिए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चलाए जा रहे गौमाता राष्ट्रमाता प्रतिष्ठा आंदोलन को सिंधी संत ने अपना समर्थन दिया। संत के साथ आए सिंधी समाज के पंचायतों ने गौमाता आंदोलन के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। समाज के लोगों ने देश विदेश में रह रहे समस्त सिंधी समाज के लोगों को शंकराचार्य के गौरक्षा अभियान से जोड़ने का संकल्प भी लिया।

श्री विद्यामठ में आहूत सिंधी समाज के इस आयोजन के दौरान शंकराचार्य ने धर्मगुरु साईं जलकुमार मसंद साहिब द्वारा रचित गौ प्रतिष्ठा अभियान नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि आज हम लोग गौमाता के प्रतिष्ठा के संदर्भ में चिंतन कर रहे हैं। जिस प्रकार प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व व पश्चात किसी मन्दिर में उल्लेखनीय अंतर आ जाता है। ठीक उसी प्रकार गौमाता को राष्ट्रमाता के रूप में प्रतिष्ठित कराने के बाद उनके स्थिति में अंतर आ जाएगा। अलग -अलग मंदिरों में अलग -अलग देवी देवताओं के विग्रह प्रतिष्ठित हैं। लेकिन किसी भी मंदिर में 33 कोटि देवी देवता प्रतिष्ठित नही हैं। लेकिन हमारे पूर्वजों ने गौमाता में 33 कोटि देवी देवताओं की प्रतिष्ठा की। इसलिए आज भी हमारे घरों में पहली रोटी गाय को समर्पित कर यह माना जाता है कि 33 कोटि देवी देवताओं को भोग लग गया। हमें देशी नस्ल के गायों की पहचान कर अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी रक्षा करनी होगी। कार्यक्रम में श्री प्रकाश पाण्डेय ने 'नैया फंसी भंवर में सूझे नही किनारा गुरुवर तेरा सहारा' भजन सुनकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। अतिथियों का स्वागत व आभार अभिभाषण शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में साध्वी पूर्णाम्बा दीदी, ब्रम्हचारी परमात्मानंद, हासानंद बदलानी मुखिया शिव शक्ति सिंधी पंचायत, देवेंद्र डोडवानी मुखिया अशोक नगर सिंधी पंचायत, कुमार सचदेवा उपाध्यक्ष आलिवाण पंचायत, अशोक खट्टर मुखिया सिंधी पंजाबी पंचायत, सतीश छाबड़ा अध्यक्ष भारतीय सिंधु सभा एवं सचिव लक्सा सिंधी पंचायत, दिलीप ईसरानी अध्यक्ष संत बीरबल दास सेवा समिति, सुरेश वाद्यया उपाध्यक्ष भारतीय सिंधु सभा, जय लालवानी अध्यक्ष संत कंवर राम युवा समिति, सुनील वाद्यया जी उपाध्यक्ष संत असुदाराम सेवा समिति, जय प्रकाश बालानी जी कोषाध्यक्ष रेड क्रास सोसाइटी,कमल लखमानी उपाध्यक्ष रामापुरा पंचायत, झूलेलाल भक्त सेवा समिति महिला मंडल जया रत्नानी, मोनिका अठवानी, सोनी लखमानी के अलावा डॉ यतीन्द्रनाथ चतुर्वेदी आदि भी मौजूद रहे।

> धर्मगुरु साईं जलकुमार मसंद साहिब ने कहा कि हमारा पीठ 400 वर्ष से सिंधी समाज का कुलगुरु है। और हम जब शंकराचार्य महाराज को और उनके द्वारा किए जा रहे धर्मकार्यों को देखते हैं तो प्रत्यक्ष अनुभव होता है कि ईश्वर ने शंकराचार्य महाराज को अपने प्रतिनिधि के रूप में हम सबके मध्य भेजा है। महाराज जी द्वारा धर्म रक्षा के लिए अनेक कार्यों के साथ गौमाता के प्राणों की रक्षा के लिए चलाए जा रहे आंदोलन से यह बात सिद्ध भी हो जाती है। और आज संकल्पपूर्वक हम समस्त सिंधी समाज के लोग शंकराचार्य के गौरक्षा आंदोलन के प्रति स्वयं समर्पित कर रहे हैं । और आजीवन शंकराचार्य के समस्त धर्मकार्यों में बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अनिरुद्ध मिश्रा ने वैदिक मंगलाचरण और कृष्ण कुमार द्विवेदी ने पौराणिक मंगलाचरण का वाचन किया।

भारत, यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण: गोयल

स्टॉकहोम (स्वीडन)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है और दोनों पक्ष इन मुद्दों के समाधान के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को अंतिम रूप देने के ''काफी'' करीब हैं। गोयल ने यहां पत्रकारों से कहा, '' महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आधे से अधिक खंड तैयार हैं। विषय-वस्तु के संदर्भ में, मैं कहूंगा कि हम बाजार पहुंच के लिए करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं। जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दिया जाना है, वे हैं.. गैर-शुल्क बाधाएं और यूरोपीय संघ तथा भारत के बीच व्यापार को कैसे सहज, आसान व बेहतर बनाया जाए।'' उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए कारोबार को सुचारू बनाने के समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। मंत्री ने कहा,

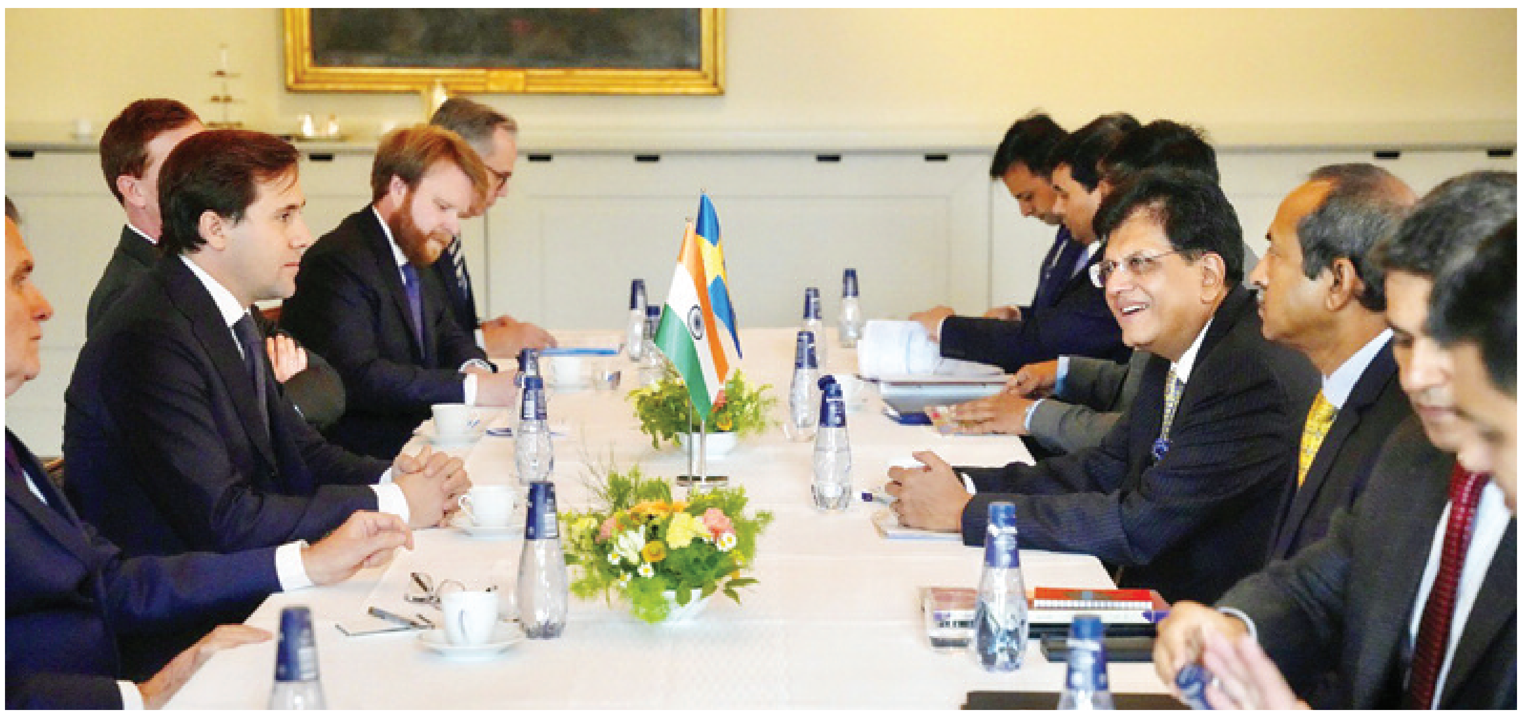

'' देश जब तक यह नहीं समझते कि व्यापार में अत्यधिक विनियमन एवं बाधाओं का जवाब, जवाबी कार्रवाई से दिया जाएगा तब तक सभी को नुकसान होगा। हम विनियमन को समाप्त करने, विनियमन की उच्च लागत, इन विनियमों के कारण उत्पन्न होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं और मुक्त व्यापार में आने वाली बाधाओं का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इस समस्या का बहुत मजबूत समाधान खोज लेंगे।'' गोयल, स्वीडन की अपनी आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। स्वीडन 27 देशों वाले यूरोपीय संघ का सदस्य है।

भारत के मिर्च, चाय, बासमती चावल, दुग्ध, मुर्गी, गोजातीय मांस, मछली, रसायन उत्पाद को यूरोपीय संघ में निर्यात के समय नियमित रूप से उच्च अवरोधों का सामना करना पड़ता है। कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) पर गोयल ने कहा कि यह उपाय '' अच्छा नहीं '' है क्योंकि यह भी एक तरह का गैर-शुल्क अवरोध है। उन्होंने कहा कि यदि यह कार्बन कर लगाया गया तो यह भारतीय उद्योग के साथ अन्याय होगा। यदि यूरोपीय संघ ऐसा कोई कदम उठाएगा तो भारत को उसका जवाब देना होगा।

गोयल ने कहा कि एफटीए वार्ता अच्छे माहौल में हो रही है और भारतीय वस्तुओं पर कार्बन कर लगाना ठीक नहीं होगा। मंत्री ने कहा, '' इस मुद्दे पर बातचीत जारी है ताकि इससे निपटने के तरीके खोजे जा सकें। इस पर कुछ अच्छे समाधान निकलेंगे।'' भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच आठ साल से अधिक समय के अंतराल के बाद जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू हुई। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में यह वार्ता रुक गई थी।

वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.4 अरब अमेरिकी डॉलर (निर्यात 75.75 अरब अमेरिकी डॉलर, आयात 60.65 अरब अमेरिकी डॉलर) था जिससे यह भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। यूरोपीय संघ का बाजार भारत के कुल निर्यात का लगभग 17 प्रतिशत है, जबकि भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल निर्यात का नौ प्रतिशत है। भारत में यूरोपीय संघ के निवेश का मूल्य 117 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियां भारत में मौजूद हैं। यूरोपीय संघ में भारत के निवेश का मूल्य करीब 40 अरब अमेरिकी डॉलर है।

भारत का माल, सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 900 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है: पीयूष गोयल

स्टॉकहोम (स्वीडन)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 में भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात के 900 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का समग्र निर्यात 2023-24 में 778 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2024-25 में 825 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गोयल ने बुधवार रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, '' हमने पिछले वित्त वर्ष निर्यात में 825 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया। वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम चालू वित्त वर्ष में निश्चित रूप से निर्यात में 900 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएंगे।''

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, स्वीडन की अपनी आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे है।

इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुमान के अनुसार, देश के समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात के 2025-26 में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

भारत विश्वसनीय साझेदारों के साथ क्यूसीओ पर पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यवस्था के लिए तैयार है: उद्योग मंत्री

स्टॉकहोम (स्वीडन)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत, अपने विश्वसनीय व्यापारिक साझेदारों के साथ गुणवत्ता मानकों से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन पर पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यवस्था के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत देश में गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) को क्रियान्वित कर रहा है। गोयल ने कहा कि घरेलू व आयातित वस्तुओं के लिए नियम, मानक तथा प्रक्रिया समान हैं और भारत घरेलू विनिर्माताओं एवं विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के बीच कोई भेदभाव नहीं करता है। उन्होंने कहा कि सभी देशों की कंपनियों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। मंत्री ने कहा, '' लेकिन निश्चित रूप से इसमें नवीन समाधान खोजने की गुंजाइश हो सकती है, ताकि अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद बनाने वाले विश्वसनीय साझेदारों के लिए ऐसे मार्ग प्राप्त करना आसान हो जाए, जिससे ऐसी स्वीकृतियां सरल हो सकें।'' उन्होंने कहा, '' हम सुझावों के लिए तैयार हैं। हम आपसी लाभ और आपसी मान्यता के आधार पर कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, बशर्ते अन्य देश भारत द्वारा निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले सामान का सम्मान करने के लिए तैयार हों और हमें अपनी प्रमाणन प्रक्रिया लागू करने की अनुमति दें। हमें अपने विश्वसनीय साझेदारों को भी ऐसा करने की अनुमति देने में खुशी होगी।'' मंत्री ने कहा कि ऐसे सभी संबंध एक-दूसरे के नियमों के प्रति आपसी सम्मान पर आधारित होंगे। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अन्य ने इन क्यूसीओ से संबंधित मुद्दे उठाए हैं। यूरोपीय संघ ने इन आदेशों के तहत सरल प्रमाणन प्रक्रियाओं की मांग की है। क्यूसीओ को घटिया माल के आयात को रोकने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। क्यूसीओ कवरेज के तहत उत्पादों की संख्या 2014 में 106 से बढ़कर अक्टूबर 2024 तक 732 से अधिक उत्पादों तक पहुंच गई है। यह कदम भारत की, घरेलू विनिर्माण मानकों को बढ़ाने तथा निम्न गुणवत्ता वाले आयातों पर अंकुश लगाने की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा विकास बड़ा बदलाव ला सकता है: डेटाब्रिक्स के सीईओ

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका)। डेटाब्रिक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक अली घोडसी ने कहा कि भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा विकास एक बड़ा बदलाव ला सकता है, जिसने देश को अधिकतर अन्य देशों से आगे रखा है। 'डेटाब्रिक्स डेटा + एआई समिट 2025' पर बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन ने घोडसी ने कहा कि भारत ऐसे समय में '' उन्नति '' कर रहा है जब कई अन्य क्षेत्रों एवं देशों में मंदी एक चिंता का विषय है। घोडसी ने भारत के बारे में 'पीटीआई-भाषा' द्वारा पूछे गए एक सवाल पर कहा, '' पिछले दशक में भारत ने व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचा खड़ा किया है जो एक बड़ा बदलाव ला सकता है। हमारे यहां या दूसरे देशों में भी ऐसा नहीं है। भारत अब दुनिया के अधिकतर दूसरे देशों की तुलना में डिजिटल बुनियादी ढांचे के मामले में आगे है।'' उन्होंने कहा, '' इससे निश्चित रूप से डेटा और कृत्रिम मेधा (एआई) में नवाचार करना बहुत आसान हो जाता है।'' घोडसी ने कहा कि डेटाब्रिक्स, एआई के क्षेत्र में नई कंपनियों के साथ-साथ ''लंबे समय से मौजूद कंपनियों'' के साथ भी साझेदारी करने के लिए बेहद उत्साहित है। अमेरिका में अप्रवासियों की स्थिति एवं कंपनी की नियुक्ति पहल पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर घोडसी ने कहा कि वह नौ देशों में रह चुके हैं और ''मुझे लगता है कि यह (अमेरिका) आज भी अप्रवासियों के आने के लिए सबसे अच्छे देशों में से एक है।'' उन्होंने बताया कि 20-30 वर्ष पहले भारत के 'आईआईटी टॉपर' के लिए करियर के अवसरों की तलाश में अमेरिका आना आम बात थी। हालांकि, पिछले पांच से 10 वर्ष में इसमें बदलाव आया है।

संक्षिप्त खबरें

वन मोबिक्विक सिस्टम्स की पात्र कर्मचारियों को 3,27,688 इसॉप देने की घोषणा

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने कंपनी के पात्र कर्मचारियों को 3,27,688 शेयर विकल्प देने (इसॉप) की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, प्रत्येक शेयर विकल्प दो रुपये अंकित मूल्य के एक पूर्ण चुकता शेयर में परिवर्तनीय है। विकल्पो का मूल्य अंकित मूल्य पर ही निर्धारित किया गया है। इसमें कहा गया, ''...कंपनी के निदेशक मंडल की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति ने एक प्रस्ताव के माध्यम से 12 जून, 2025 को कंपनी के पात्र कर्मचारियों को मोबिक्विक कर्मचारी शेयर विकल्प योजना 2014 के अंतर्गत 3,27,688 शेयर विकल्प प्रदान करने को मंजूरी दी है।'' ये विकल्प 'लॉक-इन' अवधि के अधीन नहीं होंगे और चार वर्ष में दिए जाएंगे।

स्कोडा इस साल बिक्री को दोगुना करने के लिए पुरानी कार के कारोबार का विस्तार करेगी

नई दिल्ली। चेक गणराज्य की कार विनिर्माता कंपनी स्कोडा अपने पुरानी कारों के कारोबार को बढ़ाने, सीएनजी खंड में उतरने और बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी का लक्ष्य इस साल भारतीय बाजार में बिक्री को दोगुना करना है। पिछले साल देश में करीब 36,000 कारें बेचने वाली कंपनी को उम्मीद है कि उसके एसयूवी खंड (अब एक कॉम्पैक्ट एसयूवी भी शामिल) से देश में उसकी बिक्री और बाजार हिस्सेदारी बढ़ेगी। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''हम इस साल अपनी बिक्री को दोगुना से अधिक करने की योजना बना रहे हैं। हमारी 'कॉम्पैक्ट एसयूवी' इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और हम अपने बिक्री नेटवर्क का भी विस्तार कर रहे हैं। इसके अलावा हम अपने उत्पाद मिश्रण को भी सुव्यवस्थित कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी ने पिछला साल एक प्रतिशत से कम बाजार हिस्सेदारी के साथ समाप्त किया था, जो अब घरेलू यात्री वाहन खंड में लगभग 1.8 प्रतिशत हो गई है। गुप्ता ने कहा, ''उम्मीद है कि इस साल के अंत तक यह 2.5-3 प्रतिशत की सीमा में होगी।'' उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य चालू वर्ष को देश भर में 296 टच पॉइंट्स से लगभग 350 बिक्री आउटलेट के साथ समाप्त करना है। गुप्ता ने कहा कि यात्री वाहन खंड में 11वें स्थान से कंपनी अब सातवें स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ''हम इस स्थान पर बने रहना चाहेंगे।

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह में 200 से अधिक कार विनिर्माता लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माता और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। बयान के अनुसार, उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आईईएसडब्ल्यू के 11वें संस्करण की मेजबानी करेगा। इसमें कहा गया, आईईएसडब्ल्यू 2025 में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं के आने का अनुमान है, जिससे भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के दृष्टिकोण को बल मिलेगा। भारत खुद को दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर

(ई-3डब्ल्यू) बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। उल्लेखनीय रूप से कम समय में, यह इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (ई-2डब्ल्यू) बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बन गया है। फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट्स के अनुसार, भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 22.4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि पर 2032 तक 117.78 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आयोजित होने वाले आईईएसडब्ल्यू 2025 कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, फिनलैंड, कनाडा, अमेरिका, इज़राइल और दक्षिण कोरिया के 150 से अधिक प्रमुख साझेदारों, प्रदर्शकों और 1,000 से अधिक कंपनियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। आईईएसए के अध्यक्ष देबमालया सेन ने कहा, '' एसपीएमईपीसीआई एक क्रांतिकारी कदम है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के औद्योगिक परिवर्तन के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा... आईईएसडब्ल्यू के माध्यम से हम विश्व स्तरीय नवाचारों और विदेशी निवेशों को देखेंगे जो हमारे उद्योग को आगे बढ़ाएंगे।'' आईईएसए इस आयोजन के लिए गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के साथ भी सहयोग कर रहा है।

एसईपीसी को महाराष्ट्र में 650 करोड़ रुपये की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग समाधान उपलब्ध कराने वाली एसईपीसी को महाराष्ट्र में कुल 133 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लिए 650 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि उसे महाराष्ट्र के चार जिलों में 26 स्थानों पर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कोलकाता की परमेशी ऊर्जा लि. से एक परियोजना आवंटन पत्र मिला है। बयान के अनुसार, कार्य के अंतर्गत 133 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के लिए सिविल और संरचनात्मक कार्यों सहित संयंत्र और उपकरणों का डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और उसे चालू करना शामिल है। यह परियोजना महाराष्ट्र के चार जिलों... संभाजी नगर, धुले, सोलापुर और नांदेड़ में लगायी की जाएगी। यह पीएम-कुसुम योजना का हिस्सा है।

कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड', जुलाई से होगा लागू

नई दिल्ली। कोल इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड' निर्धारित कर दिया है जिसे जुलाई से लागू किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में अपने कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस कोड' लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि जुलाई से पुरुष कर्मचारी गहरे नीले रंग की पैंट और आसमानी रंग की शर्ट पहनेंगे। वहीं महिला कर्मचारियों को हल्के आसमानी रंग का कुर्ता तथा गहरे नीले रंग की सलवार व दुपट्टा या गहरे नीले रंग के बॉर्डर वाली हल्के आसमानी रंग की साड़ी व गहरे नीले रंग का ब्लाउज पहनना होगा। सूत्र ने कहा, '' सीआईएल के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2025 को हुई अपनी बैठक में सीआईएल और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस-कोड' योजना को मंजूरी दी।'' 'ड्रेस कोड' लागू करने का मकसद सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के कर्मचारियों के बीच एकरूपता लाना है, साथ

ही इसके माध्यम से कंपनी के 'ब्रांड' को मजबूत करना है। सूत्र ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को तीन जोड़ी वर्दी के लिए 12,500 रुपये का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। एक वर्ष बाद योजना की समीक्षा की जाएगी। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का देश के कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से ज्यादा का हिस्सा है। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 2.25 लाख है। पिछले महीने कंपनी का कोयला उत्पादन 1.4 प्रतिशत घटकर 6.35 करोड़ टन रहा है, जो एक साल पहले समान महीने में 6.44 करोड़ टन था। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 87.5 करोड़ टन उत्पादन तथा 90 करोड़ टन उठाव का लक्ष्य रखा

पेनियरबाय की दो साल में पांच लाख खुदरा बिक्रेता जोड़ने की योजना

मुंबई। शाखा रहित बैंकिंग और डिजिटल नेटवर्क कंपनी पेनियरबाय अगले दो साल में पांच लाख खुदरा विक्रेताओं को जोड़कर अपनी पैठ का विस्तार कर इसे राष्ट्रीय स्तर पर लाने की योजना बना रही है। पेनियरबाय के संस्थापक, प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आनंद कुमार बजाज ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी अगले चरण की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मार्च, 2026 तक अतिरिक्त 300 से 400 लोगों को नियुक्त करने की भी योजना बना रही है। पिछले वित्त वर्ष के अंत यानी 31 मार्च, 2025 तक कंपनी में 850 से अधिक लोग कार्यरत थे। बजाज ने कहा, ''कंपनी मंच क्षमताओं को मजबूत करने, पहुंच का विस्तार करने और यूपीआई-आधारित स्वीकार्यता में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उसका लक्ष्य पूरे भारत में 50 करोड़ उपयोगकर्ताओं को शामिल करना है।''

कंपनी के सीईओ ने कहा कि पेनियरबाय अगले दो वर्षों में पांच लाख खुदरा विक्रेताओं को जोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पैठ का और विस्तार करने की योजना बना रही है। बजाज ने कहा, ''हमारी वृद्धि योजना भारत भर में अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने पर केंद्रित है। अपने अगले चरण में, हमारा लक्ष्य देश में तीसरा सबसे बड़ा एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) मंच बनना है।'' पेनियरबाय ने अगले तीन साल में पांच से छह करोड़ डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है।

यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर शुल्क नहीं लिया जाएगा: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) मंच के जरिये लेनदेन पर कोई 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) नहीं लेने की जानकारी दी है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, '' यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर वसूले जाने की अटकलें और दावे पूरी तरह से झूठे, निराधार एवं भ्रामक हैं। इस तरह की निराधार और सनसनी फैलाने वाली अटकलें हमारे नागरिकों के बीच अनावश्यक अनिश्चितता, भय व संदेह उत्पन्न करती हैं।

सरकार यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'' एमडीआर वह लागत है जो व्यापारी द्वारा बैंक को अपने ग्राहकों से डिजिटल माध्यम से भुगतान स्वीकार करने के लिए चुकाई जाती है। व्यापारी छूट दर लेनदेन राशि के प्रतिशत में व्यक्त की जाती है। मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि सरकार बड़े यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने की योजना बना रही है। इस बीच,

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में यूपीआई के माध्यम से लेनदेन 25.14 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले महीने की तुलना में पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अप्रैल में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 23.94 लाख करोड़ रुपये था।

मात्रा के संदर्भ में, मई में 1,867.7 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि पिछले महीने 1,789.3 करोड़ लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई ने कहा कि मई में लेनदेन का मूल्य एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 20.44 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है।

इंडिपेंडेंट शुगर ने HNGIL के लिए 2,752 करोड़ रुपये का संशोधित प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। इंडिपेंडेंट शुगर कॉरपोरेशन (इन्सको) ने कांच की बोतल बनाने वाली कंपनी एचएनजीआईएल के अधिग्रहण के लिए उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुरूप 2,752 करोड़ रुपये की व्यापक संशोधित कर्ज समाधान योजना पेश की है। सूत्रों ने कहा कि 'हिंदुस्तान नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड' के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) इस संशोधित प्रस्ताव पर विचार कर सकती है और इस पर जल्द ही मतदान होने की संभावना है। कई देशों में परिचालन करने वाली माधवानी समूह द्वारा प्रवर्तित कंपनी इन्सको ने आठ जून को एक संशोधित समाधान योजना पेश की है। इसमें 2,200 करोड़ रुपये की अग्रिम नकदी और लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी सहित 2,752 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। यह प्रस्ताव एजीआई ग्रीनपैक द्वारा पहले की गई पेशकश से मेल खाने के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद आया है। शीर्ष अदालत के आदेश के मुताबिक, अनुमोदन के लिए केवल इन्सको की योजना पर विचार किया जाएगा जिसमें मतदान सहित संपूर्ण समाधान प्रक्रिया जुलाई, 2025 तक पूरी की जाएगी। इन्सको की योजना में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मंजूरी के 30 दिन के भीतर पूरे 2,200 करोड़ रुपये के नकद घटक का भुगतान करने के साथ 90 दिन के भीतर सीओसी सदस्यों को कार्यशील पूंजी और इक्विटी जारी करने का मसौदा रखा गया है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि सीओसी के कुछ सदस्यों ने प्रस्ताव की व्यवहार्यता और पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

संक्षिप्त खबरें

महिला से 3.5 लाख के जेवर ले उड़े टप्पेबाज, पुलिस जांच में जुटी

ग्रेटर नोएडा। मदद के नाम पर भरोसा करना एक महिला को भारी पड़ गया, जब दो शातिर टप्पेबाजों ने उसे झांसे में लेकर उसके करीब 3.5 लाख रुपये मूल्य के जेवरात ठग लिए। यह घटना बीटा-2 क्षेत्र के एवरग्रीन चौराहे पर उस समय हुई जब महिला पास ही चाय देने जा रही थीं। घटना 10 जून की सुबह की है। पीड़िता अल्फा-2 सेक्टर की रहने वाली हैं। उन्होंने थाने में दी शिकायत में बताया कि एक अजनबी ने खुद को गाजियाबाद का निवासी बताते हुए मदद मांगी। उसके तुरंत बाद दूसरा व्यक्ति भी वहां आ पहुंचा और दोनों ने महिला को एक पैकेट और कीमती सामान रुमाल में बांधकर अपने पास सुरक्षित रखने को कहा। महिला ने भरोसा कर अपने सोने की चेन, कान के कुंडल, हीरे व सोने की अंगूठियां – कुल मिलाकर करीब 3.5 लाख रुपये के जेवर – रुमाल में बांध दिए। लेकिन चालाकी से टप्पेबाजों ने रुमाल बदल दिया और जेवर लेकर फरार हो गए। महिला को घर पहुंचकर जब सच्चाई का पता चला, तो उनके होश उड़ गए – रुमाल में नकली नोट और रद्दी कागज थे। बीटा-2 थाना प्रभारी के मुताबिक, मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। चश्मदीदों से पूछताछ जारी है और टप्पेबाजों की तलाश में टीमें भी लगाया गया है। यह घटना आम लोगों के लिए भी एक बड़ा सबक है कि अजनबियों की भावनात्मक बातों में आकर कीमती सामान सौंपना भारी नुकसान में बदल सकता है। सतर्क रहना ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

ग्रेटर नोएडा में दो घरों में चोरी, बच्चों के साथ ससुराल गए शख्स के घर से लाखों का माल चोरी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र में दो घरों में चोरों ने धावा बोलकर लाखों रुपए की नकदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पहली घटना उस समय हुई जब एक शख्स अपने परिवार सहित ससुराल गया था। वहीं दूसरी घटना में शख्स अपने घर में रात को सो रहा था, लेकिन इसके बावजूद चोरी हो गई। दोनों पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि विकास चौहान पुत्र मंगल चौहान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली के संगम विहार स्थित ससुराल गया था। जब वह वापस लौटा तो पाया कि अज्ञात चोरों ने उनके घर से लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिए। इसी तरह, चंद्रशेखर पुत्र स्वर्गीय धर्मवीर, जो चमरौली रामगढ़ गांव के निवासी हैं, ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि रात में उनकी मां, बहन और छोटा भाई घर में सो रहे थे, जबकि वे अपनी पत्नी के साथ बाहर थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर में धावा बोलकर लगभग 17 लाख 50 हजार रुपए नकद, सोने का सेट, चांदी का सेट, चार सोने की अंगूठियां, दो मंगलसूत्र और मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पीड़ित के अनुसार यह सामान घर में होने वाली शादी के लिए रखा गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है और जल्द ही चोरों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

नोएडा में 3 बच्चों की मां लापता: पति ड्यूटी पर था, महिला घर से गायब; पुलिस ने दर्ज किया केस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की गुमशुदगी का मामला सामने आया है। सलारपुर गांव से 36 वर्षीय महिला 13 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला के पति ने बताया कि वह ड्यूटी पर गए हुए थे। जब वह घर लौटे तो उनके बच्चों ने बताया कि उनकी मां घर से चली गई है। एक महीने से परिवार महिला की तलाश कर रहा है। कोई सुराग नहीं मिलने पर पति ने गुरुवार को दनकौर कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही लापता महिला का पता लगा लिया जाएगा। महिला के तीन बच्चे हैं, जो अब पिता की देखरेख में हैं।

नोएडा में रिश्तेदार बनकर अज्ञात शख्स ने तीन घरों में की चोरी, बच्चों को बनाया शिकार

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को रिश्तेदार और परिचित बताकर तीन अलग-अलग घरों में बच्चों को झांसे में लेकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। तीनों ही मामलों में माता-पिता के काम पर होने के दौरान घर में अकेले बच्चों को निशाना बनाया गया। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि सुनीता नामक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके घर पर एक अज्ञात व्यक्ति आया और उनकी बेटी अनन्या को खुद को जान-पहचान का बताते हुए बातों में उलझा लिया। आरोपी ने अनन्या को मिठाई लाने के लिए पैसे देकर बाहर भेजा और इस दौरान घर से लाखों रुपये के जेवरात और 11 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गया। दूसरे मामले में ओमप्रकाश शाह ने शिकायत दर्ज कराई कि 10 जून को जब वह बाहर थे, तब उनका छोटा बेटा आदित्य कुमार घर पर अकेला था। उसी समय वही अज्ञात व्यक्ति उनके घर पहुंचा और आदित्य को भी झांसे में लेकर घर से कीमती गहने चुरा ले गया। तीसरे मामले में महादेव कुमार के घर पर आरोपी ने उनकी बेटी अंशु को टारगेट किया और उससे बातचीत करते हुए सोने के टॉप्स और 4 हजार रुपये नकद चुरा लिए। प्रभारी निरीक्षक के अनुसार, तीनों मामलों में चोरी की एक जैसी शैली से अंदेशा है कि एक ही व्यक्ति ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने सभी शिकायतों पर केस दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिए जाने की उम्मीद है।

मोदी सरकार में देश की अर्थव्यवस्था व सैन्य ताकत हुई मजबूत : मंत्री सिंह

नोएडा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जनपद गौतमबुद्ध नगर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं कार्यक्रमों के तहत गुरुवार को ग्रेटर नोएडा में भाजपा के जिला कार्यालय पर केन्द्र की भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास संबंधी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन लोक निर्माण राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में भाजपा नेताओं द्वारा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता में मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में देश सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को बेहतर करने के साथ देश को वैश्विक स्तर पर नये आयाम देने की भावना रही है। इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सीमाएं मजबूत और सुरक्षित हुई है। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। देश में विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और नई-नई टैक्निलॉजी को जन-जन तक पहुंचाना और विश्व स्तरीय सड़कें, यूनिवर्सिटी-कॉलेज, हॉस्पिटल, नये-नये उद्योगों के साथ विदेशी निवेश बढ़ा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आज पूरी पारदर्शिता के साथ देश में विकास संबंधी काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में ऊपर से चला एक रुपया जनता तक 25 पैसे रह जाता था और आज एक-एक रुपया सीधे जनता के पास पहुंच रहा है। एक सवाल के जवाब में मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले का बदला आप्रेशन सिंदूर के जरिए स्वदेशी तकनीक के सैन्य उपकरणों से पाकिस्तान को जवाब देने का काम देश की सरकार और सेना ने किया। प्रेस वार्ता में डा. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। देश में ऐतिहासिक कार्य जम्मू-कश्मीर से धारा 370, राम मंदिर का निर्माण, काशी कॉरिडोर, तीन तलाक, सीएए वक्फ बोर्ड कानून अधिनियम आदि के तहत लागू किया और आज देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

देश की आजादी को 2047 में सौ वर्ष पूर्ण हो रहे होंगे और भारत विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प को साकार करेगा। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट बने थे और आज देश में 160 एयरपोर्ट हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश का गरीब शख्स भी हवाई जहाज की यात्रा करें। जेवर एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन कर लगभग दो महीनों में उड़ान भरेगा चालू हो जाएगा। यह सब मोदी एवं योगी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, देवा भाटी, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, मनोज गर्ग, सतेन्द्र नागर, वीरेंद्र भाटी, विकास चौधरी, सत्यपाल शर्मा, सुशील भाटी, सतपाल तालान, धर्मेन्द्र भाटी, सुनील भाटी सहित अन्य उपस्थित रहे।

ग्रेनो के खुले सेप्टिक टैंक में डूबने से 3 साल के बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां दनकौर कस्बे के धनौरी रोड पर एक खुले सेप्टिक टैंक में तीन साल का बच्चा डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। मामले में स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है। वहीं परिवार वालों की तरफ से पुलिस में कोई शिकायत नहीं दी गई है। दनकौर कस्बे के धनौरी रोड पर एक पड़ोसी के सेप्टिक टैंक में डूबने से 3 वर्ष के बच्चे की मौत हो गई। आरोप है कि पिछले काफी महीने से सेप्टिक टैंक खुला हुआ था। लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों की ओर से अभी कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर मामले में जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक की पहचान मुस्तकीम के बेटे तैमूर के रूप में हुई है। कस्बा निवासी मुस्तकीम का 3 वर्ष का बेटा तैमूर बुधवार की शाम घर से खेलते हुए अचानक गायब हो गया। करीब 2 घंटे तक परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। इसके कुछ देर बाद परिवार के लोग उसको तलाशते हुए पड़ोस के एक व्यक्ति के निर्माणाधीन मकान में पहुंचे। जहां उन्होंने देखा की सेप्टिक टैंक के पानी में उनका बच्चा पड़ा हुआ है। बच्चे को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि सेप्टिक टैंक खुले होने की वजह से ही उसमें डूबने से ही बच्चे की मौत हुई है। बच्चों के परिजनों का आरोप है कि पिछले काफी महीनों से सेप्टिक टैंक खुला हुआ था, जिसमें करीब 7 फीट पानी भी भरा हुआ है। इसके बावजूद भी मकान के मालिक ने उसको ऊपर से कवर नहीं किया था, जिसकी वजह से ही उनके बच्चे की उसमें डूबने से मौत हुई है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बनेंगे दो अंडरपास

18 महीनों में पूरा किया जाएगा अंडरपास निर्माण का काम, कई सेक्टरों और गांवों तक होगी सहूलियत

ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर दो अंडरपास बनने वाले हैं। इन्हें बनाने के लिए 15 एजेंसियां सामने आई हैं। संबंधित एजेंसियों के दस्तावेज जांचे जा रहे हैं। एक सप्ताह बाद इन 15 एजेंसियों की फाइनेंशियल बिड खोली जाएगी। जो कंपनी सबसे कम बजट में ये अंडरपास बनाने के लिए हामी भरेगी, उसे काम की जिम्मेदारी दी जाएगी।

ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-128 सुल्तानपुर और सेक्टर-168 झट्टा गांव के सामने अंडरपास बनने वाला है। सुल्तानपुर गांव के सामने सेक्टर-128, 129, 132 और सेक्टर-108 के बीच इस अंडरपास बनाया जाएगा। इस अंडरपास को बनाने में लगभग 81 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत लगने का अनुमान है।

इस अंडरपास को बनाने के लिए 7 एजेंसियां सामने आई हैं। दूसरा अंडरपास झट्टा गांव के सामने बनने वाला है। ये अंडरपास सेक्टर-145, 146, 155, 159 और सेक्टर-168 के बीच बनाया जाएगा। इस अंडरपास को बनाने में 99 करोड़ 74 लाख रुपए की लागत लगने का अनुमान है। इस अंडरपास को बनाने के लिए 8 एजेंसियां सामने आई हैं। अगर इसी टेंडर प्रक्रिया के तहत एजेंसी का चयन कर उन्हें काम सौंप दिया जाता है, तो अगस्त से दोनों अंडरपास का काम शुरू हो सकता है।

नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि दोनों अंडरपास को बनाने के लिए 18 महीने की समय सीमा तय की गई है। इन दोनों अंडरपास को डायाफ्राम तकनीक पर बनाया जाएगा। इसके तहत खुदाई से पहले डायाफ्राम दीवार बनाई जाएगी। इसके बाद दो तरफ दीवार बनाकर उसके ऊपर अंडरपास की छत डाली जाएगी। इसे सूखने और मजबूत होने में लगभग 26 दिन का समय लगेगा। इसके बाद सड़क बनाकर ट्रैफिक खोल दिया जाएगा।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान तोड़ा दम

ग्रेटर नोएडा। गुरुवार सुबह सूरजपुर थाना क्षेत्र की 130 फुटा रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 46 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दादरी निवासी नेपाल (पुत्र जगदीश) के रूप में हुई है। वह नोएडा के सेक्टर-63 स्थित एक निजी कंपनी में काम करते थे और रोज की तरह गुरुवार सुबह भी बाइक से कंपनी के लिए निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब नेपाल 130 फुटा रोड पर पहुंचे तो एक अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार और लापरवाही से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना सूरजपुर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात वाहन चालक की तलाश जारी है।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। नेपाल की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी वाहन चालक को पकड़ने का भरोसा दिलाया है।

यूपी टी-20 लीग के मैदान पर उतरेंगे जिले के तीन क्रिक्टर

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के तीन क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार, ध्रुव जुरैल, शिवम मावी को यूपी टी-20 लीग की अलग-अलग फ्रेंचाइजी ने रिटेन किया है। प्रदेश की सबसे बड़ी लीग अपने तीसरे सीजन के लिए तैयार है। 18 जून को लखनऊ में लीग को लेकर मिनी ऑक्शन होने जा रहा है। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। उससे पहले खिलाड़ियों को रिटेन करने लगी हैं। लीग में ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स सोसाइटी निवासी भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी करते दिखेंगे। वह लखनऊ फॉल्कंस की ओर से खेलते नजर आएंगे। नोएडा व ग्रेटर नोएडा निवासी ध्रुव जुरैल गोरखपुर लायंस और शिवम मावी काशी रुद्र टीम का हिस्सा होंगे। लीग की शुरुआत लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगी और समापन कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में हो सकता है। 19 दिन तक चलने वाली लीग में कुल 34 मुकाबले होंगे। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल सीजन-18 में कमाल की गेंदबाजी कर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) को जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में 38 रन देकर दो विकेट लिए थे। ऐसे में प्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों को उनसे यूपी टी-20 लीग में भी आईपीएल जैसे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पिछले संस्करण में भुवनेश्वर कुमार को लखनऊ फाल्कन्स ने 30.25 लाख रुपये में खरीदा था। इस बार भी टीम में रिटेन किया है।

आरसी पर वसूली नहीं होने पर डीएम से जवाब तलब

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय के मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी की अदालत ने रिकवरी सर्टिफिकेट पर वसूली नहीं होने पर जिलाधिकारी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। सड़क दुर्घटना में कार चालक पर जुर्माना लगाया गया था। कोर्ट ने आरसी जारी कर वसूली कर रिपोर्ट मांगी है। जो 23 जून को होने वाली अगली सुनवाई पर देनी होगी। 2013 में दादरी कोतवाली क्षेत्र में नंगला गांव में कार चालक ने बच्ची को टक्कर मार दी थी। इसमें बच्ची की मौत हो गई थी।

नोएडा में बिजली की मांग बढ़ी, ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए लगाए गए वाटर कूलर

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा-एनसीआर में गर्मी का प्रकोप बढ़ने से बिजली की मांग में तेज वृद्धि हुई है। लोग गर्मी से राहत पाने के लिए बिजली के उपकरणों का अधिक उपयोग कर रहे हैं। इससे ट्रांसफार्मर तेजी से गर्म हो रहे हैं। बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए वाटर कूलर लगाए हैं। ट्रांसफार्मर का तापमान 60 से 70 डिग्री से अधिक न हो, इसके लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा है। दादरी के बिद्युत केंद्र में भी ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने की व्यवस्था की गई है।

सुपरिटेंडेंट इंजीनियर रितेश आनंद के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बिजली की मांग 31,000 मेगावॉट तक पहुंच गई है। दादरी में भी मांग में वृद्धि हुई है। कई स्थानों पर ओवरलोडिंग की समस्या आ रही है। पावर ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड हो रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए फीडरों को बारी-बारी से रोस्टिंग के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। रितेश आनंद बताते है कि गर्मी में बिजली की समस्या को दूर करने के लिए हम लोगों ने काफी काम भी कराया है। बिजनेस प्लान के तहत दादरी डिवीजन के जो 65 गांव हैं, उन 65 गांव में सभी जगह लगभग डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की गई है। जो मांग बढ़ी थी। उस मांग को पूरा करने के लिए क्षमता बढ़ाई गई है, लगभग ये लगभग हमारे दादरी में करीब 80 ट्रांसफार्मर के आसपास की क्षमता वृद्धि हुई है। साथ ही साथ पावर ट्रांसफार्मर जो सबस्टेशन के पावर ट्रांसफार्मर की एक साल के अंदर चार पावर ट्रांसफार्मर की भी संख्या कैपेसिटी बढ़ाई गई है।

बच्चों के हक की लड़ाई में बनें साथी, POCSO एक्ट के तहत मांगे गए आवेदन

गौतम बुद्ध नगर। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO) 2012 तथा इससे संबंधित नियमावली 2020 के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा "सहायक व्यक्तियों" की सूची तैयार की जा रही है। इस संबंध में जिला प्रोबेशन अधिकारी, गौतम बुद्ध नगर ने जानकारी देते हुए बताया कि पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सहायक व्यक्ति के रूप में सूचीबद्ध होने के लिए आवेदक की आयु 21 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही, आवेदक भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री प्राप्त कर चुका हो तथा उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी जिला प्रोबेशन कार्यालय, प्रथम तल, पुरानी

कोर्ट, फेस-2, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में अपने आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवार किसी भी कार्य दिवस में जिला प्रोबेशन कार्यालय पहुंचकर आवेदन प्रक्रिया व पात्रता संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन का उद्देश्य लैंगिक अपराधों से प्रभावित बालकों को न्याय प्रक्रिया में सहायता पहुंचाने हेतु जिम्मेदार और संवेदनशील व्यक्तियों को चिन्हित करना है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कर इस संवेदनशील कार्य में सहभागी बनें।

नोएडा में बीपीसीएल के रिटायर्ड मुख्य महाप्रबंधक से कोरियर कंपनी ने की ठगी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक पवन कुमार के साथ कोरियर कंपनी के एक एजेंट ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया। पवन कुमार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने लंदन में रहने वाले अपने बेटे को घरेलू सामान भेजने के लिए डीटीडीसी कोरियर कंपनी से संपर्क किया था, लेकिन कोरियर प्रतिनिधि ने 30,267 रुपये की ठगी कर ली और सामान भी नहीं भेजा। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित पवन कुमार सेक्टर-107 की सनवर्ल्ड वनालिका सोसायटी में रहते हैं और बीपीसीएल से मुख्य महाप्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2025 को पवन कुमार को कुछ घरेलू सामान लंदन में अपने बेटे के पास भेजना था। इस सिलसिले में उन्होंने डीटीडीसी कोरियर कंपनी से संपर्क किया। पीड़ित के अनुसार, डीटीडीसी से वेद शर्मा नामक एक व्यक्ति ने संपर्क किया और खुद को कंपनी के नोएडा सेक्टर-7 स्थित ब्रांच का कर्मचारी बताया। वेद शर्मा ने अपने कुछ लोगों को भेजकर सामान की पैकिंग करवाई और पवन कुमार से कहा कि भुगतान करने पर उन्हें ट्रैकिंग नंबर दे दिया जाएगा। पीड़ित ने डिजिटल तरीके से 30,267 रुपये का भुगतान कर दिया, जिसकी रसीद भी उन्हें दी गई। चार दिन बीतने के बाद भी जब लंदन में उनका सामान नहीं पहुंचा, तो पवन कुमार ने वेद शर्मा से संपर्क किया। बार-बार कॉल करने पर भी न तो उन्हें ट्रैकिंग नंबर मिला, न ही कोई संतोषजनक जवाब। आरोप है कि जब उन्होंने शिकायत की, तो वेद शर्मा ने बदतमीजी की और धमकाने लगा। बाद में जब पवन कुमार डीटीडीसी कोरियर के नोएडा ऑफिस पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि वेद शर्मा वास्तव में कंपनी का अधिकृत कर्मचारी नहीं है।

ग्रेनो की सड़कों पर गंदगी मिली तो प्राधिकरण सख्त, एंटनी वेस्ट कंपनी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना

महाप्रबंधक ने दिए सड़कों की तत्काल सफाई के निर्देश, नियमित निरीक्षण अभियान रहेगा जारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर की सड़कों पर सफाई में लापरवाही बरतने पर सख्त रुख अपनाते हुए सफाई का जिम्मा संभाल रही एजेंसी एंटनी वेस्ट हैंडलिंग कंपनी पर ₹50 हजार का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बुधवार को महाप्रबंधक (स्वास्थ्य) आरके भारती और वरिष्ठ प्रबंधक चरण सिंह द्वारा अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा सेक्टरों के मुख्य मार्गों, 130 मीटर रोड और डीएससी मार्ग के निरीक्षण के दौरान गंदगी पाए जाने पर की गई। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे धूल, कूड़ा और पत्तों का ढेर मिला, जिससे दोनों अधिकारियों ने नाराजगी जताई।

उन्होंने संबंधित एजेंसी पर जुर्माना लगाते हुए आदेश दिया कि इसकी कटौती ठेकेदार को दिए जाने वाले अग्रिम भुगतान से की जाएगी। महाप्रबंधक आरके भारती ने कंपनी को निर्देशित किया कि वह

सड़कों की नियमित मैकेनिकल स्वीपिंग कराए और सड़क किनारे फैले कचरे को तुरंत हटवाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार की लापरवाही भविष्य में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्राधिकरण की ओर से कहा गया है कि सड़कों की सफाई को लेकर नियमित निरीक्षण अभियान जारी रहेगा, ताकि शहरवासियों को स्वच्छ और धूलमुक्त वातावरण मिल सके।

राशा थडानी के साथ केमिस्ट्री पर बोले अभय वर्मा

'जोड़ी के बारे में अभी कहना जल्दबाजी होगा'

मुंबई। हॉरर फिल्म 'मुंज्या' फेम एक्टर अभय वर्मा अब जल्द ही फैंटम फिल्म्स की अगली फिल्म 'लाइकी लाइका' में नजर आएंगे। बता दें कि वह फैंटम फिल्म्स के साथ दोबारा काम कर रहे हैं, इससे पहले उन्होंने बतौर जूनियर कलाकार ऋतिक रोशन की फिल्म 'सुपर 30' में काम किया था। अभय ने अपनी कहानी बताते हुए कहा, "मेरी जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया है। जब मैं एक जूनियर कलाकार था, तब मैं 'सुपर 30' में ऋतिक सर को एक्टिंग करते हुए देखता था। अब मैं उम्मीद करता हूं कि मेरी फिल्म 'लाइकी लाइका' से मैं किसी के लिए ऐसी वजह बन सकूं, जिससे वह अपने सपने के और करीब महसूस करें।" अभय हरियाणा के पानीपत से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने आगे कहा, "मैं उम्मीद करता हूं कि मेरी यह यात्रा उन सभी युवा कलाकारों के सवालों का जवाब बने, जो सोचते हैं कि क्या उनके सपने सच होंगे या नहीं, या क्या उन्हें इंडस्ट्री में जगह मिलेगी या नहीं। अगर मेरा सफर उन सभी कलाकारों के लिए जवाब बन जाए, तो मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत समझूंगा।" फिल्म के बारे में बात करते हुए अभय ने कहा, "लाइकी और लाइका एक ऐसी कहानी है जिसमें दो लोग एक अलग दुनिया में फंस जाते हैं।" उन्होंने खुलासा किया कि 'लाइकी लाइका' में फैंस के लिए कई सारे सरप्राइज होंगे। अभय फिल्म में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी के साथ नजर आएंगे। जब उनसे उनकी केमिस्ट्री के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि जोड़ी के बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। अभय ने कहा, "अभी कुछ भी कहने के लिए बहुत जल्दी है, लेकिन हम चाहते हैं कि लोग हमारी कहानी देखकर कुछ महसूस करें। यह कहानी दो लोगों के बारे में है जो एक अलग दुनिया में फंस जाते हैं।" अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर अभय ने बताया कि 'लाइकी लाइका' के अलावा, उनके पास सिद्धार्थ आनंद की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' है। इसमें वह शाहरुख खान के साथ काम करेंगे। इसके साथ ही वह सुजात सौदागर की फिल्म 'जेसी' पर भी काम कर रहे हैं।

सितारे जमीन पर को लेकर चिंतित हैं आमिर खान

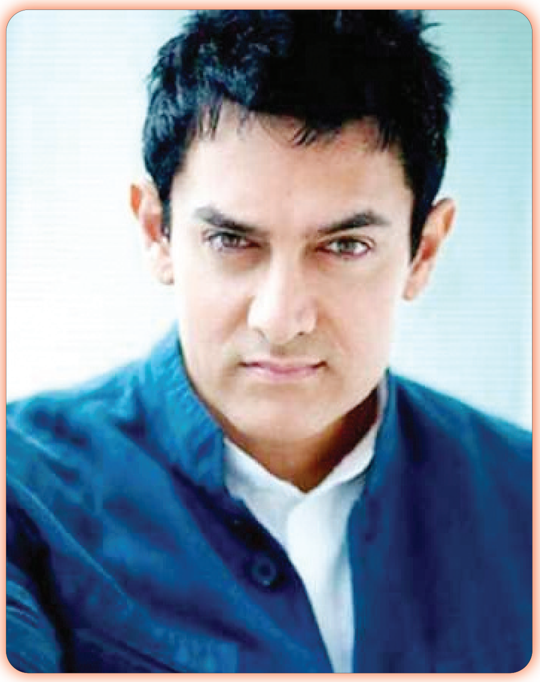

मुंबई। बालीवुड अभिनेता आमिर खान की अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर की सफलता को लेकर थोड़े चिंतित नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। आमिर ने माना कि भले ही फिल्म की कहानी उन्हें बेहद पसंद है, लेकिन मौजूदा दौर में दर्शकों की प्राथमिकताओं को देखकर उन्हें इसकी बॉक्स ऑफिस पर सफलता को लेकर संदेह है। एक खास बातचीत में आमिर खान ने कहा कि यह एक कॉमेडी फिल्म है, लेकिन फिलहाल दर्शकों की रुचि एक्शन फिल्मों में अधिक है। उन्होंने कहा, "आज जब मैं फिल्म को देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं उससे खुश हूं। जो कहानी हम कहना चाहते थे, वो हमने बना ली है। लेकिन क्या ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काम करेगी? इसका मुझे कोई आइडिया नहीं है।"आमिर ने अपने करियर के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी कई फिल्में ऐसे समय पर रिलीज हुईं जब उस शैली की फिल्में दर्शकों को आकर्षित नहीं कर रही थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, "जब गजनी रिलीज हुई थी, वो एक एक्शन फिल्म थी, लेकिन उस वक्त दर्शक एक्शन में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे। अब मेरी नई फिल्म एक भावनात्मक कॉमेडी है, लेकिन अब सब एक्शन फिल्में देखना चाहते हैं।" मुझे डर है कि कहीं मेरी फिल्म उस ट्रेंड से बाहर ना हो जाए।" हालांकि आमिर खान को उम्मीद है कि सितारे जमीन पर की भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी दर्शकों के दिल को छू सकेगी। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि ये एक बहुत ही खूबसूरत और दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो लोगों से गहराई से जुड़ेगी। यही मेरी सबसे बड़ी उम्मीद है।" उन्होंने चिंता जताई कि उनकी फिल्मों की टाइमिंग अक्सर विपरीत ट्रेंड के साथ टकरा जाती है। आमिर ने कहा, "जब मेरी कॉमेडी फिल्म आती है, तब एक्शन फिल्में चलती हैं। पिछले एक साल की लगभग 12 फिल्में एक्शन बेस्ड थीं और सबने शानदार प्रदर्शन किया है।

जिस फिल्म में हिरोइन गिर जाती है, वह हिट हो जाती है: फराह खान

मुंबई। बॉलीवुड की कोरियोग्राफर फराह खान और सान्या मल्होत्रा की बातचीत में एक दिलचस्प किस्सा पेश आया जब फराह की नजर सान्या के पैर पर एक निशान पड़ी तो उन्होंने सान्या से पूछा तो सान्या ने बताया कि यह निशान विशाल भारद्वाज की फिल्म पटाखा की शूटिंग के दौरान हुए बाइक एक्सीडेंट का है। इसके बाद सान्या को बधाई हो की शूटिंग का भी एक मजेदार किस्सा याद आया, जब सेट पर फर्श ज्यादा चमकदार नहीं लग रहा था तो उस पर तेल से पोछा लगवाया गया। सान्या ने उसी फर्श पर मोरनी बनके गाने पर डांस किया और फिसल कर गिर गईं थीं। इस पर फराह खान ने हंसते हुए कहा कि जिस फिल्म में हिरोइन गिर जाती है, वह हिट हो जाती है। सान्या ने जवाब में कहा कि वह तो करीब हर फिल्म में गिरती हैं। इस पर फराह ने चुटकी ली तो यही है तुम्हारी सफलता का राज। उन्होंने आगे मजेदार किस्से सुनाते हुए बताया कि काजोल भी हर फिल्म में गिरती थीं।

पैपराजी की हरकतों पर भड़कीं काजोल

मुंबई। सेलिब्रिटीज अक्सर इस बारे में बोलते रहे हैं कि कैसे पैपराज़ी अपनी हदें पार कर जाते हैं। अब काजोल ने भी इस विषय पर अपनी राय रखी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलकर कहा कि जब फोटोग्राफर्स उनकी निजी ज़िंदगी का सम्मान नहीं करते, तो उन्हें कितना असहज महसूस होता है। उन्होंने खास तौर पर अंतिम संस्कार और निजी पलों के बारे में बात की है। उनका कहना है कि यह बहुत परेशान करने वाला है कि उनका लगातार पीछा किया जाता है। काजोल से जब पूछा गया कि वह पैपराज़ी में क्या बदलाव देखना चाहती हैं, तो काजोल ने बातचीत में कहा, 'मैं पैपराज़ी को लेकर थोड़ी एक्टिव रहती हूं। मुझे लगता है कि कुछ जगहें ऐसी हैं, जहां उन्हें नहीं होना चाहिए। जैसे, जब वे किसी के अंतिम संस्कार में एक्टर्स के पीछे भागते हैं और फोटो मांगते हैं, तो मुझे यह बहुत अजीब लगता है। मुझे यह अपमानजनक और अजीब लगता है। मुझे यह भी अजीब लगता है कि आप खाना खाने भी नहीं जा सकते।' अपनी बात को आगे रखते हुए उन्होंने ये भी कहा कि पीछा किया जाना कितना परेशान करने वाला होता है। जुहू से बांद्रा तक कुछ किलोमीटर तक वो आपका पीछा करते हैं और देखते हैं कि मैं कहां जा रही हूं और किस बिल्डिंग में जा रही हूं, मुझे ये बहुत परेशान करने वाला लगता है। काजोल अकेली नहीं हैं जो ऐसा महसूस करती हैं। आलिया भट्ट पैपराज़ी को फटकार लगाई थी। एक्टर राणा दग्गुबाती की भी एयरपोर्ट पर फोटोग्राफर्स से बहस हो गई थी, जब उनमें से एक गलती से उनसे टकरा गया था। काजोल एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार वह पहले कभी न देखे गए अवतार में हैं। काजोल विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित पौराणिक हॉरर फिल्म 'माँ' में नज़र आएंगी।

वर्कलोड के साथ भी रहें सेहतमंद

लंबे-लंबे काम के घंटे, घंटों बैठकर या खड़े रहकर काम करने की मजबूरी, काम की अधिकता, खाने का अनिश्चित समय इन सबके बीच एक सेहतमंद रह पाने की कल्पना कर पाना भी शायद मुश्किल है। लेकिन क्या आपको पता है कि छोटे-छोटे प्रयासों और बदलावों के जरिए आप वर्कलोड के साथ भी अपनी सेहत को बरकरार रख सकते हैं। डेस्क पर काम करने वाले या नाइट ड्यूटी करने वाले लोग अक्सर यह शिकायत करते हुए मिल जाते हैं कि उन्हें अपनी फिटनेस पर ध्यान देने का वक्त नहीं मिल पाता। इन सबके बीच लोग सेहत की अनदेखी करते हैं और कई तरह की समस्याओं से घिरे रहते हैं। इस स्थिति को बदल पाना तो थोड़ा मुश्किल है लेकिन कैसा हो यदि इस स्थिति में रहते हुए भी फिट रहने के सरल रास्ते निकाल लिए जाएं।

डेस्क पर बैठे-बैठे...

कॉफी की जगह ग्रीन टी:-

दफ्तर में आपने चाय या कॉफी का जो भी समय तय कर रखा है तो उस समय कैफीन के डोज का ताजगी देने वाली ग्रीन टी से रिप्लेस कर देना सेहतमंद विकल्प होगा। ग्रीन टी में ईजीसीजी नामक केमिकल होता है, जो कोल्ड की स्थिति में मददगार होता है। यह कैलोरी और कैफीन फ्री होती है इसलिए इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और बॉडी फैट को कम करने में मदद मिलती है।

हेल्दी स्नैक्स:-

भोजन करने के कुछ समय बाद स्नैक्स जैसा खाने की इच्छा हो रही हो तो नट्स या सेब जैसे हेल्दी चीजें खाएं।

छोटा-सा आईना:-

अपनी डेस्क पर एक छोटा-सा आईना रखें इससे जब भी आप डेस्क पर बैठे-बैठे कुछ अनहेल्दी खा रहे हों तो अगली बार उस पर विचार जरूर करेंगे।

फलों का कटोरा:-

शोधों में यह बात सामने आई है कि यदि मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति खाना खाने से पहले फलों या फूलों की खुशबू सूंघ लेते हैं तो उनकी भूख कम हो जाती है, कुछ ऐसा ही प्रयोग दफ्तर में भी किया जा सकता है। अपनी डेस्क पर सेब और केले रखें इससे कुछ मीठा या अनहेल्दी खाने की तलब कम होगी।

थोड़ा-सा प्रयास बर्न करेगा फैट....

गाड़ी पार्क करें थोड़ी दूर पर:-

हर काम के लिए बाइक या कार पर चलना मोटापे को बढ़ाने का काम तो करते ही हैं, यदि इसमें थोड़ी बहुत कटौती कर दी जाए तो हर दिन थोड़ी मात्रा में फैट बर्न किया जा सकता है। यूं तो दफ्तर जाने के लिए साइकल की सवारी कर सकते हैं लेकिन यह असुविधाजनक हो सकता है। इसकी बजाय कार या बाइक को अपने दफ्तर से कुछ दूर पार्किंग एरिया में पार्क करें, इससे आपको हर दिन थोड़ा पैदल चलने का मौका मिलेगा और फिटनेस बनी रहेगी। यदि दफ्तर घर से कम दूरी पर हो तो हफ्ते में एक या दो दिन पैदल ही जाएं।

सीढ़ियों से जाएं:

यदि पैदल जाना आपके लिए संभव ना हो तो ऑफिस में लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें इससे अतिरिक्त फैट बर्न कर पाएंगे।

हर 45 मिनट पर ब्रेक:-

ऑफिस में कुर्सी पर लंबे समय तक बैठे रहने से ना केवल पेट के आस-पास चर्बी जमा होने की समस्या हो जाती है बल्कि बैक से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इससे बचने का सबसे सरल उपाय है कि हर 45 मिनट पर 15 मिनट का ब्रेक लें। यह आपके शारीरिक और मानसिक दोनों ही प्रकार की सेहत के लिए अच्छा है। साथ ही खड़े होने और बैठे रहने के दौरान अपने पोश्चर का भी पूरा ध्यान रखें।

आज का राशिफल

मेष राशि :-सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

वृषभ राशि :- किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें।

मिथुन राशि :- प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा।

कर्क राशि :- कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

सिंह राशि :- व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

कन्या राशि :-प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

तुला राशि :- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि :-आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

धनु राशि :- कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग।

मकर राशि :-सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

कुम्भ राशि :- लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

मीन राशि :- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

इंग्लैंड दौरे को यादगार बनाने के लिए हर गेंद पर चुनौती पेश करें: गंभीर

बेकेनहैम (इंग्लैंड)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने कम्फर्ट जोन (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला को यादगार बनाने को कहा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। गंभीर ने बीसीसीआई.टीवी से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, इस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुआई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए जुनून और प्रतिबद्धता महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं। गंभीर ने इंग्लैंड दौरे पर पूरी टीम का स्वागत किया और बी साई सुदर्शन से शुरुआत करते हुए कुछ सदस्यों की विशेष सराहना की। भारतीय कोच ने कहा, पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया जाना हमेशा खास होता है इसलिए मैं साई का स्वागत करना चाहता हूं जिनके लिए बल्ले से तीन महीने शानदार रहे हैं और सुनिश्चित कीजिए कि आपका लाल गेंद का करियर बेहद सफल हो। गंभीर ने उम्मीद जताई कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह टेस्ट क्रिकेट में भी अपना प्रभाव छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, मैं अर्शदीप सिंह का स्वागत करना चाहता हूं। आपने सफेद गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि आप लाल गेंद से भी अपना जलवा बिखेरेंगे। इस 43 वर्षीय कोच ने इसके बाद गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत की पीठ भी थपथपाई। गंभीर ने कहा, मैं शुभमन को भी बधाई देना चाहता हूं जो पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। अपने देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व करने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। बधाई हो। ऋषभ पंत को भी जो अब नेतृत्व समूह का हिस्सा हैं। गंभीर ने करुण नायर की भी तारीफ की जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी की। भारतीय कोच ने कहा, वापसी कभी आसान नहीं होती, जिसने सात साल बाद वापसी की हो, उसका पिछला साल शानदार रहा। उन्होंने कहा, आपने जितने रन बनाए हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात कभी हार ना मानने का जज्बा है जिसने आपको टीम में वापस ला दिया है और यह इस समूह में सभी के लिए प्रेरणादायक है। करुण नायर का स्वागत है। नायर ने कहा कि वह भारत के लिए खेलने का दूसरा मौका मिलने पर आभारी हैं। उन्होंने कहा, इस अवसर फिर से मिलने के लिए आभारी हूं। मैं इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि एक बार जब मैं मैदान पर उतरूंगा तो मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं होंगी लेकिन अभी मैं उन्हें व्यक्त नहीं कर सकता। कप्तान गिल ने अपने साथियों से खुद को थोड़ा दबाव में रखने का आग्रह किया जिससे कि श्रृंखला शुरू होने पर वे परिस्थितियों से प्रभावित नहीं हों। गिल ने कहा, आइए प्रत्येक नेट सत्र को सार्थक बनाएं। आइए खुद को थोड़ा दबाव में रखें। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो इसका मतलब सिर्फ मैदान पर जाकर टिके रहना नहीं होता, आइए हम अपने खेल का पता लगाएं, जब हम पर दबाव डाला जाएगा तो हम कैसे खेलेंगे - चाहे वह गेंदबाज हो या बल्लेबाज।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है: ब्रेंडन मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं। भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा। मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है। इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है। उन्होंने कहा, स्पिन विभाग में हमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे। भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है। मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है।

संक्षिप्त खबरें

पहली रग्बी प्रीमियर लीग 15 जून से मुंबई में

नई दिल्ली। पहली रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का आयोजन 15 जून से मुंबई में किया जाएगा जिसमें छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इस लीग के आयोजकों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ और इस प्रतियोगिता के प्रमोटर सत्यम त्रिवेदी ने बताया कि इस लीग का आयोजन 15 से 29 जून तक मुंबई के अंधेरी स्थित मुंबई फुटबॉल एरेना में किया जाएगा। भारत में पहली बार आयोजित की जा रही इस लीग में छह फ्रेंचाइजी दिल्ली रेड्ज, हैदराबाद हीरोज, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स, चेन्नई बुल्स, मुंबई ड्रीमर्स और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स भाग लेंगी। इस लीग का प्रारूप रग्बी 7 होगा, जिसे ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त है। पारंपरिक रग्बी यूनियन प्रारूप के विपरीत रग्बी 7 प्रारूप में मैदान पर प्रत्येक टीम के सात खिलाड़ी होते हैं तथा सात सात मिनट के दो हाफ होते हैं। पारंपरिक प्रारूप में एक टीम में 15 खिलाड़ी होते हैं तथा 20-20 मिनट के दो हाफ खेले जाते हैं। हालांकि आरपीएल में टीवी दर्शकों को ध्यान में रखते हुए इसे चार मिनट के चार क्वार्टर का कर दिया गया है तथा प्रत्येक क्वार्टर के बीच दो मिनट का ब्रेक होगा। त्रिवेदी ने कहा, यह एक छोटा प्रारूप है और हमें लगता है कि यह बहुत अच्छी तरह से काम करता है क्योंकि दर्शक छोटे प्रारूप को देखना पसंद करते हैं।

विंबलडन ने रिकॉर्ड 6.23 अरब की पुरस्कार राशि की घोषणा की

लंदन। विंबलडन के मेजबान 'ऑल इंग्लैंड क्लब' के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़कर रिकॉर्ड 53.5 मिलियन पाउंड (लगभग 6.23 अरब रुपये) कर दी गयी है जिसमें से एकल वर्ग के विजेताओं को तीन मिलियन पाउंड (लगभग 34.93 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी। यह रकम पिछले साल की तुलना में सात प्रतिशत और 3.5 मिलियन पाउंड अधिक है। यह 10 साल पहले इस 'ग्रास-कोर्ट' ग्रैंड स्लैम में प्रतियोगियों मिलने वाली राशि से दोगुना है। 'ऑल इंग्लैंड क्लब के अध्यक्ष डेबोरा जेवांस ने कहा, '' हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि पिछले 10 वर्षों में हमने पुरस्कार राशि में बहुत बड़ी बढ़ोतरी की है। हमने इस वर्ष पिछले आयोजन की तुलना में लगभग सात प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।'' इस साल के पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को पिछले साल के पुरस्कारों की तुलना में 11.1% अधिक राशि मिलेगी। एकल के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 66,000 पाउंड (लगभग 76 लाख रुपये) मिलेंगे, जो पिछले साल की तुलना में 10% अधिक है। विंबलडन का आगाज 30 जून से होगा जबकि इसका समापन 13 जुलाई को होगा।

लेवांडोव्स्की के विरोध के बाद पोलैंड कोच मिशाल प्रोबिएर्ज़ ने दिया इस्तीफा

वारसॉ। पोलैंड की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मिशाल प्रोबिएर्ज़ ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला तब आया जब टीम के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने यह साफ कर दिया कि वह अब उनके नेतृत्व में टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की, जो वर्तमान में बार्सिलोना क्लब से जुड़े हैं, ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि कप्तानी छीने जाने की सूचना उन्हें एक संक्षिप्त फोन कॉल के जरिए दी गई थी, जब वह अपने बच्चों को सुला रहे थे। इसके बाद जल्द ही यह खबर पोलैंड फुटबॉल संघ की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। प्रोबिएर्ज़ ने लेवांडोव्स्की को हटाकर मिडफील्डर पियोटर ज़िलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था। इस्तीफा देते हुए प्रोबिएर्ज़ ने एक बयान में कहा, "मुझे लगता है कि मौजूदा हालात को देखते हुए राष्ट्रीय टीम के हित में मेरा इस्तीफा देना ही सबसे बेहतर फैसला होगा। इस पद पर काम करना मेरे करियर का सबसे बड़ा सपना और सम्मान था।" मिशाल प्रोबिएर्ज़ की कोच के रूप में आखिरी मैच फिनलैंड के खिलाफ था, जिसमें पोलैंड को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर्स के अंतर्गत खेला गया था।

एजीही ने लगातार 35 घंटे गोल्फ खेलकर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के एक गोल्फर ने लगातार सबसे अधिक घंटे गोल्फ खेलने का रिकार्ड बनाने का दावा किया है। उन्होंने लॉन्ग आइलैंड के एक कोर्स पर रविवार शाम से मंगलवार सुबह तक लगातार 35 घंटे गोल्फ खेली। केलेची एजीही नाम के इस खिलाड़ी ने शुरू में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 24 घंटे खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्हें पता चला कि मई में नॉर्वे के एक कोर्स पर एक ब्रिटिश गोल्फर लगातार 32 घंटे खेला था। उन्होंने बताया कि उनकी बहन ने इंटरनेट पर सर्च करते समय 32 घंटे का रिकॉर्ड देखने के बाद उन्हें फोन किया था। एजीही ने इसके बाद पूरी प्रतिबद्धता दिखाई तथा बारिश, थकान और पैरों में दर्द के बावजूद हार नहीं मानी और आखिर में ब्रिटेन के आइजैक रोलैंड्स को पीछे छोड़ने में सफल रहे। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि मैं विश्व चैंपियन हूं। यह एक ऐसा अवसर है जो बहुत से लोगों को नहीं मिलता। यह निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैं भविष्य में अपने बच्चों और अपने पोते पोतियों को जरूर बताऊंगा। अपने दोस्तों, टॉर्च और अंधेरे में चमकने वाली गोल्फ गेंदों के साथ 27 वर्षीय एजीही ने रविवार को शाम लगभग 6:30 बजे हंटिंगटन क्रीसेंट क्लब में खेलना शुरू किया और मंगलवार सुबह 5:30 बजे के बाद अपना अंतिम पुट लगाया। इस बीच उन्होंने कुल 126 होल खेले। उन्होंने बताया कि उनके दोस्तों ने पूरे खेल का वीडियो बनाया और अन्य लोगों ने गवाह के तौर पर काम किया ताकि इसे गिनीज रिकॉर्ड की मंजूरी मिल सके। गिनीज के नियमों के तहत उन्हें हर घंटे पांच मिनट का ब्रेक दिया गया। यही नहीं उन्होंने नियमों का पालन करते हुए हर राउंड के आखिर में 20 मिनट का ब्रेक भी लिया। लंदन स्थित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रवक्ता काइली गैलोवे ने कहा कि संस्था के विशेषज्ञों को सबूतों की समीक्षा करने और यह घोषित करने में 12 से 15 सप्ताह लगते हैं कि कोई रिकॉर्ड बनाया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि अभी किसी के भी नाम पर सबसे लंबे समय तक लगातार गोल्फ खेलने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं है और जो कोई भी आवेदन करता है उसे कम से कम 24 घंटे खेलना चाहिए।

आईएसएसएफ विश्व कप: सिफत कौर सामरा को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक

म्यूनिख। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने बृहस्पतिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए। नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया।

एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं। स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं।

अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया। श्रीयंका सदांगी 582 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहीं और निश्चल 60वें स्थान पर रहीं।

शुचि की जगह राधा इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल

मुंबई। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव को 28 जून से शुरू होने वाले पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए बृहस्पतिवार को चोटिल शुचि उपाध्याय की जगह भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में बताया कि 20 वर्षीय वामहस्त स्पिनर शुचि को बायीं पिंडली में चोट लगी है।

शुचि ने पिछले महीने श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान वनडे में पदार्पण किया था। बीसीसीआई ने कहा, महिला चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम शुचि उपाध्याय की जगह राधा यादव को शामिल किया है। उन्होंने बताया, शुचि को बायीं पिंडली में चोट लगने के कारण दौरे से बाहर होना पड़ा। इस चोट का पता बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में दौरा पूर्व शिविर के दौरान चला। महिला टीम का दौरा 28 जून को नॉटिंघम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जबकि दूसरा मैच एक जुलाई को ब्रिस्टल में होगा। तीसरा टी-20 मैच चार जुलाई को ओवल में, चौथा मैच नौ जुलाई को मैनचेस्टर में और पांचवां मैच 12 जुलाई को बर्मिंघम में होगा। तीन वनडे मैच क्रमशः 16, 19 और 22 जुलाई को साउथम्प्टन, लॉर्ड्स और चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेले जाएंगे।

भारत की टी20 टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

भारत की वनडे टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है। यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है। इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।

कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी के बाद से उन्होंने सिर्फ आईपीएल खेला है।

बाबर, रिजवान और अफरीदी निकट भविष्य में पाक टी20 टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं

कराची। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला में सीनियर खिलाड़ियों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी को किसी भी तरह की भूमिका देने की संभावना से इनकार कर दिया है। आकिब जावेद, अलीम डार, अजहर अली और असद शफीक सहित पाकिस्तानी चयनकर्ता अगले सप्ताह वेस्टइंडीज और बांग्लादेश में होने वाली श्रृंखला के लिए टी20 टीम की घोषणा कर सकते हैं। ये दोनों श्रृंखलाएं जुलाई-अगस्त में खेली जाएंगी। चयनकर्ताओं और मुख्य कोच माइक हेसन ने बाबर, रिजवान और शाहीन को पहले ही बता दिया है कि आगामी टी20 श्रृंखला के लिए उनकी जरूरत नहीं है और उन्हें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तथा एकदिवसीय प्रारूप पर अधिक ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान को जुलाई के आखिरी सप्ताह में वेस्टइंडीज का दौरा करना है जहां उसे तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय मैच खेलने हैं। कैरेबियाई देशों में खेलने के बाद पाकिस्तान की टीम तीन मैच की टी20 श्रृंखला के लिए बांग्लादेश जाएगी लेकिन अगस्त में होने वाली इस श्रृंखला को पांच मैच की करने का सुझाव दिया गया है। पाकिस्तान को अगस्त के आखिर में अफगानिस्तान की टी20 टीम की भी मेजबानी करनी है। यह सब सितंबर में होने वाले एशिया कप (अभी तक पुष्टि नहीं हुई है) और अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी विश्व टी20 कप की तैयारी का हिस्सा है। राष्ट्रीय चयनकर्ता के करीबी एक सूत्र ने बताया कि पैनल और हेसन टी20 टीम में नए युवा खिलाड़ियों को अधिक मौका देना चाहते हैं। सूत्र ने कहा, "विचार यह है कि अगर चीजें खराब होती हैं तो चयनकर्ता हमेशा बाबर, रिजवान और शाहीन को दोबारा चुन सकते हैं।

एशिया कप के स्थगन पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलने की योजना बना रहा पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप के रद्द या स्थगित होने की स्थिति में यूएई और अफगानिस्तान के साथ अगस्त में त्रिकोणीय श्रृंखला आयोजित करने के लिए बातचीत कर रहा है। एशिया कप को सितंबर में खेला जाना है और इसकी मेजबानी का अधिकार भारत के पास हैं। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले स्वीकार किए गए हाइब्रिड मॉडल के अनुसार पाकिस्तान इस टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगा। एशिया कप के आयोजन को लेकर अस्पष्टता के बीच पीसीबी ने अफगानिस्तान बोर्ड के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

अफगानिस्तान को सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अगस्त में पाकिस्तान का दौरा करना है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, "पाकिस्तान और भारत के बीच खराब होते संबंधों के कारण अब एशिया कप की भारत में सितंबर में होने की संभावना नहीं है, इसलिए पीसीबी एक और त्रिकोणीय श्रृंखला के प्रस्ताव पर काम कर रहा है।" उन्होंने बताया, " एशिया कप का आयोजन अगर यूएई में होता है तो पाकिस्तान अगस्त में अफगानिस्तान और यूएई के साथ दुबई में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगा। यह अफगानिस्तान के पाकिस्तान दौरे की जगह लेगा।" उन्होंने कहा कि पीसीबी त्रिकोणीय श्रृंखला के आयोजन के लिए दोनों क्रिकेट बोर्ड के साथ पहले से ही बातचीत कर रहा है। सूत्र ने खुलासा किया, "अगर एशिया कप रद्द या स्थगित होता है तो पीसीबी चाहता है कि अफगानिस्तान और यूएई की टीमें अगस्त में पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलें।"

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के मौजूदा अध्यक्ष है। एसीसी एशिया कप पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक करेगी। उन्होंने कहा, "भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक घरेलू मैदान पर एशिया कप की मेजबानी करने की अपनी इच्छा की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में यह देखना होगा कि एसीसी टी20 प्रारूप में प्रस्तावित इस एशिया कप के भविष्य पर कब तक फैसला लेती है।

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश, लेकिन हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है: यूनुस

लंदन। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती रही, लेकिन 'हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है'। बुधवार को लंदन में 'चाथम हाउस' थिंक टैंक के निदेशक ब्रोनवेन मैडॉक्स के साथ बातचीत में यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लिए लोकतांत्रिक रोडमैप सहित कई मुद्दों पर बात की।

मैडॉक्स ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए भारत को जारी किए गए एक अनौपचारिक राजनयिक नोट का हवाला दिया और मामले पर ताजा जानकारी के बारे में पूछा। यूनुस ने कहा कि यह जारी रहेगा। हम चाहते हैं कि पूरी प्रक्रिया बहुत कानूनी, बहुत उचित हो... हम भारत के साथ बेहतरीन संबंध बनाना चाहते हैं। यह हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ किसी भी तरह की बुनियादी समस्या हो। उन्होंने कहा कि लेकिन भारतीय प्रेस से आने वाली सभी फर्जी खबरों के कारण हर बार चीजें गलत हो जाती हैं, और कई लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष पर बैठे नीति निर्माताओं से है। यूनुस ने कहा कि तो, यही बात बांग्लादेश को बहुत बेचैन और बहुत नाराज करती है। हम इस गुस्से से उबरने की कोशिश करते हैं, लेकिन साइबरस्पेस में बहुत सी चीजें होती रहती हैं। हम इससे बच नहीं सकते... अचानक वे कुछ कहते हैं, कुछ करते हैं, फिर से गुस्सा आ जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ा काम है कि हम कम से कम एक शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। ऐसा जीवन जिसका हम सपना देख रहे हैं।"

जब दर्शकों में से कुछ ने हसीना के बारे में 'भारत की अस्पष्ट भूमिका' का दावा करते हुए सवाल किया तो यूनुस ने जवाब दिया कि (हसीना के खिलाफ) सारा गुस्सा अब भारत में स्थानांतरित हो गया है क्योंकि वह वहां गईं। उन्होंने कहा कि जब मुझे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी से बात करने का मौका मिला, तो मैंने बस इतना कहा: आप उनकी मेजबानी करना चाहते हैं, मैं आपको उस नीति को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। लेकिन कृपया यह सुनिश्चित करने में हमारी मदद करें कि वह बांग्लादेशी लोगों से उस तरह बात न करें जिस तरह वह (ऑनलाइन) कर रही हैं। वह इस तरह तारीख, इस तरह समय की घोषणा करती हैं कि वह बोलेंगी और पूरा बांग्लादेश बहुत गुस्सा हो जाता है। यूनुस ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि हसीना की सोशल मीडिया गतिविधियों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह एक विस्फोटक स्थिति है, आप यह कहकर बच नहीं सकते कि यह सोशल मीडिया की बात है। हसीना के निष्कासन के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ संबंधों में तनाव आ गया। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद हसीना को पिछले साल पांच अगस्त को न केवल पद छोड़ना पड़ा था, बल्कि ढाका छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा था और उन पर बांग्लादेश में अनेक मामले दर्ज किए गए।

नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस (84) ने पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि 2026 की पहली छमाही तक राष्ट्रीय चुनाव होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह निर्वाचित सरकार का हिस्सा बनने पर विचार करेंगे, यूनुस ने जवाब दिया कि बिल्कुल नही। वह मंगलवार को ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे, जहां उनके सामने ब्रिटेन में हसीना की अवामी लीग पार्टी के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। इस यात्रा के दौरान उनके महाराजा चार्ल्स तृतीय और ब्रिटिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों से मिलने की संभावना है।

नेशनल गार्ड के सैनिकों को आप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित किया गया

वाशिंगटन। अमेरिका में नेशनल गार्ड के लगभग 500 सैनिकों को आप्रवासियों के खिलाफ अभियान में आव्रजन एजेंटों के साथ जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। प्रभारी कमांडर ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कुछ सैनिक पहले ही ऐसे मिशन पर रवाना हो गए हैं, हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी वहां रहेंगे या नहीं। मेजर जनरल स्कॉट शर्मन ने एसोसिएटेड प्रेस और एबीएस को दिए साक्षात्कार में आगाह किया कि प्रदर्शन से हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि कार्रवाई तेज की जाएगी। मेरा ध्यान फिलहाल लॉस एंजिलिस पर है। यहां जो हो रहा है उसपर।" तैनात किए गए नेशनल गार्ड के 4000 से अधिक सैनिकों और 700 मरीन की देखरेख कर रहे टास्क फोर्स 51 के कमांडर शर्मन ने शुरू में कहा था कि नेशनल गार्ड के सैनिक पहले ही कुछ लोगों को अस्थायी रूप से हिरासत में ले चुके हैं। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है। शर्मन ने कहा कि उन्होंने जो फोटो और फुटेज देखे थे, उसके आधार पर उन्होंने लोगों को हिरासत में लिए जाने संबंधी टिप्पणियां की थीं।

उन्होंने बुधवार को कहा कि किसी भी प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि सैनिकों को कई दिन तक प्रशिक्षण दिया गया है और वे जरूरत पड़ने पर ऐसा करने पर गिरफ्तारी करने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त खबरें

लेबनान के पूर्व वित्त मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

बेरूत। लेबनान के एक पूर्व कैबिनेट मंत्री को कथित वित्तीय अपराधों की जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। न्यायिक और सुरक्षा अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। तीन न्यायिक अधिकारियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि मंत्रालय के धन के अवैध इस्तेमाल और संदिग्ध अनुबंधों के संबंध में पूर्व वित्त मंत्री अमीन सलाम से तीन घंटे पूछताछ की गई जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। लेबनान अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहा है जो कई वर्षों से मुनाफाखोरी से जूझ रही है। सलाम पर जालसाजी, गबन और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। स्थानीय मीडिया ने खबरों में बताया कि यह मामला निजी बीमा कंपनियों से कथित जबरन वसूली और उन कंपनियों की निगरानी करने वाली समिति के धन का खुद के लिए इस्तेमाल करने से संबंधित है। सलाम ने सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने इन खबरों का खंडन किया और कहा कि धन राशि का इस्तेमाल उन्होंने समिति की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किया था। सलाम तीन साल से ज्यादा समय तक वित्त मंत्री रहे। उन्हें 2021 में ऐसे समय में नियुक्त किया गया था जब लेबनान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी।

न्यूयॉर्क में मेयर पद का चुनाव : हिंदुओं ने कुओमो के समर्थन में बैनर लहराया

ह्यूस्टन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में मेयर पद के चुनाव के बीच हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने उम्मीदवार एंड्रयू कुओमो का समर्थन करते हुए शहर में बैनर लहराया और मतदाताओं से चुनावी दौड़ में अनुभवी, समावेशी नेतृत्व को चुनने की अपील की। 'कुओमो को हिंदुओं का समर्थन: न्यूयॉर्क एकजुट हो, नफरत दूर करें" लिखे बैनर मैनहट्टन, क्वींस और ब्रुकलिन के प्रमुख इलाकों में लहराए गए। इस अभियान का उद्देश्य बढ़ते अपराध, विभाजनकारी बयानबाजी और शहर में कथित तौर पर एक सक्षम नेतृत्व नहीं होने पर समुदाय की बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करना था। आयोजकों ने कहा कि यह अभियान एक ऐसे नेता की वकालत करने के उद्देश्य से चलाया गया जो हिंदुओं के एकता, शांति और अहिंसा के मूल्यों को समझता है। न्यूयॉर्क के हिंदू अमेरिकन पीएसी के अध्यक्ष डॉ. राकेश श्रीधर ने कहा, "इस समय जो नेतृत्व है वह सक्षम नहीं लगता। गवर्नर कुओमो का नेतृत्व अनुभव न केवल प्रासंगिक है, बल्कि न्यूयॉर्क शहर के सामने आज मौजूद महत्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने में सक्षम है।" ह्यूस्टन स्थित पर्यावरण कार्यकर्ता एवं 'ग्रीन कुंभ एलायंस' की संस्थापक कुसुम व्यास ने कहा कि इस संदेश की गूंज शहर की सीमाओं से आगे तक जाएगी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में देखा जा रहा है जब प्राइमरी चुनाव में तीन बार के न्यूयॉर्क गवर्नर कुओमो और असेंबली सदस्य जोहरान ममदानी के बीच मुकाबला है।

जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात की

पेरिस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को रेखांकित करने के लिए यूरोप के तीन देशों की यात्रा पर हैं। यह यात्रा गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हो रही है। जयशंकर ने मुलाकात के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन उन्हें प्रेषित किया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चाओं में हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति विश्वास, सहजता और महत्वाकांक्षा की झलक मिली। जयशंकर बुधवार को ब्रसेल्स में थे, जहां उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और ईयू-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए।

अमेरिका में आप्रवासियों पर छापेमारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज

ऑस्टिन (अमेरिका)। अमेरिका में आप्रवासियों पर छापेमारी और नेशनल गार्ड के सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजे जाने के खिलाफ जारी प्रदर्शनों ने राष्ट्रव्यापी रूप ले लिया है और ये सप्ताहांत तक जारी रहने की आशंका है। आव्रजन एवं सीमाशुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंसी के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन कुछ प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई है।

टेक्सास में रिपब्लिकन के गवर्नर ग्रेग एबट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि शांति और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनिर्दिष्ट संख्या में नेशनल गार्ड के सैनिकों को ॠराज्य में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।ॠ प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि वे आने वाले दिनों में और भी बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। इसके तहत शनिवार को वाशिंगटन डीसी में ट्रंप की निर्धारित सैन्य परेड के समय देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि आप्रवासियों के खिलाफ छापेमारी और निर्वासन की कार्रवाई जारी रहेगी। बुधवार शाम सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने सिएटल में एक संघीय इमारत की ओर मार्च किया, जहां आव्रजन मामलों की सुनवाई होती है।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने पास में एक डंपर को घसीटकर उसमें आग लगा दी। न्यूयॉर्क शहर में पुलिस ने मंगलवार शाम और बुधवार सुबह लोअर मैनहट्टन के फोले स्क्वायर में विरोध प्रदर्शन के दौरान 80 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों ने न्यूयॉर्क में 'आईसी की कार्रवाई बंद करो' के नारे लगाए और संघीय न्यायालयों के पास रैली की। पुलिस का अनुमान है कि लगभग 2,500 लोग इसमें शामिल हुए। इसी तरह न्यूयॉर्क सिटी, सेंट एंटोनियो, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रेंसिस्को, शिकागो, डेनवर और स्पोकेन में भी विरोध प्रदर्शन हुए।

नेतन्याहू की सरकार बची, संसद में सैन्य सेवा अनिवार्य बनाने संबंधी विपक्ष का विधेयक गिरा

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार बृहस्पतिवार को अति-रूढ़िवादी गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से बच गई क्योंकि संसद में उन्होंने युद्ध के दौरान सैन्य सेवा में पंजीकरण अनिवार्य बनाने संबंधी विपक्ष के विधेयक के खिलाफ अपना मत दिया।

यह मतदान नेतन्याहू सरकार के लिए सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद सबसे गंभीर चुनौती थी। हमास के हमले को इजराइल के इतिहास में सबसे बड़ी सुरक्षा विफलता माना जाता है और इसके बाद से गाजा में युद्ध जारी है। विधेयक के संसद में गिर जाने का अभिप्राय है कि नेसेट (इजराइली संसद) को भंग करने के लिए कोई अन्य विधेयक कम से कम छह महीने तक प्रस्तुत नहीं किया जा सकेगा, जिससे नेतन्याहू के संकटग्रस्त गठबंधन को मजबूती मिलेगी। अति-रूढ़िवादी दल इस बात से नाराज हैं कि सरकार उनके समुदाय को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने वाला कानून पारित करने में विफल रही है। इस मुद्दे ने लंबे समय से यहूदी इज़राइली जनता को विभाजित किया है, खासकर गाजा पट्टी में 20 महीने के युद्ध के दौरान। इज़राइली विपक्ष को उम्मीद थी कि छूट को लेकर जनता का गुस्सा सरकार को गिराने में मदद करेगा; लेकिन इज़राइली संसद नेसेट के 18 अति-रूढ़िवादी सदस्यों में से सिर्फ़ दो ने ही संसद को भंग करने के विधेयक का समर्थन किया।

विदेश मामलों और रक्षा समिति के अध्यक्ष यूली एडेलस्टीन ने कहा कि वे और अति-रूढ़िवादी पार्टियां एक नए मसौदा कानून के आधार पर एक समझौते पर पहुंच गई हैं, जिस पर वे आगामी सप्ताह में चर्चा जारी रखेंगे। इसके बाद अधिकांश सदस्यों ने विधेयक के खिलाफ मतदान करने पर सहमति व्यक्त की। इजराइल में अधिकांश यहूदियों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है, लेकिन राजनीतिक रूप से शक्तिशाली अति-रूढ़िवादियों को पारंपरिक रूप से इससे छूट प्राप्त है बशर्ते वे धार्मिक केंद्रों में पूर्णकालिक अध्ययन कर रहे हों। अति रूढ़िवादियों की इजराइली आबादी में करीब 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

भारतीय मूल के चिकित्सक ने एएमए के अध्यक्ष के रूप में कामकाज संभाला

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के चिकित्सक बॉबी मुक्कमला को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) का 180वां अध्यक्ष बनाया गया है और वह इस संस्था की अगुवाई करने वाले भारतीय मूल के पहले चिकित्सक बन गए हैं। एसोसिएशन के एक बयान के अनुसार कान-नाक-गला रोग विशेषज्ञ मुक्कमला ने मंगलवार को पद की शपथ ली।

वह काफी समय से एएमए में सक्रिय रहे हैं और संस्था के एक कार्यबल के प्रमुख भी हैं। पिछले साल नवंबर को उनके मस्तिष्क में आठ सेंटीमीटर आकार के ट्यूमर का पता लगा था। बयान में उनके हवाले से कहा गया कि कुछ महीने पहले, मुझे नहीं पता था कि वो रात कट भी पाएगी या नहीं। उन्होंने अपने गृहनगर फ्लिंट, मिशिगन में जल संकट से निपटने के उपायों में एक केंद्रीय भूमिका निभाई, जहां उनके माता-पिता 1970 के दशक की शुरुआत में भारत से आने के बाद बस गए थे। बयान में कहा गया है कि दो अप्रवासी चिकित्सक माता पिता की संतान डॉ. मुक्कमला को चिकित्सा क्षेत्र में जाने और अपने गृहनगर फ्लिंट में लौटकर स्थानीय लोगों की सेवा करने की प्रेरणा मिली।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अपने दूतावास में कर्मचारियों की संख्या घटाई

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश विभाग और सेना ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में अशांति की आशंकाओं के बीच अमेरिका इस क्षेत्र में अपने दूतावासों में उन कर्मचारियों की संख्या कम कर रहा है जिनकी उसके मुताबिक वहां जरूरत नहीं है।

विदेश विभाग ने कहा कि उसने अपनी नवीनतम समीक्षा और 'घर तथा विदेश दोनों जगह अमेरिकियों को सुरक्षित रखने' की प्रतिबद्धता के आधार पर बगदाद में अमेरिकी दूतावास से सभी गैर-आवश्यक कर्मियों को वहां से निकलने का आदेश दिया है। दूतावास में पहले ही सीमित संख्या में कर्मचारी थे और यह आदेश बड़ी संख्या में कर्मियों को प्रभावित नहीं करेगा। विभाग बहरीन और कुवैत से भी गैर-आवश्यक कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को दूतावास छोड़ने की अनुमति दे रहा है। इससे उन्हें सरकारी खर्च और सरकारी सहायता से उन देशों को छोड़ने का विकल्प मिलता है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'पूरे क्षेत्र से सैन्य आश्रितों के स्वैच्छिक प्रस्थान को अधिकृत किया है'। कमान पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति पर नजर रख रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार शाम को वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में कहा कि उन्हें वहां से हटाया जा रहा है क्योंकि यह एक खतरनाक जगह हो सकती है। हमने वहां से हटने के लिए नोटिस दे दिया है और हम देखेंगे कि क्या होता है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, वहीं ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका से उसकी बातचीत में गतिरोध पैदा होता नजर आ रहा है। वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है, जिसके बदले में अमेरिका द्वारा इस्लामिक गणराज्य पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंधों को हटाया जाएगा।

ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है। अमेरिका के दो अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं होने की शर्त पर पहले कहा था कि वार्ता का अगला और छठा चरण इस सप्ताहांत ओमान में संभावित है। हालांकि, उन अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि वार्ता होने की संभावना कम होती जा रही है। ट्रंप ने पहले कहा था कि अगर वार्ता विफल हो जाती है तो इजराइल या अमेरिका ईरानी परमाणु केंद्रों को निशाना बनाकर हवाई हमले कर सकते हैं। उन्होंने ईरान के साथ किसी समझौते पर पहुंचने के बारे में बहुत ज्यादा आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त नहीं किया।

ईरान अपने परमाणु दायित्वों का पालन नहीं कर रहा: आईएईए

वियना। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के शासक मंडल ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान 20 वर्षों में पहली बार अपने परमाणु दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है, जिसके कारण तनाव बढ़ सकता है और इस वर्ष के अंत में ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को पुनः लागू करने के प्रयास शुरू हो सकते हैं। बंद कमरे में हुए मतदान के बारे में बताने वाले राजनयिकों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ने वियना में एक बैठक में प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखे गए मसौदा प्रस्ताव में, शासक मंडल ने ईरान से कई स्थानों पर पाए गए यूरेनियम के अंशों के बारे में लंबे समय से जारी जांच में "बिना देरी" के शामिल होने का आह्वान किया है। पश्चिमी अधिकारियों को संदेह है कि यूरेनियम के ये अवशेष इस बात का सबूत दे सकते हैं कि ईरान 2003 तक परमाणु हथियार कार्यक्रम पर गुप्त रूप से काम कर रहा था। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और अमेरिका ने यह प्रस्ताव पेश किया था।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई के लिए इजराइल तैयार, अमेरिकी अधिकारियों को मिली सूचना

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता के बीच इजराइल ने बड़ा फैसला लिया है। अमेरिकी अधिकारियों को बताया गया है कि इजराइल, ईरान में सैन्य अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अमेरिका को लगता है कि ईरान पड़ोसी इराक में कुछ अमेरिकी साइटों पर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। यही कारण है कि अमेरिका ने बुधवार को कुछ अमेरिकियों को इस क्षेत्र को छोड़ने की सलाह दी।

एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि विदेश विभाग ने गैर-आपातकालीन सरकारी अधिकारियों को 'बढ़े हुए क्षेत्रीय तनाव' के कारण इराक छोड़ने का आदेश दिया। पेंटागन ने सैन्य परिवार के सदस्यों को स्वेच्छा से मध्य पूर्व को छोड़ने के लिए अधिकृत किया है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ आने वाले दिनों में देश के परमाणु कार्यक्रम पर छठे दौर की वार्ता के लिए ईरान से मिलने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने बुधवार को कैनेडी सेंटर में एक कार्यक्रम में ईरान के बारे में बात की।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करे। इस बीच, ईरान के रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि यदि परमाणु वार्ता विफल हो जाती है।